3 राजधानी
बिना इलाज के लौट रहे मरीज

6 अभिमत
बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन

10 विदेश
बांग्लादेश में आतिथ्य क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित

11 स्पोर्ट्स
रौनक दहिया को कांस्य पदक

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 281
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 22 अगस्त, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

राजनीति नहीं छोड़ूंगा, नई पार्टी बनाने को तैयार हूं : चंपई सोरेन
राष्ट्रीय-9

जेलेंस्की से शांतिपूर्ण हल पर चर्चा करेंगे पीएम

● पोलैंड और यूक्रेन की यात्रा पर वारसा पहुंचे मोदी, 45 साल में किसी भारतीय पीएम की पहली पोलैंड यात्रा

राहुल दत्ता। नई दिल्ली

पोलैंड की राजधानी वारसा पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय समुदाय से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को अपनी दो देशों की यात्रा के पहले चरण में पोलैंड पहुंचे। इस दौरान वे यूक्रेन की राजधानी कीव भी जाएंगे। प्रधानमंत्री ने यात्रा पर जाने से पहले कहा कि वह यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान पर राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की के साथ दृष्टिकोण साझा करने के लिए उत्सुक हैं। यात्रा के पहले चरण में मोदी 21 और 22 अगस्त को पोलिश राजधानी वारसॉ का दौरा कर रहे हैं। यह 45 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली पोलैंड यात्रा होगी। 1991 में देश के स्वतंत्र होने के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यूक्रेन की पहली यात्रा में मोदी 23 अगस्त को लगभग सात घंटे तक कीव में रहेंगे। यात्रा से पहले मोदी ने यूक्रेन संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा कि एक मित्र और भागीदार के रूप में, भारत इस क्षेत्र में जल्द शांति और स्थिरता की वापसी की उम्मीद करता है। उन्होंने कहा, पोलैंड से, मैं राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की के निमंत्रण पर यूक्रेन का दौरा करूंगा। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यूक्रेन की पहली यात्रा है। उन्होंने कहा, मैं द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने और चल रहे यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान पर दृष्टिकोण साझा करने के लिए राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की के साथ पहले की बातचीत को आगे बढ़ाने के अवसर की प्रतीक्षा कर रहा हूं। उन्होंने कहा, एक मित्र और भागीदार के रूप में, हम क्षेत्र में जल्द शांति और स्थिरता की वापसी की उम्मीद करते हैं। मोदी ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि वारसॉ और कीव की उनकी यात्रा दोनों देशों के साथ व्यापक संपर्कों की स्वाभाविक निरंतरता के रूप में काम करेगी और आने वाले वर्षों में मजबूत और अधिक जीवंत संबंधों की नींव बनाने में मदद करेगी।

प्रधानमंत्री पोलैंड से कीव तक रेल फ़ोर्स वन ट्रेन से यात्रा करेंगे जिसमें लगभग 10 घंटे लगेंगे। वापसी यात्रा भी इतनी ही अवधि की होगी। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन और जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ सहित कई विश्व नेताओं ने ट्रेन से कीव का दौरा किया है। मोदी की कीव यात्रा मॉस्को की उनकी हाई-प्रोफाइल यात्रा के लगभग छह सप्ताह बाद हो रही है, जिसकी अमेरिका और उसके कुछ पश्चिमी सहयोगियों ने आलोचना की थी। भारत बातचीत और कूटनीति के माध्यम से संघर्ष के समाधान का आह्वान करता रहा है। पिछले महीने मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपनी शिखर वार्ता में मोदी ने कहा था कि यूक्रेन संघर्ष का समाधान युद्ध के मैदान पर संभव नहीं है और बम और गोलियों के बीच शांति वार्ता सफल नहीं होती है।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने सोमवार को कहा कि मोदी की यूक्रेन यात्रा 'ऐतिहासिक' होगी। विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने कहा, स्थायी शांति केवल उन विकल्पों के माध्यम से हासिल की जा सकती है जो दोनों पक्षों को स्वीकार्य हों। और यह केवल बातचीत से ही समाधान हो सकता है। उन्होंने कहा, हमारी ओर से, भारत सभी हितधारकों के साथ जुड़ना जारी रखेगा। पोलैंड की अपनी यात्रा पर मोदी ने कहा कि वह प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क और राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा से मुलाकात के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, पोलैंड की मेरी यात्रा तब हो रही है जब हम अपने राजनयिक संबंधों के 70 साल पूरे कर रहे हैं। पोलैंड मध्य यूरोप में एक प्रमुख आर्थिक भागीदार है। उन्होंने कहा, लोकतंत्र और बहुलवाद के प्रति हमारी पारस्परिक प्रतिबद्धता हमारे रिश्ते को और मजबूत करती है। मैं हमारी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए अपने मित्र प्रधान मंत्री डोनाल्ड टस्क और राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा से मिलने के लिए उत्सुक हूं। मोदी ने कहा, मैं पोलैंड में जीवंत भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ भी बातचीत करूंगा। यह 45 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली पोलैंड यात्रा होगी।

उपेंद्र कुशवाहा, मनन कुमार मिश्रा, किरण चौधरी, ममता मोहंता, जॉर्ज कुरियन, धैर्यशील पाटिल, नितिन पाटिल, रवनीत सिंह बिट्टू

राज्यसभा में बहुमत के आंकड़े को पाने के लिए एनडीए लगाएगा जोर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भाजपा नेता किरण चौधरी, पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा, सुप्रीम कोर्ट के वकील मनन कुमार मिश्रा, प्रसिद्ध कुडुमी समुदाय की नेता ममता मोहंता, केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन, भाजपा और राकांपा के उम्मीदवार धैर्यशील पाटिल और नितिन पाटिल, मिशन रंजन दास और रामेश्वर तेली और राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू उन नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने बुधवार को उच्च सदन की 12 रिक्त सीटों के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। भाजपा के लिए उपचुनाव एनडीए की राज्यसभा संख्या को बहुमत के आंकड़े से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण हैं, जो विधेयकों को पारित करने में एक महत्वपूर्ण कारक है।

राज्यसभा की वर्तमान प्रभावी ताकत 229 है- इसमें से, भाजपा के पास 87 सांसद हैं, एनडीए सहयोगियों की संख्या 105 है। छह नामांकित सांसदों के समर्थन से एनडीए की ताकत 111 तक पहुंच जाती है, जो आधे से चार कम है। विपक्ष के 84 सदस्य हैं- कांग्रेस के 26, और सहयोगी दलों के 58। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, सर्बानंद सोनोवाल और ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित मौजूदा सदस्यों के लोकसभा के लिए चुने जाने के कारण 12 में से कई सीटें खाली हो गईं। हरियाणा से, भाजपा नेता किरण चौधरी ने बुधवार को राज्यसभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया, जजपा के कुछ बागी विधायकों ने भी उनकी उम्मीदवारी का समर्थन किया। चौधरी द्वारा अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के समय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बडोली, पार्टी के कई विधायक, राज्य के लिए पार्टी के सह-प्रभारी बिप्लब कुमार देब और जजपा के कुछ बागी भी मौजूद थे। राज्यसभा उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने का बुधवार को आखिरी दिन था। कांग्रेस छोड़ने के लगभग दो महीने बाद, मंगलवार को विधानसभा से इस्तीफा देने के तुरंत बाद भाजपा ने चौधरी को उपचुनाव के लिए अपना उम्मीदवार नामित किया। उन्होंने हरियाणा विधानसभा में तोशाम सीट का प्रतिनिधित्व किया। कांग्रेस नेता दीपेंद्र सिंह हुड्डा के रोहतक से लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद हरियाणा में राज्यसभा की एकमात्र सीट के लिए उपचुनाव जरूरी हो गया था। उनका राज्यसभा का कार्यकाल अप्रैल 2026 में समाप्त होना था।

जयपुर में केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने राजस्थान से राज्यसभा उपचुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया। उनके साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा और दीया कुमारी और संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल भी थे। अपना नामांकन पत्र जमा करने से पहले, बिट्टू ने भाजपा विधायक दल की बैठक के दौरान राजस्थान से राज्यसभा उम्मीदवार के रूप में अपने चयन के लिए आभार व्यक्त किया। राजस्थान में कुल 10 राज्यसभा सीटें हैं, जिनमें से एक खाली है। नौ सीटों में से बीजेपी के पास चार और कांग्रेस के पास पांच हैं. पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते बिट्टू इस साल मार्च में भाजपा में शामिल हुए और लोकसभा चुनाव लड़ा। (शेष पृष्ठ 9)

आंध्र प्रदेश के एनेकापल्ले में फार्मा कंपनी की यूनिट में लगी आग को बुझाने में लगे दमकल कर्मी।

आंध्र में फार्मा यूनिट में लगी आग, 13 की मौत

पीटीआई। अचुतापुरम (आंध्र प्रदेश)

यहां एक दवा इकाई में आग लगने की घटना में मरने वालों की संख्या बुधवार को बढ़कर 13 हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अनाकापल्ली जिला कलेक्टर विजया कृष्णन ने कहा कि अनाकापल्ली जिले के अचुतापुरम में एस्किंतिया एडवांस्ड साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड में दोपहर 2.15 बजे आग लग गई। फ़ैक्टरी दो पालियों में 381 कर्मचारियों के साथ संचालित होती है। यह विस्फोट दोपहर के भोजन के समय हुआ। इसलिए, कर्मचारियों की उपस्थिति कम थी। उन्होंने कहा कि विस्फोट बिजली से संबंधित होने का संदेह है। कम से कम 33 घायल लोगों को अनाकापल्ली और अचुतापुरम के विभिन्न अस्पतालों में स्थानांतरित किया गया, जबकि अग्निशमन विभाग छह अग्निशमन गाड़ियों को तैनात करते हुए बचाव कार्य में लगा हुआ है। इसके अलावा, कलेक्टर ने कहा कि यूनिट में फंसे 13 लोगों को बचाया गया। इस बीच, मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया है। एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि सीएम ने आश्वासन दिया कि सरकार मरने वाले श्रमिकों के परिवारों के साथ खड़ी रहेगी। इंटरमीडिएट केमिकल्स और एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स (शेष पृष्ठ 9)

डॉक्टरों के साथ खिलाड़ी, इंजीनियर भी आंदोलन में शामिल

सौगर सेनगुप्ता। कोलकाता

कोलकाता अपने सदियों पुराने प्रतीक चिन्ह - मिछिल नगरी या जुलूसों का शहर के प्रति वफादार बना हुआ है और बुधवार को खिलाड़ी और इंजीनियर, आईटी कर्मी आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार और हत्या मामले के खिलाफ चल रहे विरोध आंदोलन में डॉक्टरों के साथ शामिल हो गए। फुटबॉल, तैराकी, एथलेटिक्स आदि जैसे असंख्य क्षेत्रों के अनुभवी खिलाड़ी 31 वर्षीय महिला डॉक्टर के लिए 'न्याय' के लिए मार्च में शामिल हुए, जिसके साथ 8 अगस्त की सुबह

● कोलकाता मामला: सीआईएसएफ अधिकारियों ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण किया

कथित तौर पर बलात्कार और हत्या कर दी गई थी। मार्च में शामिल होने वालों में शतरंज के ग्रैंड मास्टर दिब्येंदु बरुआ, तैराक बुला चौधरी, धावक ज्योतिर्मयी सिकदर और राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी गौतम सरकार शामिल थे। चौधरी ने कहा, हम युवा महिला डॉक्टर को न्याय दिलाने के

लिए नहीं बल्कि पूरे समाज को न्याय दिलाने के लिए शामिल हुए हैं। बहुत हो गया, अब हम इस दूषित व्यवस्था में सांस नहीं ले सकते जहां सब कुछ सड़ रहा है। कल यह मेरे परिवार के सदस्य या किसी और के भी हो सकते हैं।

सरकार ने भी आवाज उठाते हुए कहा, 'दोषियों को फांसी नहीं होनी चाहिए, बल्कि जिस व्यवस्था में वे पनपते हैं, उस व्यवस्था को फांसी होनी चाहिए...भ्रष्टों द्वारा, भ्रष्टाचारियों के लिए और भ्रष्टाचारियों के लिए यह शासन खत्म होना चाहिए क्योंकि इस भ्रष्टाचार के दलदल में ये शैतान पैदा होते हैं... राज्य के अलावा और कौन ऐसा कर सकता है... हम राज्य के लिए न्याय की मांग करते हैं... अगर एक डॉक्टर अपने ही अस्पताल के अंदर सुरक्षित नहीं है... अगर एक पत्रकार अपने ही कार्यालय के अंदर सुरक्षित नहीं है... अगर कोई महिला पुलिसकर्मी पुलिस स्टेशन के अंदर सुरक्षित नहीं है... अगर कोई खिलाड़ी कैंप के अंदर सुरक्षित नहीं है... या उस मामले के लिए अगर कोई राजनेता विधायिका के अंदर सुरक्षित नहीं है तो कौन किस स्थान पर सुरक्षित है। एक पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी ने कहा, यह वह आवाज है जो समाज के भीतर से उठी है और इसे संबोधित किया जाना चाहिए (शेष पृष्ठ 9)

हल्के वाहन डीएल मामले पर सुनवाई बहाल होगी

पीटीआई। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने इस कानूनी सवाल पर सुनवाई फिर से शुरू करने का बुधवार को फैसला किया कि क्या हल्के मोटर वाहन के लिए ड्राइविंग लाइसेंस रखने वाला व्यक्ति 7,500 किलोग्राम तक के वजन वाले ऐसे परिवहन वाहन को चला सकता है, जिस पर कोई सामान नहीं लदा हो। केंद्र की ओर से न्यायालय में पेश अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा कि हालांकि मोटर वाहन (एमवी) अधिनियम 1988 में संशोधन के लिए परामर्श की प्रक्रिया लगभग पूरा हो चुकी है लेकिन प्रस्तावित संशोधनों को अभी संसद के समक्ष पेश किया जाना बाकी है। इसके बाद, प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने यह फैसला सुनाया। शीर्ष विधि अधिकारी ने कहा कि संशोधित विधेयक को शीतकालीन सत्र में संसद के समक्ष पेश किया जा सकता है। उन्होंने पीठ को सुझाव दिया कि या तो संसद द्वारा इसे मंजूरी दिए जाने (शेष पृष्ठ 9)

फर्जी लॉटरी के विज्ञापनों पर गूगल, मेटा को नोटिस

पीटीआई। तिरुवनंतपुरम

केरल पुलिस ने गूगल को नोटिस जारी कर प्ले स्टोर से उन ऐप को हटाने के लिए कहा है जो राज्य द्वारा संचालित लॉटरी के नाम पर ऑनलाइन फर्जी लॉटरी बेच रहे हैं। राज्य पुलिस मीडिया सेंटर (एसपीएमसी) ने बुधवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि मेटा को भी उसके सोशल मीडिया मंचों फेसबुक, व्हाट्सऐप और इंस्टाग्राम से ऐसी फर्जी लॉटरी के विज्ञापन हटाने के लिए इसी तरह का नोटिस जारी किया गया है। एसपीएमसी की विज्ञप्ति में कहा गया है कि साइबर

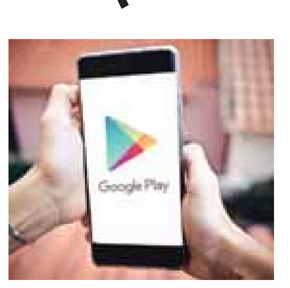

गश्त के दौरान पता चला कि 60 फर्जी लॉटरी ऐप, 25 फर्जी फेसबुक प्रोफाइल और 20 वेबसाइट इस घोटाले से जुड़ी हैं, जिसके बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की। इसमें कहा गया है कि धोखाधड़ी में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

घोटाले का ब्योरा देते हुए पुलिस ने कहा कि केरल मेगामिलियन लॉटरी और केरल समर सीजन धमाका के नाम से फर्जी विज्ञापन पिछले कुछ समय से व्हाट्सऐप, टेलीग्राम और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया मंचों पर प्रसारित हो रहे हैं और इनमें कहा गया है कि राज्य सरकार द्वारा संचालित लॉटरी ऑनलाइन खरीदी जा सकती है। इसमें कहा गया है कि लोगों को उनके फोन पर यह संदेश भी मिलता है कि केरल सरकार ने ऑनलाइन लॉटरी शुरू की है और 40 रुपए खर्च करने पर 12 करोड़ रुपए तक जीतने का मौका है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि बाद में, जब ड्रॉ का समय समाप्त हो जाता है, तो ठग फर्जी परिणाम भेजते हैं, जो दिखाते हैं कि लॉटरी धारक ने पांच लाख रुपए का पुरस्कार जीता है। इसके बाद, सरकारी प्रतिनिधि बनकर कोई शख्स पीड़ित को कॉल करता है और टिकट धारक से पुरस्कार राशि प्राप्त करने के लिए जीएसटी और स्टांप ड्यूटी के लिए एक निश्चित राशि बैंक खाते में स्थानांतरित करने के लिए कहता है। मांगी गई राशि हस्तांतरित होने के बाद, वे यह दावा करते हुए अधिक धनराशि की मांग करते हैं कि आरबीआई ने पुरस्कार राशि रोक ली है।

भारत बंद का रहा मिलाजुला असर

● पटना में मजिस्ट्रेट को लगी पुलिस की लाठी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के उप-वर्गीकरण (आरक्षण में कोटा) की अनुमति देने के फैसले के विरोध में, दलितों और आदिवासी समुदायों द्वारा आहूत एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल के चलते बिहार, झारखंड, ओडिशा और राजस्थान में बुधवार को रेल और सड़क सेवाएं आंशिक रूप से प्रभावित हुईं और बंद का मिला-जुला असर देखने को मिला। हिंसा की कुछ छिटपुट घटनाओं को छोड़ दे तो बंद शांतिपूर्ण रहा। प्रदर्शनकारियों पर पुलिस के लाठीचार्ज करने वाले कई वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहे हैं। बिहार के पटना से ऐसा ही एक वीडियो सामने आया है, जिसमें एक पुलिसकर्मी ने पटना में कानून-व्यवस्था संभालने के दौरान गलती से सब डिविजनल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) पर डंडा चला दिया। वायरल वीडियो में पुलिसकर्मी सिविल ड्रेस में मौजूद खांडेकर को लाठी से पीटते नजर आ रहे हैं। एसडीएम हैरान रह जाते हैं, जबकि गलती करने वाले (शेष पृष्ठ 9)

पोलैंड में भारतीय रेस्तरां के डोसा व बटर चिकन की धूम

पीटीआई। वारसॉ

पोलैंड में भारतीय व्यंजन काफी लोकप्रिय हैं और विभिन्न भारतीय रेस्तरां स्वादिष्ट व्यंजनों की बढ़ती मांग को पूरा कर रहे हैं। वहीं, भारतीय रेस्तरां में आने वाले पोलैंडवासियों का कहना है कि डोसा और बटर चिकन जैसे व्यंजन उन्हें भारत यात्रा की याद दिलाते हैं। पोलैंड में स्थित भारतीय दूतावास की सूची के अनुसार, पोलैंड में 45 से अधिक भारतीय रेस्तरां विभिन्न प्रकार के पारंपरिक भारतीय भोजन परोस रहे हैं जिनमें से राजधानी वारसॉ में कम से कम 12 रेस्तरां हैं। भारत और भारतीय

भोजन एक बार फिर चर्चा का विषय बन गए हैं, क्योंकि वारसॉ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वागत के लिए उत्साहित है। मोदी बुधवार को अपने दो दिवसीय दौरे पर यहां पहुंच चुके हैं। यह 45 वर्षों में भारतीय प्रधानमंत्री की इस देश की पहली आधिकारिक यात्रा है।

वारसॉ में, एक गुजराती व्यवसाई चेतन नंदानी ने हाल में चायवाला नाम से एक रेस्तरां खोला है। नंदानी पहले से ही करी हाउस नामक रेस्तरां के भी मालिक हैं। उन्होंने पोलैंड में भारतीय खाने की बढ़ती मांग को देखते हुए चायवाला नामक रेस्तरां खोला है। उन्होंने कहा कि भारत की यात्रा करने वाले पोलैंडवासी दिल्ली, मुंबई और कोलकाता जैसे महानगरों में जाते हैं और उन्हें यहां कई अन्य (शेष पृष्ठ 9)

कीटनाशक से मछली मारने का बड़ा है दुष्प्रभाव

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में गंगा नदी के निचले इलाकों में क्रस्टेशियन या झींगा मछली को मारने के लिए कई मछुआरे बाजार में उपलब्ध जहरीले कीटनाशकों, खास तौर पर सिंथेटिक पाइरेथ्रोइड्स का अवैध रूप से अंधाधुंध इस्तेमाल कर रहे हैं। आईसीएआर-केंद्रीय अंतर्देशीय मत्स्य अनुसंधान संस्थान (सीआईएफआरआई) के वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि इस चलन को लंबे समय तक जारी रहने से नदी के पारिस्थितिकी तंत्र को बहुत नुकसान हो सकता है। शोध में पता चला है कि गंगा नदी से मछली के ऊतकों (टिश्यूज) में कीटनाशक के अवशेष मौजूद हैं, हालांकि वर्तमान में यह मात्रा मानव स्वास्थ्य के लिए खतरनाक माने जाने वाले स्तरों से नीचे है।

शोधकर्ताओं ने इस संबंध में चेतावनी जारी करते हुए इस संबंध में तत्काल सख्त नियामक कार्रवाई और सामुदायिक जागरूकता का आह्वान किया है। शोधकर्ताओं के अनुसार, इन कीटनाशकों के लंबे समय तक संपर्क में रहने से मछलियों की प्रजनन क्षमता प्रभावित होने के साथ ही पानी पीने वाले वन्यजीवों और रोजगार के लिए नदी पर निर्भर मानव आबादी के लिए खतरनाक हो सकता है। अध्ययन में कहा गया है कि अवैध तरीकों से मछली पकड़ने की प्रथा विशेष रूप से राज्य में नवद्वीप से बालागढ़ तक फैले

क्षेत्रों में प्रचलित है। इसके साथ ही, अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया कि ऐसा करने वाले पड़ोसी क्षेत्रों के अवैध घुसपैठिए, विशेषकर ड़ोसी क्षेत्रों और नदी से सटे गांवों से आते हैं।

अध्ययन में शामिल आईसीएआर - केंद्रीय अंतर्देशीय मत्स्य अनुसंधान संस्थान(सीआईएफआरआई), बैरकपुर से अजय साहा, आर्किस्मन रे, कौशिक मोंडल, बसंत कुमार दास और आईसीएआर-सीआईएफआरआई, प्रयागराज से विकास कुमार ने कहा कि वे मीठे पानी की झींगा मछली (मैक्रोब्रैकियम एसपीपी) को निशाना बनाते हैं, जिसकी बाजार में अच्छी कीमत मिलती है। इन मछलियों के शिकार के साथ साथ ही कई प्रकार की छोटी देशी मछली प्रजातियों को बड़े पैमाने पर पकड़ा जाता है, जिसमें पुंटियस एसपीपी, गुडुसिया चपरा, सालमोस्टोमा शामिल हैं। शोधकर्ताओं ने बताया, वर्तमान में, अधिकांश मछलियों को पकड़ने के लिए गिल जाल, कास्ट नेट, निष्क्रिय मछली जाल, या कभी-कभी पौधे-आधारित मछली जहर का उपयोग किया जाता है। (शेष पृष्ठ 9)

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 22 अगस्त, 2024

प्राधिकरण 392 करोड़ की जमीन लेगा वापस

● यूनिटेक को 2011 में की थी आवंटित, सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के बाद लेगी कब्जा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा प्राधिकरण यूनिटेक को आवंटित करीब 13 एकड़ जमीन वापस लेने जा रहा है। ये प्लाट खाली है इन पर यूनिटेक की ओर से कोई परियोजना लॉन्च नहीं की गई और न ही कोई निर्माण किया गया।

साथ ही सुप्रीम कोर्ट के आदेशों में भी इस जमीन का कोई उल्लेख नहीं है, जहां डेवलपर संबंधित कोई सुनवाई हो रही हो। बोर्ड ने कहा कि इस जमीन को वापस लाने के लिए सुप्रीम कोर्ट से आवश्यक मंजूरी प्राप्त की जाए। इसके बाद भौतिक कब्जा लिया जाए। दरअसल ग्रुप हाउसिंग प्लाट नंबर जीएच-3 सेक्टर-144 करीब 100,400 वर्गमीटर का आवंटन मार्च 2011 में यूनिटेक को किया गया। मौके पर 96751.50 वर्गमीटर जमीन ही उपलब्ध थी। इस कारण 16 जुलाई 2015 को यूनिटेक के नाम लीज डीड कर दी गई।

23 जुलाई 2015 को आंव टी ने प्लाट पर कब्जा ले लिया। 11 सितंबर 2015 को यूनिटेक के अनुरोध के बाद प्लॉट जीएच-3 को चार भागों में विभाजित किया गया। जिसमें जीएच-3ए, जीएच-3बी, जीएच-3सी और जीएच-3डी है। जीएच-3ए सेक्टर-144 करीब 30,247.4 वर्ग मीटर, और जीएच-3बी, 21,494.8 वर्ग मीटर ये दोनों ही प्लाट यूनिटेक लिमिटेड के पास है। ये दोनों ही प्लाट मौके पर खाली है। इसके अलावा 21,494.8 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाला प्लाट जीएच-3सी, गुलशन होम्स एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड को आवंटित किया गया। 23,504.50 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाला प्लाट जीएच-3डी, गुलशन होम्स प्राइवेट लिमिटेड को आवंटित किया गया था। लीज डीड शर्तों के अनुसार, यूनिटेक को जीएच-3ए और 3बी पर 15 जुलाई 2022 तक परियोजना का निर्माण पूरा करना था।

30 अप्रैल, 2024 तक आंव टी पर इन भूखंड के लिए 392.82 करोड़ रुपए बकाया थे। इसके अतिरिक्त, टाइम एक्सटेंशन शुल्क अलग था। इनका भुगतान नहीं किया गया और न ही डेवलपर की ओर से इन दोनों उप विभाजित भूखंड के लिए कोई विकास योजना लाई गई। साइट पर कोई अनधिकृत निर्माण नहीं हुआ है। इसके अलावा, कोई परियोजना शुरू नहीं की गई है। परिणामस्वरूप इन भूखंड से कोई घर खरीदार नहीं जुड़ा है। इसके अतिरिक्त 26 अप्रैल, 2024 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश में इन दोनों भूखंडों का उल्लेख नहीं किया गया है। जिससे नोएडा प्राधिकरण के लिए आवंटन रद्द करने और भूमि को पुन: प्राप्त करने का रास्ता साफ हो गया है।

नोएडा के वेटलैंड में डूबने से नाबालिग की मौत

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-54 स्थित वेट लैंड में एक बच्चे की डूबने से मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ, जब बच्चा वेट लैंड के ऊपर बने पुल से फिसलकर गहरे पानी में गिर गया।

यह हादसा मंगलवार दोपहर लगभग ढाई बजे के आस-पास हुआ। एडीसीपी मनीष मिश्र ने बताया कि सेक्टर-54 के वेट लैंड में 14 साल का अंकुश नाम बच्चा डूब गया है। टीम तुरंत मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। स्थानीय गोताखोर और पुलिस की संयुक्त कोशिशों के बाद, लगभग एक घंटे बाद अंकुश के शव को पानी से बाहर निकाला गया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि अंकुश अपने दोस्तों के साथ पार्क में था। घटना के बाद उसके दोस्त मौके से फरार हो गए। जिससे घटना की परिस्थितियों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। मृतक किशोर के पिता चौड़ा गांव में मोची का काम करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

यातायात पुलिस ने सेक्टर-37 पर ऑटो/टेंपो, ई-रिक्शा चालकों को वाहन को नियमों व संकेतों के प्रति जागरूक किया।

नोएडा मीडिया क्लब में फोटो प्रदर्शनी का समापन

नोएडा। नोएडा मीडिया क्लब द्वारा आयोजित वार्षिक फोटो प्रदर्शनी का समापन समारोह संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राकेश टिकैत उपस्थित रहे। समारोह में एनसीआर के 24 प्रतिभाशाली फोटो जर्नलिस्ट्स को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष रिंकू यादव ने कहा, हमारा उद्देश्य फोटोग्राफी के माध्यम से समाज के विभिन्न पहलुओं को उजागर करना है। समारोह के अंत में वरिष्ठ पत्रकार अनिल चौधरी ने राकेश टिकैत का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में पंकज पराशर, संजीव रस्तोगी, अजय अग्रवाल, धीरज पॉल, मनीष स्वरूप , टी नारायण, प्रकाश सिंह, पंकज नागिया, सुरेश पांडे, हार्दिक छाबड़ा, विपिन कुमार, योगेश मन्हास, मोहम्मद आजाद, बीके अवस्थी, ए के लाल , के आसिफ, इकबाल चौधरी , जेपी सिंह, ईश्वर चंद, सौरव राय, रवि यादव, संगीता चौधरी, मनोहर त्यागी,प्रमोद पंडित, सदाचारी तिवारी, सुशील अग्रवाल, अकरम चौधरी, विकास कुमार,योगेश राणा, अंजना भाग,अनिल कुमार, नितिन पाराशर,मोहम्मद रजा, अंबुज सिंह,हिमांशु सिंह आदि मौजूद रहे।

वेब सिटी पर किसानों ने दिया धरना

गाजियाबाद। वेब सिटी में पिछले काफी समय से धरनारत किसानों ने अपनी कई मांगों को मनवाने के लिये आज न केवल बड़ी जनसभा की बलिक इस दौरान जीडीए व बिल्डर/कॉलोनीनाईजर के खिलाफ जमकर नारेबाजी व धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे किसानों का कहना है कि उनका यह आंदोलन उस समय तक नहीं रूकेगा कि जब तक उनकी सभी मांग मान नहीं ली जाती हैं। उधर किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए मौके पर एसीपी वेब सिटी पूनम मिश्रा व एसओ अंकित चौहान भारी पुलिसबल के साथ शांति व्यवस्था बनाने में लगे हुए दिखाई दिये।

बांग्लादेश में अत्याचार के विरोध में दिया ज्ञापन

गाजियाबाद। न्याय पार्टी ने बांग्लादेश में हिन्दूओं पर हो रहे अत्याचारों की निंदा करते हुए भारत सरकार से कार्रवाई की मांग की है। पार्टी के कार्यकर्ताओं ने इसको लेकर एक ज्ञापन भी डीएम के माध्यम से पीएम के नाम सौंपा है। पार्टी ने अपने ज्ञापन में कहा कि ऐसी नाजुक परिस्थिति में भारत सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों का समर्थन करते हैं, सरकार बांग्लादेश की नई सरकार से तालमेल करते हुए वहां के हिन्दूओं व अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा व्यवस्था करें। ज्ञापन देने वालों में जिलाध्यक्ष राजेश्वर शर्मा, रवि कुमार पांचाल, सैंसर पाल सिंह, रविन्द्र कुमार, वासु शर्मा आदि मौजूद रहे।

जेवर में श्मशान घाट नहीं होने पर ग्रामीण नाराज

नोएडा। जेवर के रीलखा गांव में सपेरा समाज के लोगों ने बुधवार को श्मशान घाट की मांग को लेकर शव रखकर धरना प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 60 वर्षों से उनके समुदाय के लिए श्मशान घाट की कोई व्यवस्था नहीं है। इससे किसी भी मृत्यु के बाद अंतिम संस्कार के लिए उन्हें इधर-उधर भटकना पड़ता है। मंगलवार को सपेरा समाज के सदस्य लीलानाथ (50) की बीमारी के चलते मृत्यु हो गई। श्मशान घाट की अनुपलब्धता के कारण शव का अंतिम संस्कार करने में समस्या उत्पन्न हो गई।

भारत बंद के दौरान नोएडा पुलिस का पैदल मार्च

● पूरे दिन सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम रहे

पाययिर सामचार सेवा। नोएडा

सुप्रीम कोर्ट के एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमीलेयर के फैसले के खिलाफ देश भर के विभिन्न संगठनों ने भारत बंद का आह्वान किया गया है। नोएडा पुलिस ने सुरक्षा के शहर से लेकर बॉर्डर तक सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। इस मौके पर जॉइंट पुलिस कमिश्नर शिव हरी मीणा ने पुलिस टीम के साथ कर पैदल मार्च निकाला जनता से अपील की है कि वे शांत रहें और किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें।

जॉइंट पुलिस कमिश्नर शिव हरी मीणा खुद नोएडा के थाना प्रभारियों के साथ सेक्टर 18, सावित्री मार्किट,18 मेट्रो स्टेशन, बोटेनिकल मेट्रो स्टेशन, अट्टा मार्केट पर भारी फोर्स के साथ आए नज़र आये। भारत बंद के मद्दे नजर भारी पुलिस बल के साथ नोएडा के भीड़भाड़ वाले बाजारों में पैदल गश्त कर रहे है। जॉइंट कमिश्नर ने बताया कि भारत बंद के लिए जिन दलों ने आह्वान किया है उनके पदाधिकारी और कार्यकर्ता स्तर पर वार्ता की गई है। इसके अलावा असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि देर शाम तक सभी जगह पुलिस बल को अलर्ट पर रखा गया है। संभावित प्रदर्शनकारी क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस तैनात की गई है। संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ाई गई है। बस स्टैंड और अन्य प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा बल तैनात है। सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है। पुलिस ने किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए तैयारी की है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष दल तैनात किए गए हैं। जनता से अपील की है कि वे शांत रहें और किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे किनारे फटे कपड़ों में मिली महिला, दुष्कर्म का अंदेशा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में बुधवार को एक महिला अर्द्धनग्न हालत में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे किनारे बैठी मिली। उसके कपड़े फटे हुए थे। कह रही थी कि कुछ युवक उसको झाड़ियों में खींचकर ले गए और रेप किया। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने जांच-पड़ताल की और महिला को मानसिक रूप से दिव्यांग करार दिया। बुधवार सुबह एक महिला लालकुआं पुलिस चौकी के पास बैठी हुई थी। इस महिला के ऊपर के कपड़े फटे हुए थे। कुछ लोग वहां पहुंच गए। उन्होंने वीडियो बनाते हुए महिला से पूछताछ शुरू कर दी। वेव सिटी सर्किल की एसीपी पूनम मिश्रा ने कहा- इस प्रकरण की जांच-पड़ताल की गई। ये मामला वेव सिटी थाना क्षेत्र का था। पुलिस ने उक्त महिला से बातचीत की। इसके बाद महिला के परिजनों से बातचीत की गई। परिजनों ने बताया कि महिला मानसिक रूप से विक्षिप्त है। पूर्व में भी यह महिला हरिद्वार, रूड़की आदि स्थानों पर अचानक घर से चली गई थी।

गाजियाबाद में थार सवारों ने युवती से की छेड़छाड़

गाजियाबाद। थार में सवार 2 युवकों ने एक युवती का पीछा किया और फिर छेड़खानी की। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। थार गाड़ी भी सीज कर दी गई है।

सहायक पुलिस उपायुक्त अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया- मंगलवार रात थाना कविनगर पर एक युवती ने सूचना दी गई कि वो शॉपिंग करने के लिए मार्केट गई हुई थी। कविनगर सी-ब्लॉक में थार गाड़ी सवार 2 युवकों ने उस पर अश्लील कमेंट किए। युवती इसके बाद जब आगे बड़ी तो गाड़ी सवार युवकों ने उसका पीछा शुरू कर दिया। शोर-शराबा मचने पर आरोपी फरार हो गए। एसीपी ने बताया- पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। सीसीटीवी फुटेज से गाड़ी देखी।

डुकाटी को दिया रेस ट्रैक बनाने का प्रस्ताव

● 200 एकड़ जमीन पर बनाए ट्रैक और प्रशिक्षण केंद्र, भू लागत पर मिलेगी 75 प्रतिशत सब्सिडी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने इटालियन मोटरसाइकिल निर्माता डुकाटी को बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट की तर्ज पर यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे 200 एकड़ के प्लाट पर रेस ट्रैक और प्रशिक्षण केंद्र बनाने का प्रस्ताव दिया है।

अधिकारियों के मुताबिक, सेक्टर 22एफ स्थित यह जमीन डुकाटी को उत्तर प्रदेश की प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नीति के तहत 75त्न सब्सिडी के साथ दी जा सकती है। इसके अतिरिक्त, प्राधिकरण परियोजना को विकसित करने के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तौर भागीदारी कर सकता है। इस सिलसिले में डुकाटी इंडिया के प्रबंध निदेशक बिपुल चंद्रा और निदेशक सुनील कुमार शर्मा ने प्रस्ताव पर चर्चा के लिए यीडा के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। डुकाटी प्रतिनिधियों ने प्राधिकरण को बताया कि फाइनल निर्णय बताने से पहले वे अपने वरिष्ठ प्रबंधन के साथ परियोजना की समीक्षा करेंगे। यीडा के सीईओ अरुण वीर सिंह ने कहा, डुकाटी के अधिकारियों ने अगले साल मार्च में होने वाली मोटो जीपी रेस पर चर्चा करने के लिए हमसे मुलाकात की।

उन्होंने सितंबर 2023 में आयोजित मोटोजीपी रेस के दौरान डुकाटी और अन्य मोटरबाइक कंपनियों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में भी बात की। सिंह ने चर्चा किए गए मुद्दों पर विस्तार से बात करते हुए आश्वासन दिया कि सरकार रेसिंग इवेंट के आयोजन में सीधे तौर पर शामिल है और उसने इवेंट की मेजबानी के लिए मोटोजीपी के वाणिज्यिक अधिकारों के मालिक डोर्ना के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। अन्य देशों में ट्रैक विकसित करने और रेस आयोजन की मेजबानी करने में डुकाटी के अनुभव को देखते हुए ही यहां जमीन की पेशकश की। अधिकारियों ने बताया कि डुकाटी ने बैठक में सकारात्मक पहल की। कंपनी ने यीडा को आश्वासन दिया कि वे एक प्रस्ताव के साथ वापस आएंगे। एक अधिकारी ने कहा, हम इटली में डुकाटी के उच्च प्रबंधन के साथ बैठक करने के लिए भी तैयार हैं।

सार्वजनिक सूचना

यह कि हम अपने बेटे वरुण कुमार जिसकी आधार संख्या 4872-6431-0980 है को उसके दुर्व्यवहार, गलत आचरण व आपराधिक मानसिकता के कारण तंग व परेशान होकर अपने व अपने परिवार के समस्त सामाजिक एवं पारिवारिक संबंध विच्छेद कर उक्त को अपनी समस्त चल-अचल, संपत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में वरुण कुमार अपने द्वारा किए गए समस्त कृत्यों व लेन-देन के लिए स्वयं जिम्मेदार होगा तथा हम किसी भी परिस्थिति में किसी भी रूप में उसके द्वारा किया गए कोई भी कार्य के लिए उत्तरदायी नहीं कहलायेंगे उक्त से सम्बंधित हमारी अथवा हमारे परिवार के अन्य सदस्यों की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। श्री सुशील कुमार (62 वर्ष) और श्रीमती राज चुघ (62 वर्ष), निवासी बी-206 जीसी सेंट्रम अहिंसा खंड-2 इंदिरापुरम, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश -201014 7

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client Mrs. Santosh Devi who is the owner of Plot No. 85 measuring 102 Sq-Yds situated at vide Khewat No. 50 min, Khata No. 58 min, Rect. & Killa No. 6//21/2/2/1 (1-8), 7//25/1 (6-15), 27 (0-16) within the revenue estate of Bandepur. Teh. &, Distt. Sonipat executed by Sahil Sharma who was owner on the basis of Vide Agreement to Sell Dated 23.02.2017 Now my Client intend to get the financial assistance from Piramal Capital & Housing Finance Limited. If any person(s) /Institution has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
(Advocate)
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,New Delhi-110048
Ph. No: 011-49774545

इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज लिमिटेड
(पूर्व में इंटीग्रेटेड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड)
सीआईएनः L10719DL1995PLC277176
रजि. कार्या. 288 बेसमेंट एजीसीआर एन्क्लेव, दिल्ली 110092 भारत
कॉर्पोरेट कार्या. बी-16, द्वितीय तल, सैक्टर-2, नोएडा-201301, भारत
ई-मेलः info@integredindustries.in वेबसाइटः www.integredindustries.in
मोबाइलः +91 9811060171 फोनः 011-45511351 फैक्सः 011-45511351

01/2024—25 असाधारण आम बैठक, ई—वोटिंग जानकारी की सूचना

इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज लिमिटेड ("कंपनी") जिसे पहले इंटीग्रेटेड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ('कंपनी') के नाम से जाना जाता था, के सदस्यों की 01/2024—25 असाधारण आम बैठक, सोमवार, 16 सितंबर, 2024 को दोपहर 02.00 बजे (आईएसटी) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग/अन्य ऑडियो विजुअल माध्यमों ('वीसी/ओएवीएम') के माध्यम से, ईजीएम में सदस्यों की भौतिक उपस्थिति के बिना, ईजीएम नोटिस में निर्धारित व्यवसाय को पूरा करने के लिए आयोजित की जाएगी। वीसी/ओएवीएम के माध्यम से ईजीएम में भाग लेने वाले सदस्यों को अधिनियम की धारा 103 के तहत कोरम के उद्देश्य के लिए गिना जाएगा।
परिपत्रों के अनुपालन में, ईजीएम नोटिस केवल इलेक्ट्रॉनिक मोड के माध्यम से उन सदस्यों को भेजा गया है जिनकी ईमेल आईडी कंपनी/रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट ('आरटीए') / डिपॉजिटरी प्रतिभागी ('डीपी') के साथ पंजीकृत हैं।
सभी सदस्यों को ईजीएम नोटिस भेजने का कार्य 21 अगस्त, 2024 को पूर्ण हो गया है।
उपरोक्त दस्तावेज कंपनी की वेबसाइट www.integratedindustries.in स्टॉक एक्सचेंज अर्थात बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट www.bseindia.com तथा नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड ('एनएसडीएल') की वेबसाइट www.evoting.nsdl.com पर भी उपलब्ध हैं।
सदस्य कृपया निम्नलिखित बातों पर ध्यान दें:
क. रिमोट ई—वोटिंग शुक्रवार, 13 सितंबर, 2024 को सुबह 9 बजे शुरू होगी और रविवार, 15 सितंबर, 2024 को शाम 5 बजे समाप्त होगी। इसके बाद वोटिंग के लिए एनएसडीएल द्वारा रिमोट ई—वोटिंग मॉड्यूल को निष्क्रिय कर दिया जाएगा। एक बार जब सदस्य द्वारा किसी प्रस्ताव पर वोट डाल दिया जाता है, तो सदस्य को बाद में इसे बदलने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
ख. ईजीएम में रिमोट ई—वोटिंग/ई—वोटिंग के लिए सदस्यों की पात्रता निर्धारित करने की कट—ऑफ तिथि सोमवार, 09 सितंबर, 2024 है।
ग. कोई भी व्यक्ति जो कंपनी के शेयर खरीदता है और ईजीएम की सूचना भेजने के बाद कंपनी का सदस्य बन जाता है और कट—ऑफ तिथि अर्थात सोमवार, 09 सितंबर, 2024 तक शेयर रखता है, वह अपना फोलियो नंबर/डीपी आईडी और क्लाइंट आईडी बताकर evoting@nsdl.co.in या info@skylinerta.com पर ईमेल भेजकर यूजर आईडी और पासवर्ड प्राप्त कर सकता है। हालाँकि, अगर कोई व्यक्ति रिमोट ई—वोटिंग के लिए पहले से ही NSDL के साथ पंजीकृत है, तो वोट डालने के लिए मौजूदा यूजर आईडी और पासवर्ड का इस्तेमाल किया जा सकता है।
घ. किसी भी प्रश्न के मामले में, आप शेयरधारकों के लिए अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (एफएक्यू) और शेयरधारकों के लिए ई—वोटिंग उपयोगकर्ता पुस्तिका www.evoting.nsdl.com के डाउनलोड अनुभाग में देख सकते हैं या टोल फ्री नंबरः 1800 1020 990 और 1800 22 44 30 पर कॉल कर सकते हैं या एनएसडीएल को evoting@nsdl.co.in पर अनुरोध भेज सकते हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से मतदान से जुड़ी शिकायतों का समाधान भी करेंगे।
ङ. निदेशक मंडल ने ईजीएम के दौरान ई—वोटिंग की प्रक्रिया और ईजीएम से पहले आयोजित रिमोट ई—वोटिंग की निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से जांच करने के लिए सुश्री लवलीन गुप्ता (एफसीएस सं. 5287), कार्यरत कंपनी सचिव को 'जांचकर्ता' नियुक्त किया है।
च. दूरस्थ ई—वोटिंग की विस्तृत प्रक्रिया और तरीका, ईजीएम में ई—वोटिंग और वीसी/ओएवीएम के माध्यम से ईजीएम में भाग लेने के निर्देश ईजीएम नोटिस में दिए जा रहे हैं और कंपनी की वेबसाइट www.integratedindustries.in और एनएसडीएल की वेबसाइट www.evoting.nsdl.com पर भी उपलब्ध हैं।

कृते इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज लिमिटेड
(पूर्व में इंटीग्रेटेड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड)
हस्ता/-
(प्रियंका)
कंपनी सचिव एवं अनुपालन अधिकारी
दिनांकः 21.08.2024
स्थानः दिल्ली

NOTICE OF PETITION
FORM NO. NCLT. 3A
Advertisement detailing petition
[Rule 35]
Company Petition No 152/ND/2023

A petition under section 241-242 of the Companies Act, 2013, for oppression and mismanagement was presented by Ms. Minu Subba on the 03.08.2023, and the said petition is fixed for hearing before VI bench of National Company Law Tribunal, Delhi on 19.09.2024. Any person desirous of supporting or opposing the said petition should send to the petitioner's advocate, notice of his intention, signed by him or his advocate, with his name and address, so as to reach the petitioner's advocate not later than & 'two days before the date fixed for the hearing of the petition. Where he seeks to oppose the petition/ application/ reference, the grounds of opposition or a copy of his affidavit shall be furnished with such notice. A copy of the petition/ application/ reference will be furnished by the undersigned to any person requiring the same on payment of the prescribed charges for the same.

Dt.: 16.08.2024
Aparna Jain
Advocate for petitioner
Address: W-19, L.G.F, Greater Kailash-2, New Delhi-110048

NOTICE OF PETITION
FORM NO. NCLT. 3A
Advertisement detailing petition
[Rule 35]
Company Petition No 155/ND/2023

A petition under section 241-242 of the Companies Act, 2013, for oppression and mismanagement was presented by Ms. Minu Subba on the 02.08.2023, and the said petition is fixed for hearing before VI bench of National Company Law Tribunal, Delhi on 19.09.2024. Any person desirous of supporting or opposing the said petition should send to the petitioner's advocate, notice of his intention, signed by him or his advocate, with his name and address, so as to reach the petitioner's advocate not later than 'two days before the date fixed for the hearing of the petition. Where he seeks to oppose the petition/ application/ reference, the grounds of opposition or a copy of his affidavit shall be furnished with such notice. A copy of the petition/ application/ reference will be furnished by the undersigned to any person requiring the same on payment of the prescribed charges for the same.

Dt.: 16.08.2024
Aparna Jain
Advocate for petitioner
W-19, L.G.F, Greater Kailash-2, New Delhi-110048

PUBLIC NOTICE

It is to informed to the public at large that one Smt. Poonam Kalra W/o Sh. Amit Kalra (PAN BPCPK9743Q) (Aadhar No. 5656 9289 6781) R/o C-54/586, Ganesh Nagar-II, Shakarpur, East Delhi-110092 who is owner of Property No. C-44/609-A built on Old Plot No. 609-A area 90 sq. yds. out of Khasra No. 305/212, Ganesh Nagar-2, Shakarpur, Village Shakarpur Khas, Illaqa Shahdara, Delhi -110092, here in after referred to as "said property" having acquired the same by virtue of Sale Deed dated 25.06.2018 executed by Sushma Anand duly registered on 27.06.2018 at the office of Sub Registrar VIIIA, Delhi vide Book No. 1 Zild. No. 1324, Page No. 188-196 & Document No. 3750.The said Property has been mortgaged by the owner with HDFC Bank Limited (our client). Further, It is hereby declared that title of the said Property, is absolutely valid, clear and marketable and there is no dispute / Litigation pending in any court of law, in respect of said Property. Whosoever, is having any objection to said mortgage OR any Person having any type of claim/right/title/interest over the said property may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 14 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.
S.C. VARSHNEY (Advocate)
R-14/178, Raj Nagar, Ghaziabad-201002, M-8882600727.

PUBLIC NOTICE

General public is hereby informed that my client **Smt. Satinder Kaur** wife of Shri Inder Pal Singh, resident of C-34, Kirti Nagar, New Delhi-110015, have lost the several original documents mentioned hereinafter in respect of property Bearing No.C-34, situated at Kirti Nagar, New Delhi-110015, (i) Sale Deed executed by the Rehabilitation Housing Corporation Limited, in favour of **Shri Kailash Chander Kapoor** son of L. Lal Chand Kapoor, vide registered as Document No.2335, in Addl. Book No.I, Volume No. 134, on pages 379 to 390, dated 04/08/1960, with the office of Joint Sub-Registrar, Delhi, (ii) Sale Deed executed by **Shri Kailash Chander Kapoor**, in favour of **Shri Baldev Raj Sawhney Son of Late Shri Dewan Mehar Chand Sawhney**, vide registered as Document No.6245, in Additional Book No.I, Volume No.762, on pages 209 to 220, dated 11/06/ 1962, with the office of the Sub-Registrar, New Delhi, (iii) Sale Deed executed by **Shri Baldev Raj Sawhney**, in favour of **Shri Inder Pal Singh Son of Shri Gurcharan Singh**, vide registered as Document No.I2598, in Additional Book No.I, Volume No.I682, on pages 178 to 184, dated 05/09/ 1966, with the office of the Sub-Registrar-I, Kashmere Gate, Delhi & (iv) Relinquishment Deed executed by **Shri Surinder Pal Singh, Shri Jatinder Pal Singh, Both Sons of Late Shri Inder Pal Singh** & (3) **Smt. Nagina Wife of Shri Gurpreet Singh (daughter of Late Shri Inder Pal Singh)**, in favour of **Smt. Satinder Kaur Wife of Late Shri Inder Pal Singh**, vide registered as Document No.10879, in Additional Book No.I, Volume No.4968, on pages 36 to 38, dated 29/04/2003, with the office of the Sub-Registrar-II, New Delhi, which were crucial and important documents and the FIR have been registered for the loss of above said documents, vide LR No. 2042739/2024, dated 20/08/2024.
Public is hereby cautioned to not to carry any transaction on the basis of aforesaid missing documents. Any person(s) claiming any right, interest, having an objection or found in possession of original documents is hereby required to communicate the same to the undersigned at my office at Chamber No.4, Old S.D.M. Office, Opposite Nangloi Metro Station, New Delhi-110041, within 7 days from the date of publication of this notice.
KARTIK SRIVASTAVA (ADVOCATE)
Delhi High Court, D-2802/2020, Shop No. 4, Old SDM Office, Nangloi, ND-41, Mob 9560560561

कूड़ा डालने पर विवाद, महिला के साथ मारपीट

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के ईको टेक में कूड़ा डालने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। यह विवाद देवरानी और जेठानी के बीच हुआ। जिसके बाद दोनों पक्षों में लात-घूंसे चले और महिला के साथ भी मारपीट हुई। यह घटना 15 अगस्त की है।

इसका वीडियो अब वायरल हुआ है। घरबरा गांव में कूड़ा डालने को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हो रही थी। उनके बीच विवाद हो रहा था। पड़ोस में ही रहने वाले पुष्पेंद्र मौके पर आ गए और उन्होंने दोनों पक्षों से लड़ाई न करने की बात कही। इसके बाद लड़ाई कर रहे पक्ष और पुष्पेंद्र के बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद उन दोनों पक्षों में जमकर लात और घूंसे चल गए।

दुष्कर्म के आरोपी को दस साल की सजा

● नोएडा की अदालत ने 40 हजार का जुर्माना भी लगाया

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्ध नगर जिला न्यायालय ने एक रेप के आरोपी को 10 साल साल की सजा सुनाई है। साथ ही 40 हजार रुपये के अर्थदंड भी लगाया है। बताया गया है कि आरोपी ने 9 जनवरी 2021 को नोएडा के थाना सेक्टर-49 क्षेत्र में किशोरी का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म किया था।

इस घटना के बाद पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। एक व्यक्ति ने 25 जनवरी 2021 को थाना सेक्टर-49 में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी 16 साल के बेटी अगाह पुर गांव से सेक्टर 45 स्थित शनि मंदिर में दर्शन करने गई थी, जो वापस घर नहीं लौटी। उसने कल्लू के खिलाफ अपनी पुत्री का अपहरण करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही पुलिस ने किशोरी को बरामद कर लिया। उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया, मेडिकल परीक्षण में उसके साथ रेप होने की बात सामने आई। किशोरी ने न्यायालय में दर्ज कराए गए अपने बयान में बताया कि कल्लू नामक युवक उसे बहला-फुसलाकर ले गया था और उसके साथ रेप किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया और उसके खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया।

इस मामले की सुनवाई जनपद गौतमबुद्ध न्यायालय में चल रही थी। न्यायालय ने दोनों पक्षों के गवाहों, पुलिस और चिकित्सक के बयान दर्ज करने के बाद आरोपी को दोषी पाते हुए 10 साल के कठोर कारावास और 40 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया। गौतमबुद्ध नगर पुलिस महिला संबंधी अपराधों में प्रभावी पैरवी कर रही है। मॉनिटरिंग सेल और अभियोजन इकाई की प्रभावी पैरवी के परिणामस्वरूप महिला संबंधी अपराधों में जल्द से जल्द सजा दिलाई जा रही है।

नमो भारत ट्रेन के साथ दिल्ली मेट्रो का भी टिकट

● एनसीआरटीसी ने एकीकृत क्यूआर टिकटिंग के लिए डीएमआरसी के साथ किया समझौता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक शलभ गोयल और डीएमआरसी के डॉ. विकास।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) और दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने अपनी टिकटिंग प्रणालियों को एकीकृत करने के लिएएक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जिससे दिल्ली-एनसीआर के निवासियों को निर्बाध यात्रा की सुविधा मिलेगी।

यह सहयोग वन इंडिया-वन टिकट पहल के अनुरूप है, जिससे यात्रियों को एक ही प्लेटफॉर्म पर नमो भारत और दिल्ली मेट्रो, दोनों सेवाओं के लिए क्यूआर कोड टिकट बुक करने की सुविधा मिलेगी। एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक शलभ गोयल और डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक डॉ. विकास कुमार की उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस एकीकरण के अंतर्गत आरआरटीएस कनेक्ट ऐप से नमो भारत ट्रेन टिकट बुक करने वाले यात्री उसके साथ दिल्ली मेट्रो टिकट भी खरीद सकते हैं। इसी तरह, मेट्रो टिकट बुक करने के लिए डीएमआरसी मोबाइल ऐप से नमो भारत ट्रेन टिकट भी लिया जा सकता है। इस सहयोग से आरआरटीएस कनेक्ट ऐप पर दिल्ली मेट्रो क्यूआर कोड और डीएमआरसी मोबाइल ऐप पर नमो भारत क्यूआर कोड तैयार होंगे, जिससे यात्रियों का अनुभव काफी बेहतर हो जाएगा। यह पहल पीएम राष्ट्रीय गति शक्ति मास्टर प्लान के अनुरूप है, जिसमें विभिन्न परिवहन साधनों के बीच निर्बाध एकीकरण की परिकल्पना की गई है। आरआरटीएस स्टेशन रणनीतिक रूप से मौजूदा रेलवे स्टेशनों, मेट्रो स्टेशनों और बस डिपो के साथ एकीकृत किए जा रहे हैं, जिससे परिवहन का एक व्यापक नेटवर्क तैयार होता है।

इस समझौते के होने से एनसीआरटीसी और डीएमरआरसी नेटवर्क के बीच ट्रांजिशन करते समय विभिन्न टिकटिंग ऐप्स के बीच स्विच करने की आवश्यकता समाप्त होगी। यह पहल दिल्ली-एनसीआर में यात्रा के लिए रेल-आधारित ग्रीन ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देती है।

42 किलोमीटर आरआरटीएस कॉरिडोर 393 किलोमीटर डीएमआरसी नेटवर्क से निर्बाध रूप से जुड़ा है, जिससे यात्रियों को पूरे एनसीआर में एकीकृत और कुशल टिकटिंग व यात्रा का अनुभव मिल रहा है। यह एकीकरण सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को प्रोत्साहित करता है, जो यात्री-संख्या बढ़ाने और इन बड़ी लागत से बनी परियोजनाओं की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः 011-40110455 से प्रकाशित तथा द इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड,ए-8, सेक्टर-7, जिला-गौतमबुद्ध नगर, नोएडा (उ.प्र.)-201301, दूरभाष-01202470700 से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 208-210, द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5,बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः011-69342500।

आफत

आरएमएल अस्पताल के बाहर इलाज के इंतजार में मरीज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● ओपीडी में करीब 65 प्रतिशत कम मरीज देखे गए

रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल बुधवार को भी जारी रही, जिसके कारण सरकारी अस्पतालों में ओपीडी (बाह्य रोगी विभाग) और गैर-आपातकालीन सर्जरी जैसी सेवाएं ठप हो गईं हैं। सीने में तेज दर्द और सांस लेने में तकलीफ के कारण इलाज के लिए दिल्ली आए छत्तीसगढ़ के रायपुर के मरीज संतोष कुमार ने बताया कि बिना इलाज के घर लौटना पड़ा। एम्स के एक कर्मचारी ने बताया कि डॉक्टरों की हड़ताल के दौरान केवल पहले से अपॉइंटमेंट लेने वाले मरीजों का ही इलाज किया जा रहा था।

एम्स में हृदय रोगियों के लिए विशेष क्लिनिक में केवल उन्हीं लोगों को देखा जा रहा था, जिनके पास डॉक्टर के साथ अपॉइंटमेंट की मुहर लगी हुई थी। बाकी लोगों को, जिनके पास मुहर नहीं थी, वापस जाने के लिए कहा गया। एम्स की सामान्य दिनों से ओपीडी में करीब 65 फीसदी कम मरीज देखे गए। नए मरीजों के भर्ती करने में भी 40 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। करीब 90 फीसदी आपरेशन स्थगित किए गए। इसी तरह रेडियोलॉजी विभाग में 55 प्रतिशत कम मरीजों के अल्ट्र साउंड, एक्स-रे आदि किएग गए। लैबोरेटरी में 30 प्रतिशत कम जांच हुई। बदायूं से पति के उपचार के लिए आईं गुलनाज बानो ने बताया कि वह सुबह ही अस्पताल पहुंच गई थी। पर्चा बनवा लिया और मेडिसिन विभाग में आए थे। लेकिन, अब कह दिया है कि नए पर्चों पर उपचार नहीं दिया जाएगा। अब लौटकर जाना पड़ेगा और दोबारा आना पड़ेगा। बोल रहे हैं कि इमरजेंसी में दिखा लो, लेकिन इमरजेंसी में मना कर दिया और कहा कि गंभीर मरीजों को ही यहां उपचार दिया जाता है।

ओपीडी के अलावा अस्पताल में होने वाली जांच भी प्रभावित रहीं। जांच के लिए पहुंच रहे मरीजों को तारीख दी जा रही थी, लेकिन उनकी जांच नहीं हो रही थी। एक गार्ड से पूछने पर बताया कि हड़ताल की वजह से जांच नहीं हो पा रही है। जामा मस्जिद इलाके से आए सोनू ने बताया कि एक्स-रे कराना था। बोल रहे हैं कि जांच नहीं होगी। अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि बहुत गंभीर मरीजों को ही भर्ती किया जा रहा है। शेष को लौटा दिया जा रहा है। इलाज करवाना बहुत मुश्किल है, क्योंकि अधिकांश डॉक्टर हड़ताल पर हैं। उत्तर प्रदेश के रामपुर के सोना गांव के आए व्यक्ति ने कहा कि इलाज करवाना बहुत मुश्किल है, क्योंकि अधिकांश डॉक्टर हड़ताल पर हैं। वह सुबह 7 बजे यहां आए थे और तब से उन्हें एक विभाग से दूसरे विभाग में भेजा जा रहा है। अब दोपहर के 2 बज चुके हैं और एक जगह से दूसरी जगह भाग रहे हैं।

अपील

रेजिडेंट डॉक्टर जल्द काम पर वापस लौटें: एम्स

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोलकाता रेप मर्डर केस के बाद से देशभर में रेजिडेंट डॉक्टरों का धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। इस मामले में दिल्ली एम्स के निदेशक प्रो. एम श्रीनिवास ने रेजिडेंट डॉक्टरों से अपील की है कि वे जल्द ही काम पर वापस लौटें। ताकि मरीजों को देखभाल करने की सेवाएं पहले की तरह सामान्य हो सकें। प्रो. एम. श्रीनिवास एक नोटिस जारी कर कहा कि एम्स परिवार एम्स और देश के सभी मेडिकल प्रेफेशनल्स की सुरक्षा के लिए खड़ा है। मगर एक डॉक्टर होने के नाते हमारा यह कर्तव्य बनता है कि हम अपने क्लीनिक पर आए मरीजों को बिना इलाज के नहीं भेजें। प्रो. निदेशक ने कहा कि केंद्र सरकार स्वास्थ्य से जुड़े पेशेवरों की सुरक्षा के लिए दृढ़ है। साथ ही देश की सर्वोच्च अदालत ने स्वास्थ्य से जुड़े पेशेवरों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने का आश्वासन भी दिया है। इसलिए सभी डॉक्टरों से अनुरोध करते हैं कि वे वापस काम पर लौट जाएं और मरीजों की देखभाल करें। इसमें उन्होंने दिल्ली एम्स के रेजिडेंट डॉक्टरों से भी काम पर वापस लौटने की अपील की है। साथ ही कहा गया है कि किसी भी तरह की तात्कालिक चिंता को दूर करने के लिए एक कमेटी गठित की है। डीन (अकादमी) की अगुवाई वाली समिति में डीन (अनुसंधान), डीन (परीक्षा), चिकित्सा अधीक्षक और मुख्य सुरक्षा अधिकारी इसके सदस्य हैं। डॉक्टरों, स्वास्थ्य कर्मियों, मरीजों और उनके तीमारदारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बायोफिजिक्स की प्रोफेसर पुनीत कौर की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है। इसमें प्रोफेसर प्रताप शरण (मनोचिकित्सा विभाग), प्रोफेसर संजय राय (अधीक्षक छात्रावास), प्रोफेसर सुषमा सागर (ट्रामा सर्जरी विभाग), प्रोफेसर गिरिराज रथ (रजिस्ट्रार), कर्नल दिग्विजय सिंह (मुख्य सुरक्षा अधिकारी), दीपक भुटाले (अधीक्षण अभियंता) इसके सदस्य हैं। समिति में रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन के प्रतिनिधि को भी शामिल किया गया है।

आक्रोश

डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या से आक्रोशित चिकित्सक जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करते हुए। सभी फोटो: रंजन डिमरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● दोषियों को सजा दो, शौक नहीं, मजबूरी है यह हड़ताल जरूरी है जैसे नारे लगाए

कोलकाता के एक अस्पताल में डॉक्टर से रेप-हत्या के विरोध में रेजीडेंट चिकित्सकों ने अपनी अनिश्चितकालीन हड़ताल के 10वें दिन बुधवार को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी चिकित्सकों ने कहा, यह समझना बहुत जरूरी है कि हम अपने कार्यस्थल पर बेहतर कार्य स्थितियों के लिए लड़ रहे हैं। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने दोषियों को सजा दो, शौक नहीं, मजबूरी है यह हड़ताल जरूरी है जैसे नारे गूज रहा था। इन प्रदर्शनों के कारण शहर के कई सरकारी अस्पतालों में वैकल्पिक सेवाएं निलंबित हैं।

रेजीडेंट चिकित्सक विरोध प्रदर्शन के लिए पूर्वाह्न 11 बजे जंतर-मंतर पर पहुंचे। शनिवार के बाद यह उनकी दूसरी सभा थी। लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज की चिकित्सक राधिका शर्मा ने कहा, न केवल एक चिकित्सक के रूप में बल्कि एक महिला के रूप में भी वह कार्य करते समय अक्सर असुरक्षित महसूस करती हैं। उन्हें कार्य के दौरान अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ती है और लगातार अपनी सुरक्षा के बारे में सोचना पड़ता है, अक्सर सुरक्षा के लिए कुछ साथ रखती है। एक अन्य प्रदर्शनकारी चिकित्सक ने कहा, वह इसे राष्ट्रीय मुद्दा मानने के लिए सर्वोच्च न्यायालय की आभारी हैं, लेकिन वह हड़ताल जारी रख रहे हैं क्योंकि हम चाहते हैं कि यह मुद्दा जल्द से जल्द निष्कर्ष पर पहुंचे। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), जीटीबी, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज एवं संबद्ध अस्पताल, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और उससे जुड़े अस्पतालों ने मौन प्रदर्शन में भाग लेने का अनुरोध करते हुए अलग-अलग बयान जारी किए हैं। दिल्ली के प्रमुख अस्पतालों के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) के सदस्य, फेडरेशन आफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (फोरडा) और फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (एफएआईएमए) के साथ मिलकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। कोलकाता के सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में नौ अगस्त को सेमीनार हॉल के भीतर चिकित्सक का शव पाया गया था जिस पर गंभीर चोटों के निशान थे। कोलकाता पुलिस ने इस घटना के संबंध में अगले दिन एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। बाद में कलकत्ता उच्च न्यायालय ने इस मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी थी।

क्लाइमेट चेंज पॉलिसी में बदलाव के लिए कोर ग्रुप बनाया : गोपाल राय

● कहा- बिजली, पानी, कूड़ा, हरित, परिवहन, स्वास्थ्य व कृषि प्रबंधन को चिंहित कर जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव को कम किया जाएगा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विकास की दौड़ में प्रकृति से छेड़छाड़ के कारण जलवायु परिवर्तन हो रहा है, जिसका असर लोगों पर पड़ रहा है। इस बार दिल्ली समेत पूरे देश के लोगों को लू का प्रकोप झेलना पड़ा।

दिल्ली में पहली बारिश ने पिछले कई सालों का रिकार्ड तोड़ दिया। प्रदूषण की समस्या से लोग जूझ रहे हैं। जलवायु परिवर्तन की समस्या से पार पाने के लिए दिल्ली सरकार की ओर से 7 बिंदुओं पर काम किया जाएगा। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को इसको लेकर सचिवालय में 40 संस्थाओं के साथ बैठक की। गोपाल राय ने बताया कि जलवायु परिवर्तन पर पूरी दुनिया में पॉलिसी बन रही है। भारत सरकार भी इसे लेकर गंभीर है। दिल्ली में वर्ष 2019 में पॉलिसी बनाई गई थी। परिस्थितियों को देखते हुए योजना में बदलाव करने की भी प्रक्रिया शुरू की गई। पॉलिसी में बदलाव को लेकर एक कोर कमेटी बनाई गई थी। राष्ट्रीय राजधानी में जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव को कम करने के लिए आम आदमी पार्टी की सरकार फोकस तरीके से काम करेगी। इसके लिए सरकार ने सात महत्वपूर्ण सेक्टरों बिजली, पानी, कूड़ा, हरित, परिवहन, स्वास्थ्य व कृषि प्रबंधन को चिंहित किया है, जिसमें सुधार कर जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव को कम किया जाएगा।

राय ने बताया कि दिल्ली सरकार ने क्लाइमेट चेंज पॉलिसी बनाई थी, लेकिन अब जलवायु परिवर्तन का प्रभाव और तेजी से बढ़ रहा है।

एमसीडी सदन में बैठक में देरी होने पर विपक्ष ने किया हंगामा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

एमसीडी के सदन में बुधवार को उस समय हंगामा शुरू हो गया जब विपक्षी पार्षदों ने महापौर शैली ओबेरॉय के देरी से आने और कार्यवाही में देरी का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिए।

ओबेरॉय के पहुंचने के बाद सदन में जोरदार नारेबाजी हुई, लेकिन इसके तुरंत बाद बैठक 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। भाजपा और कांग्रेस के पार्षद ओबेरॉय और आप के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सदन में आसन के सामने आ गए। प्रदर्शन जारी रहने के कारण सदन की कार्यवाही दूसरी बार 30 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। महापौर ने झिलमिल वार्ड से पार्षद पंकज, मुंडका से गजेंद्र और पीतमपुरा से अमित नागपाल को निलंबित कर दिया।बैठक निर्धारित समय दोपहर दो बजे के बदले 50 मिनट से अधिक की देरी से शुरू हुई और विरोध के कारण पहले 2.55 बजे 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। बैठक शुरू होने से पहले भाजपा पार्षदों ने बैठक कक्ष के बाहर धरना दिया।

मैदानगढ़ी की संकरी गलियों में वर्ल्ड क्लास स्कूल : आतिशी

● बोलीं, नया भवन लाइब्रेरी, स्मार्ट क्लासरूम से लैस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मैदानगढ़ी गांव की चार मंजिला नया भवन का उद्घाटत करतीं शिक्षा मंत्री आतिशी।

आम आदमी पार्टी की सरकार ने मैदानगढ़ी गांव की संकरी गलियों में गवर्नमेंट को-एड सेकेंडरी स्कूल में विश्व स्तरीय चार मंजिला नया भवन तैयार करवाया है।

इस स्कूल में टूटे जर्जर क्लासरूम की जगह बनवाया गया है। छात्रों की संख्या ज्यादा होने से पहले स्कूल दो शिफ्ट में चलता था, लेकिन नया ब्लॉक बनने से अब यह एक ही शिफ्ट में चलेगा। इसके बनने से मैदानगढ़ी, रायपुर, छत्तरपुर, नेब सराय सहित आसपास के इलाकों में रहने वाले हजारों बच्चों को फासदा होगा। बुधवार को शिक्षा मंत्री आतिशी ने इस नए भवन का उद्घाटन किया। इस मौके पर शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि, मैदानगढ़ी गाँव के स्कूल में टूटे जर्जर क्लासरूम की जगह बना ये स्कूल ब्लॉक अब महँगे प्राइवेट स्कूलों की बिल्डिंग से भी शानदार है। चार मंजिला यह स्कूल लाइब्रेरी, स्मार्ट क्लासरूम से लैस है। शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि दावा किया कि आज गरीब परिवार का बच्चा सरकारी स्कूल से पढ़कर इंजीनियर, डॉक्टर बन रहा है। मंत्री ने कहा कि मैदानगढ़ी गाँव की संकरी गलियों में जहां गाड़ियों का निकलना मुश्किल है, उसमें 4 मंजिला स्कूल ब्लॉक बनवाने का काम सिर्फ उनकी सरकार ही कर सकती है। कुछ साल पहले तक टूटे-फूटे टीन शेड वाले 4 कमरे हुआ करता था।

युवक का सड़ा-गला शव मिला, पत्नी पर हत्या का शक

नई दिल्ली। द्वारका में एक व्यक्ति का सड़ा-गला शव उसके किराए के मकान से बरामद हुआ। पुलिस को संदेह है कि सचिन नाम के व्यक्ति की हत्या उसकी पत्नी काव्या ने की है, जो लापता है।

पुलिस का कहना है कि सूचना मिलने पर पुलिस डाबरी इलाके के चाणक्य प्लेस-2 पहुंची जहां एक मकान में सचिन का सड़ा-गला शव मिला। उन्होंने बताया कि अपराध और फोरेंसिक दल जांच के लिए मौके पर पहुंचे। प्रथम दृष्टया लगता है कि काव्या ने घरेलू हिंसा के चलते 17 और 18 अगस्त की मध्य रात्रि को सचिन को मार डाला। काव्या लापता है। इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

24 नए अस्पतालों के निर्माण में भ्रष्टाचार : विजेंद्र

● कहा- लागत में 100 प्रतिशत की वृद्धि, निर्माण कार्य ठप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली सरकार के तीन वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से स्वास्थ्य सेवाओं में कमी को लेकर स्वास्थ्य मंत्री को भेजे गए एक नोट में उजागर अस्पतालों के निर्माण में भ्रष्टाचार पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज से इस्तीफा मांगा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के अधिकारियों द्वारा मंत्री को भेजे गए नोट ने स्वास्थ्य सेवाओं का पूरी दुनिया में ढिंढोरा पीटने वाली दिल्ली सरकार के दावों की पोल खोल कर रख दी है। इस घोटाले में करोड़ों रुपयों का भ्रष्टाचार हुआ है।

विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार 24 अस्पतालों और 94 पोलीक्लीनिक्स के पुनर्निर्माण, रेनोवेशन में सैकड़ों करोड़ रूपये का भ्रष्टाचार हुआ है। सरकार ने 94 पॉलीक्लिनिक्स के निर्माण/पुनर्निर्माण की योजना बनाई गई थी, और इसके लिए 168.58 करोड़ रुपये स्वीकृत भी किए थे। पीडब्ल्यूडी ने केवल 52 पॉलीक्लिनिक्स के निर्माण पर 220 करोड़ रुपये खर्च कर दिये। इसी तरह दो दर्जन अस्पताल एलएनजेपी, सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र, भगवान महावीर, गुरु गोविंद सिंह, डॉ बाबासाहेब आंबेडकर, संजय गांधी मेमोरियल, आचार्य श्री भिक्षु, राव तुलाराम, दादा देव अस्पताल, चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय, अरुणा आसफ अली, दीपचंद बंधु अस्पताल आदि में किये गए निर्माण कार्यों में भी भारी घपला हुआ है।इन 24 निर्माणाधीन अस्पतालों की लागत मे 100 फीसदी की वृद्धि हुई और निर्माण कार्य ठप्प पढ़े है। एलएनजेपी अस्पताल के नए ब्लॉक के निर्माण का ठेका 465.52 करोड़ रुपये में दिया गया था।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली-एनसीआर में उत्तराखंड समाज की महापंचायत

नई दिल्ली। उत्तराखण्ड समाज की तरफ से 15अगस्त को झंडारोहण के बाद उत्तराखंड महापंचायत दिल्ली-एनसीआर की कोर कमेटी की बैठक का आयोजन शाहदरा के भोलानाथ नगर में किया गया। समाज सेवी केएस बिष्ट की अध्यक्षता में उत्तराखंड महापंचायत की कोर टीम के सदस्यों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए गए। जिसमें प्रमुख रूप से उत्तराखंड महापंचायत के शीर्ष पदाधिकरी उमेद शाह , सतीश नेगी, हरीश रजवार, कुंदन सिंह रावत , डाक्टर तारा सिंह बिष्ट, सुपरस्टार गायक बिशन हरियाला एवं अन्य विशिष्ट लोग सम्मिलित हुए थे। कोर कमेटी की बैठक में सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से उत्तरांचल भ्रात्री सेवा संस्थान के संस्थापक हरदा उत्तरांचली ने बताया कि आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों में उत्तराखण्ड महापंचायत दिल्ली में उत्तराखण्ड समाज की 35त्नसे अधिक आबादी वाले विधानसभाओं में लगभग 8से 10विधायक उम्मीदवारों को चुनाव में अपने प्रतिनिधि के रूप में उतारेगी।

श्रावणी उपाकर्म से 700 बटुकों का वेदारंभ

नई दिल्ली/हरिद्वार। बाबा रामदेव एवं आचार्य बालकृष्ण द्वारा स्थापित पतंजलि योगपीठ में मंगलवार को आचार्यकुलम् सहित सत्र 2024-25 में विविध कक्षाओं के सभी शिक्षा प्रकल्पों के 700 विद्यार्थियों श्रावणी उपाकर्म व वेदारंभ संस्कार वैदिक रीति से संपन्न हुआ। इस अवसर पर पतंजलि योगपीठ फेज-2 में स्थित 'योग भवन' में 51 कुण्डीय महायज्ञ का आयोजन किया गया। के नव प्रवेश प्राप्त कुल 700 विद्यार्थि्यों का श्रावणी उपाकर्म व वेदारंभ संस्कार वैदिक रीति से संपन्न हुआ। आचार्य बालकृष्ण ने सभी विद्यार्थियों को अपने ब्रह्मचारियों के रूप में अंगीकार किया। इस अवसर पर अभिभावक भी मौजूद थे। दूरभाष से बाबा रामदेव ने कहा-गुरु परब्रह्म का साक्षात श्रीविग्रह है। आचार्यकुलम् की उपाध्यक्षा ऋतभंरा शास्त्री, स्वामी अर्जुनदेव व उप-प्राचार्य तापस कुमार बेरा ने विद्यार्थियों को भिक्षादान दिया।

छतरपुर-मंदिर स्टेशन पर टनल का काम पूरा

मेट्रो फेस चार

● एलजी सक्सेना, परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत की मौजूदगी में 865 मीटर लंबी सुरंग से टीबीएम बाहर निकली

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सुरंग का काम पूरा होने पर कर्मचारियों संग एलजी वीके सक्सेना व मंत्री कैलाश।

डीएमआरसी ने चौथे चरण के तुगलकाबाद- एरोसिटी कॉरीडोर पर बड़ी कामयाबी हासिल की। गोल्डन लाइन पर छतरपुर और छतरपुर मंदिर स्टेशन के बीच सुरंग का काम पूरा कर लिया है। इस सुरंग को बनाने में 97 मीटर लंबी टनल बोरिंग मशीन का इस्तेमाल किया गया।

865 मीटर लंबी सुरंग बोरिंग पूरी होने के बाद छतरपुर मंदिर स्टेशन पर टनल बोरिंग मशीन बाहर निकली। अप और डाउन ट्रेनों के आवागमन के लिए दो समानांतर वृत्ताकार टनल्स का निर्माण किया जा रहा। इस रूट पर अन्य समानांतर सुरंग का कार्य भी चल रहा है जो इस वर्ष सितंबर तक पूरा हो जाएगा। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत, डीएमआरसी के प्रबंध निदेश डॉ. विकास कुमार की मौजूदगी में छतरपुर मंदिर स्टेशन पर टनल बोरिंग मशीन बाहर निकली। इस नई सुरंग का निर्माण लगभग 15 मीटर की गहराई पर किया गया है। सुरंग में लगभग 618 रिंग लगाए गए हैं। इसका व्यास 5.8 मीटर है। सुरंग निर्माण कार्य में 66 केवी विद्युत एचटी लाइन को स्थानांतरित करने जैसी कईचुनौतियाँ थीं। इसके अलावा, येलो लाइन पर मेट्रो ट्रेन संचालन को बिना बाधित किए मौजूदा येलो लाइन वायाडक्ट के नीचे टीबीएम को पार किया गया। डीएमआरसी के कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन विभाग के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने बताया कि इस सुरंग का निर्माण ईपीबीएम (पृथ्वी दबाव संतुलन प्रणाली) की प्रौद्योगिकी के साथ किया गया है। मुंडका में पूरी तरह से मैकेनाइज्ड कास्टिंग यार्ड में सुरंग के रिंग बनाये गये।

इन कंक्रीट खंडों को मजबूती प्राप्त करने के लिए भाप शोधन प्रणाली का इस्तेमाल किया गया था। मौजूदा वायाडक्ट के नीचे सुरंग का निर्माण करते समय सभी आवश्यक सुरक्षा सावधानियां बरती गईं।

बचपन के दोस्त की गोली मारकर की थी हत्या, धरा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● आरोपी का प्लांट के संचालन पर था विवाद

हत्या के मामले में मुख्य आरोपी समेत तीन युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने आरओ प्लांट चलाने पर हुए विवाद के बाद हत्या की थी ।

आरोपियों की पहचान नितिन, शेखर और आकाश उर्फ अलीजान के रूप में हुई है। तीनों आरोपी लुक्सर गांव के रहने वाले हैं। नितिन ने बताया कि विनय उसका बचपन का दोस्त था। गांव में आरओ प्लांट चलाने को लेकर उसका विवाद हुआ था। इसी वजह से नितिन व उसके साथियों ने मिलकर विनय की हत्या कर दी। मामले में एक आरोपी सुंदर नागर को सोमवार शाम यूपी पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दबोचा है। मुख्य आरोपी समेत बाकी आरोपी फरार चल रहे थे। जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि दिल्ली से गिरफ्तार तीनों आरोपी अपने वकील से मिलने जा रहे थे। सूचना के बाद इनको मजनू का टीला इलाके से गिरफ्तार किया गया। उत्तरी जिला के सिविल लाइंस थाने में इनके खिलाफ अवैध हथियार का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है।

तीनों की गिरफ्तारी की सूचना दिल्ली पुलिस ने यूपी पुलिस को दे दी है। यूपी पुलिस को मामले में अभी एक और आरोपी की तलाश है। उसकी तलाश की जा रही है।

राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों को प्रदान की डिग्रियां

कहा-औद्योगिक क्रांति की चुनौतियों का सामना करने के लिए जेसी बोस विवि जैसे संस्थानों को निभानी होगी महत्वपूर्ण भूमिका

- उच्च शिक्षा सहित हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं हरियाणा की बेटियां: राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय

दयाराम वशिष्ठ। फरीदाबाद

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि चौथी औद्योगिक क्रांति की चुनौतियों का सामना करने और इससे पैदा होने वाले अवसरों का लाभ उठाने के लिए देश में जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय जैसे शिक्षण संस्थानों को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। राष्ट्रपति ने शिक्षण संस्थानों को पूर्व छात्र संघ के योगदान को भी मजबूत एवं प्रभावशाली बनाने का सुझाव दिया। राष्ट्रपति मुर्मु बुधवार को जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए के पंचम दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहीं थी।

समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने की। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर भी उपस्थित रहे। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने राष्ट्रपति मुर्मु की उपस्थिति में विद्यार्थियों को उपाधि, पदक एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किये। दीक्षांत समारोह में सभी छात्र-छात्राएं पारंपरिक भारतीय वेशभूषा में नजर आये। दीक्षांत समारोह में 1536 विद्यार्थियों और शोधार्थियों को उपाधियां प्रदान की गई, जिसमें 998 स्नातक, 525 स्नातकोत्तर और 13 पीएचडी धारक शामिल रहे। डिग्री प्राप्त करने वालों में 874 छात्र और 662 छात्राएं थीं। इसके अलावा, समारोह में दो मेधावी छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किया गया, जिनमें से 75,000 रुपये राशि का एक राज्यपाल-कुलाधिपति स्वर्ण पदक ओवरऑल बीटेक टॉपर छात्रा इशिता जुनेजा को दिया गया तथा 65,000 रुपये राशि का एक मुख्यमंत्री स्वर्ण पदक ओवरऑल बीटेक गर्ल्स टॉपर छात्रा काजल शर्मा को दिया गया।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने महान वैज्ञानिक जगदीश चन्द्र बोस को आधुनिक विज्ञान का अग्रदूत बताते हुए कहा कि जेसी बोस का नाम सुनते ही प्रत्येक भारतीय को गर्व की अनुभूति होती है। राष्ट्रपति ने वनस्पति विज्ञान एवं रेडियो विज्ञान में जे.सी. बोस के अध्ययन एवं अनुसंधान का उल्लेख करते हुए कहा कि विद्यार्थी उनके जीवन एवं कार्यों से प्रेरणा लेकर टेक्नोलॉजी के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

शोध गतिविधियों में महिला शोद्यार्थियों की भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि उच्च शिक्षा में प्रदेश की बेटियां आगे बढ़ रही हैं और शोध में लड़कों की तुलना में उनकी भागीदारी उत्साहजनक है जो दर्शाता है कि हरियाणा की बेटियां प्रत्येक क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही है।

इससे पहले कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने अपने स्वागतीय संबोधन में अतिथियों का अभिनंदन किया तथा वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। कुलपति ने विगत वर्षों की विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय ने विभिन्न गुणवत्ता मानदंडों पर खुद को साबित किया है। इस समय विश्वविद्यालय में 60 से अधिक पाठ्यक्रम पढ़ाये जा रहे है। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद, पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर, पुलिस आयुक्त ओ पी नरवाल, जिला उपायुक्त विक्रम सिंह सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न निकायों के सदस्य, पूर्व छात्र संघ के सदस्य और जिला प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित थे।

समारोह के दौरान पीएचडी डिग्री धारक और स्वर्ण पदक विजेताओं के साथ पोज देते राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु और राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय।

'सिर्फ नौकरी के लिए नहीं, जीवन सार्थक बनाने को ज्ञान अर्जित करें'

- एसलॉन इंस्टिट्यूट के दीक्षांत समारोह तथा लिंग्याज विद्यापीठ के ऑडिटोरियम रंगमंच के उद्घाटन समारोह में बोले राज्यपाल दत्तात्रेय

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि एसलॉन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी शिक्षा में उत्कृष्टता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के साथ-साथ सीखने, नवाचार और समग्र विकास का एक प्रतीक है। यह केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं है। यह आध्यात्मिक समुदाय द लास्ट सेंटर की एक प्रबुद्ध समाज के निर्माण की प्रतिबद्धता का एक जीवंत प्रमाण है।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय बुधवार को एसलॉन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर उपस्थित शिक्षकों, छात्र-छात्राओं तथा अन्य उपस्थित गणमान्य लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर एसलॉन इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष प्रभात अग्रवाल एवं निदेशक डॉ. सुदर्शन गोस्वामी उपाध्यक्ष प्रकाश, सदस्य बोर्ड ऑफ गवर्नर्स सेवानिवृत्त न्यायाधीश राजेश गर्ग, डीन कॉलेज जेसी बोस यूनिवर्सिटी ऑफ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी डॉ. तिलकराज सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि छात्रों को सिर्फ नौकरी प्राप्त करने के लिए नहीं बल्कि अपने जीवन को सार्थक बनाने के लिए ज्ञान अर्जित करना चाहिए। जब वह इस राह पर अपने कदम आगे बढ़ाएंगे तब वे नौकरी लेने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बनेंगे।

राज्यपाल ने बुधवार को लिंग्याज़ विद्यापीठ में दीप प्रज्वलित कर तथा रिबन काटकर लिंग्याज़ विद्यापीठ के ऑडिटोरियम रंगमंच का उद्घाटन किया। लिंग्याज़ विद्यापीठ के चांसलर पिचेश्वर गड़े ने राज्यपाल का स्वागत किया। राज्यपाल ने कहा कि सभी विद्यार्थी पढ़ाई के साथ अन्य सांस्कृतिक, कला तथा खेल से जुड़ी गतिविधियों में भी जरूर भाग लें।

'15 दिनों में गड्ढा मुक्त होनी चाहिए सभी सड़कें'

- अधिकारियों संग बैठक कर उपायुक्त ने दिए आदेश

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी निशांत कुमार यादव ने जिला की सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के लिए नगर निगम, गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण, एचएसआईआईडीसी, एचएसवीपी, लोक निर्माण विभाग व मार्केटिंग बोर्ड के अधिकारियों संग बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलावासियों के सुगम आवागमन के दृष्टिगत यह बैठक लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित की गई थी।

डीसी ने बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिला में हुई अप्रत्याशित बरसात के चलते अधिकांश सड़क मार्ग पर गड्ढे बन गए हैं, जोकि यातायात के आवागमन को प्रभावित करने के साथ साथ किसी अप्रिय दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। डीसी ने सभी अधिकारियों से विभागवार सड़कों की स्थिति व उनकी मरम्मत के लिए क्या कदम उठाए गए हैं, इसकी जानकारी लेने के बाद कहा कि सभी विभाग त्वरित रूप से कार्रवाई करते हुए अगले 15 दिनों में प्राथमिकता के साथ सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि धरातल पर कार्य प्रगति की जांच के लिए वे स्वयं इस सप्ताह के अंत तक प्रमुख सड़क मार्ग का दौरा करेंगे। उन्होंने हिदायतें दी हैं कि पैचवर्क में किसी तरह की लापरवाही न की जाए।

शहर की टूटी सड़कों पर पैचवर्क को लेकर बैठक लेते डीसी निशांत कुमार यादव।

तय समय में हो समाधान शिविर में आई समस्याओं का निवारण: डीसी

गुरुग्राम। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी निशांत कुमार यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में आने वाले आमजन की शिकायतों का प्राथमिकता के साथ समाधान करें। उन्होंने कहा कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनी जाएंगी। नागरिक जिला मुख्यालय और संबंधित एसडीएम द्वारा आयोजित किए जाने वाले समाधान शिविर में अपनी समस्या रख सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों को बिजली, पेयजल और सीवरेज आदि की समस्याओं के त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए। डीसी निशांत कुमार यादव बुधवार को लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनने के दौरान अधिकारियों को जरूरी निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में अधिकारी आमजन की समस्या के निवारण को अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझते हुए गंभीरता के साथ लोगों की समस्याओं का समाधान करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों की शिकायतों को दूर करने में किसी स्तर पर लापरवाही न बरतें। बुधवार को समाधान शिविर में डीसी के समक्ष परिवार पहचान पत्र, प्रोपर्टी आईडी, पुलिस सहित अन्य विभागों से जुड़ी 50 शिकायतों रखी गई।

होर्डिंग-बैनर हटवाएं अफसर: नोडल अधिकारी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त एवं एमसीसी नोडल अधिकारी डा. बलप्रीत सिंह ने कहा कि विधानसभा चुनावों के चलते लागू आदर्श आचार संहिता की पालना जिला में दृढ़ता से सुनिश्चित की जा रही है। इसके तहत अलग-अलग क्षेत्रों में टीमें कार्य कर रही हैं।

बलप्रीत ने अपने कार्यालय में आयोजित बैठक में नगर निगम व मानेसर, विकास एवं पंचायत विभाग तथा नगर परिषद व नगर पालिकाओं के अधिकारियों से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता की पालना सुनिश्चित करें। इसके तहत विभिन्न स्थानों पर लगे राजनीतिक पार्टियों के होर्डिंग, बैनर, स्टीकर, पंपलेट को लगातार हटाते रहें तथा दीवारों पर लिखे राजनीतिक स्लोगन व नारों आदि पर पेंट करवाएं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी क्षेत्रों में टीमें लगातार कार्य करती रहें। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि विभिन्न सडकों, बिजली व स्ट्रींट लाईट के खंबों, दीवारों सहित अन्य स्थानों पर लगाए जाने वाले होर्डिंग बैनर को हटाया जा रहा है तथा दीवारों पर लिखे स्लोगन व नारों पर पेंट किया जा रहा है। बुधवार को ओल्ड रेलवे रोड़ व सोहना रोड़ सहित एसपीआर सहित अन्य क्षेत्रों में होर्डिंग-बैनर हटाने की कार्रवाई की गई है तथा बिजली व स्ट्रीट लाईट के खंभों पर लगे होडिंगों को हटाया।

नेताओं के हॉर्डिंग हटाते व दीवारों को पोतते निगमकर्मी।

कूड़ा उठाने वाले दिखा रहे दबंगई, लोग परेशान

- सफाई कर्मचारी बदल जाते हैं और बार-बार मांगते हैं पैसे

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पटेल नगर की बड़े हनुमान मंदिर के सामने गली नंबर-1 में लोग कूड़ा उठाने वालों से परेशान है। वैसे तो नगर निगम द्वारा कूड़ा उठाने वालों को निर्धारित किया गया है, लेकिन कभी टैंपो तो कभी रिक्शा वाले यहां से कूड़ा उठाने आते हैं। बदल-बदल कर कर्मचारी आते हैं और बार-बार पैसों की मांग करते हैं। इससे क्षेत्र के लोग परेशान हैं। लोगों का कहना है कि नगर निगम में कोई सुनवाई नहीं हो रही। शिकायत करने के नंबरों को कोई रिसीव नहीं करता।

बड़े हनुमान मंदिर के सामने गली नंबर-1 निवासी रमेश चंद्र गुप्ता, किरण टाटिया, प्रीति मिड्ढा, विकास सतीजा, प्रियंका जैन, लता सैनी, अमित सैनी, महेंद्र यादव, सुनीता बंसल, विवेक शर्मा आदि ने कूड़ा उठाने वालों से हो रही परेशानी के बारे में जानकारी दी। साथ ही कहा कि यहां से रेगुलर कूड़े का उठान नहीं हो रहा। किरण टाटिया ने कहा कि कूड़ा उठाने वालों का कोई सिस्टम नहीं है। जो आता है वही पैसे मांगता है। बार-बार पैसे कहां से दें। पैसे नहीं देने पर झगड़ा करने लगते हैं। किरण टाटिया ने कहा कि दो दिन पहले भी ऐसा ही हुआ। उन्होंने चार दिन पहले पैसे लेकर जाने की बात कही, लेकिन कूड़ा उठाने वाले ने कहा कि वह पैसे नहीं ले गए। इस तरह से यहां बदल-बदलकर स्टाफ आता है। ऐसे में बार-बार पैसे कहां से दें। किरण टाटिया ने कहा कि उन्होंने व पड़ोसी ने 100-100 रुपये दिए। उन्होंने पर्ची नहीं ली। इसलिए पर्ची नहीं दिखा पाए। इसी बात पर झगड़ा शुरू हो गया। क्षेत्र के लोगों ने निगम अधिकारियों से गुहार लगाई है कि कूड़ा उठाने वालों का कोई सिस्टम बनाएं। गाड़ियों के रूट तय किए जाएं। कभी कोई कभी कोई आने से सभी पैसों की मांग करते हैं। पैसे ना दो तो वे कूड़ा उठाने से मना करके बिना कूड़ा उठाए ही चले जाते हैं।

दस वर्षों में गुरुग्राम बना कूड़ाग्राम: आशीष

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

प्रदेश सरकार को 60 प्रतिशत से अधिक राजस्व गुरुग्राम से ही प्राप्त होता है। इसलिए गुरुग्राम को प्रदेश की आर्थिक राजधानी कहा जाता है। गुरुग्राम में विदेशी निवेशकों ने भी कई प्रतिष्ठानों में भारी मात्रा में निवेश किया हुआ है। ऐसा कोई देश नहीं है, जिसका कारपोरेट कार्यालय गुरुग्राम में न हो। यह कहना है अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सचिव आशीष दुआ का।

उन्होंने कहा कि जापान, कोरिया जैसे देशों के ऑटो मोबाईल क्षेत्र के कई सयंत्र गुरुग्राम में ही स्थापित किए हुए हैं, जिन्होंने लाखों लोगों को रोजगार भी दिया हुआ है। इसलिए गुरुग्राम विश्व में मिलेनियम सिटी के नाम से भी विख्यात है। लेकिन भाजपा सरकार के पिछले 10 वर्षों के शासन ने गुरुग्राम को कूड़ाग्राम में तब्दील कर रख दिया है। यह कहना है अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सचिव आशीष दुआ का। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि हजारों करोड़ रुपए कूड़ा निस्तारण, बाढ़ प्रबंधन, सड़कों के रखरखाव, सौंदर्यकरण, सफाई व्यवस्था के नाम पर सरकार ने खर्च कर डाले। लेकिन गुरुग्राम की हालत बद से बदतर होती जा रही है।

उनका कहना है कि गुरुग्रामवासियों के खून-पसीने का पैसा जो विभिन्न प्रकार के टैक्सों से प्राप्त हो रहा है। यह पैसा सही काम पर न लगने की बजाय भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। उन्होंने इस सबके लिए प्रदेश सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि शहरवासी बदहाली और बदइंतजामी का दंश झेल रहे हैं। उनका कहना है कि हमें सभी के सपनों का गुरुग्राम बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे।

आशीष दुआ।

प्रतिदिन कचरा एकत्र कर निस्तारण प्लांट पहुंचाएं: बलप्रीत

- खांडसा, बेरीबाग तथा वाटिका चौक स्थित सेकेंडरी कचरा कलेक्शन प्वाइंटों पर पहुंचे अतिरिक्त निगमायुक्त, लिया जायजा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नगर निगम गुरुग्राम के अतिरिक्त आयुक्त डा. बलप्रीत सिंह ने वरिष्ठ सफाई निरीक्षकों व सफाई निरीक्षकों को नियमित कचरा उठान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सेकेंडरी कचरा कलेक्शन प्वाइंटों पर प्रतिदिन पहुंचने वाले कचरे को उसी दिन कचरा निस्तारण प्लांट बंधवाड़ी पहुंचाया जाए, ताकि व्यवस्था बेहतर बनी रहे।

डा. सिंह ने यह निर्देश बुधवार को शहर का औचक निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लेते हुए दिए। वे सेक्टर-34 एमसीजी कार्यालय से हीरो होंडा चौक होते हुए खांडसा सेकेंडरी कचरा कलेक्शन प्वाइंट पर पहुंचे। यहां पर उपस्थित एमसीजी कर्मचारी से कचरा उठान कार्य की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद वे राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ लगती सर्विस रोड़ व ग्रीन बेल्ट क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए बेरी बाग स्थित मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) पर पहुंचे। यहां पर उपस्थित वरिष्ठ सफाई निरीक्षक संदीप कुमार ने अतिरिक्त निगमायुक्त को बताया कि यहां से लगातार डंफरो के माध्यम से बंधवाड़ी कचरा पहुंचाया जा रहा है। अब व्यवस्था में काफी सुधार आया है।

खांडसा में सफाई का निरीक्षण करते अतिरिक्त निगमायुक्त डा. बलप्रीत सिंह।

यातायात नियमों व साइबर अपराध के बारे में किया जागरुक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश नरवाल के दिशा-निर्देशानुसार और पुलिस उपायुक्त मुख्यालय फरीदाबाद अभिषेक जोरवाल के मार्गदर्शन में आज फरीदाबाद की सामुदायिक पुलिसिंग टीम द्वारा पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम के अंतर्गत अल फलाह विश्वविद्यालय धोज, गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल सारण, शिवाजी सीनियर सेकेंडरी स्कूल पर्वतिया कॉलोनी, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय फतेहपुर चंदीला तथा श्रीराम सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर 21 ए में छात्रों को यातायात नियमों के प्रति जागरुक किया गया साथ ही डायल 112, दुर्गा शक्ति के बारे में जानकारी दी।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को यातायात नियमों की महत्ता के बारे में जागरूक करना और सड़क दुर्घटनाओं में घायल लोगों की मदद के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर सामुदायिक पुलिसिंग टीम ने निम्नलिखित महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

जन्माष्टमी पर गुरुग्राम में पहली बार होगी मटकी फोड़ो प्रतियोगिता

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर गुरुग्राम में पहली बार भव्य एवं विराट मटकी फोड़ो इनामी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता का पहला इनाम एक लाख रुपये रखा गया है।

प्रतियोगिता का आयोजन पूर्व विधायक एवं अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय महासचिव उमेश अग्रवाल की प्रेरणा और मार्गदर्शन में वैश्य महासम्मेलन की युवा शाखा द्वारा किया जा रहा है। 26 अगस्त को पुराना जेल कॉम्पलेक्स मैदान पर हो रही इस प्रतियोगिता के विषय में युवा अध्यक्ष विवेक गुप्ता ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 51 हजार व 31 हजार के क्रमश: दूसरे व तीसरे इनामों की भी व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के गोविन्दाओं की कोई भी टोली इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकती है। टोली के प्रत्येक सदस्य को टी-शर्ट आयोजकों की ओर से नि:शुल्क दी जाएगी। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के युवा जिलाध्यक्ष विवेक गुप्ता का कहना है कि प्रतियोगिता के दौरान आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी की जाएगी।

उमेश अग्रवाल।

एक अक्टूबर को करेंगे राजनीतिक बदलाव: नरेंद्र यादव

- पूर्व सूचना आयुक्त ने सोहना-तावडू क्षेत्र के लोगों से बात कर किया ऐलान
- कहा, इस बार जनता राजनीतिक बदलाव करके विकास की नई राह बनाएगी

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना-तावडू विधानसभा से चुनाव में ताल ठोंक रहे पूर्व सूचना आयुक्त नरेंद्र यादव ने कहा कि गांधी जयंती के पूर्व दिवस पर इस बार क्षेत्र में बड़ा राजनीतिक बदलाव करेंगे। जनता ने इसके लिए पूरा मन बना लिया है। सुविधाओं में पिछड़े सोहना-तावडू क्षेत्र का उन्हें मिल रहा समर्थन इस बात की तसदीक करता है कि जनता नेताओं के झूठे वायदे करने वाले नेताओं से ऊब चुकी है। इस बार यहां नया प्रयोग होगा। यह बात उन्होंने सोहना-तावडू क्षेत्र के गांव कलियाकी में चुनाव प्रचार के दौरान कही। उन्होंने कहा कि आपका ये प्यार और स्नेह मेरी वास्तविक पूंजी है।

सोहना-तावडू विधानसभा में लोगों के बीच प्रचार करते नरेंद्र सिंह यादव।

संक्षिप्त समाचार

दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेती छात्राएं।

3 हजार मीटर और 8 सौ मीटर दौड़ में चैतन्या प्रथम

फरीदाबाद। राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सराय ख्वाजा फरीदाबाद की छात्रा चैतन्या ने ब्लॉक स्तरीय स्कूली खेलों में तीन हजार मीटर दौड़ और आठ सौ मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर सराय ख्वाजा विद्यालय को गौरवान्वित किया है। विद्यालय के प्रधानाचार्य रविन्द्र कुमार मनचंदा ने बताया कि बारहवीं डी की छात्रा चैतन्या ने तीन हजार मीटर दौड़ तथा आठ सौ मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया है तथा ब्लॉक स्तरीय स्कूली खेलों में सराय ख्वाजा का प्रतिनिधित्व करते हुए राजकीय और निजी विद्यालयों के प्रतियोगी खिलाड़ियों में सर्वश्रेष्ठ रही है। प्राचार्य मनचंदा ने कहा कि विद्यालय की ग्यारहवीं ई की छात्रा तन्नू ने आर्चरी में प्रतिभागिता करते हुए ब्लॉक फरीदाबाद में पांचवां स्थान प्राप्त किया है। प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचंदा ने कहा कि शिक्षा के साथ साथ खेलों का भी हमारे जीवन में विशेष महत्व है आप किसी भी रुचि कर खेल को नियमित रूप से अपनाते हुए अभ्यास करते हुए आगे बढ़े तो उस खेल में बहुत ही सराहनीय उपलब्धि प्राप्त कर सकते हैं नियमित रूप से खेलों में प्रतिभागिता करने से हमारा शरीर भी स्वस्थ और हृष्ट पुष्ट रहता है।

पृथला का दंगल आज, 2 लाख की होगी सबसे बड़ी कुश्ती

पलवल। बढ़ी तीज पर्व के उपलक्ष्य में पृथला के दूधौला मोड पर होने वाला ऐतिहासिक दंगल 22 अगस्त को होगा। दंगल के मुख्य आयोजक हरियाणा प्रदेश कांग्रेस इलेक्शन कमेटी के सदस्य राकेश तंवर पृथला ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए कहा कि इस दंगल में सबडे बडी इनामी कुश्ती 2 लाख रूपये की होगी तथा दंगल में हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब व राजस्थान आदि अनेकों प्रदेशों के नामी पहलवान भी हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी हरियाणवी संस्कृति में कुश्ती का बहुत बडा महत्व है, जिसे हम कायम रखेंगे और हर साल बेहतर से बेहतर दंगल आयोजित करते रहेंगे। बूढ़ी तीज पर होने वाले इस दंगल में न केवल पृथला क्षेत्र बल्कि आस-पास के सैकडों गांव से हजारों लोग कुश्ती देखने आते हैं और पहलवानों का मनोबल बढाते हैं। उन्होंने कहा कि कुश्ती दंगल से ग्रामीण प्रतिभाओं को निखरने का भी अवसर मिलता वहीं आपसी भाईचारा भी कायम होगा। उन्होंने लोगों से दंगल में होने वाली पहलवानों की प्रतिभा को देखने की अपील भी की है।

दो सितंबर तक वोट बनवा सकते हैं युवा: उपायुक्त

गुरुग्राम। जो युवा एक जुलाई, 2024 को 18 वर्ष की आयु के हो गए हैं, वे दो सितंबर तक अपना वोट बनवाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। विधानसभा चुनाव के लिए अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 27 अगस्त, को किया जाएगा। डीसी निशांत कुमार यादव ने कहा है कि एक जुलाई, 2024 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं का नाम मतदाता सूची में नहीं है तो वे अपने क्षेत्र के बीएलओ से संपर्क कर फार्म संख्या 6 भरकर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। पहले हर वर्ष 1 जनवरी को अर्हता तिथि निर्धारित थी। निर्वाचन आयोग के अनुसार वोट बनवाने की अर्हता तिथि को वर्ष में चार बार किया गया है। अब 1 जनवरी, 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्तूबर को वोट बनवाने की अर्हता तिथि निर्धारित की गई है। जिला के चारों विधानसभा क्षेत्र की 27 अगस्त को प्रकाशित होने वाली संशोधित मतदाता सूची में किसी पात्र युवा का नाम नहीं है तो वह बीएलओ से संपर्क कर फार्म 6 भरकर अपना वोट बनवा सकता है।

आचार संहिता के बाद निकली भर्तियां रहेंगी जारी, घोषित नहीं होंगे परिणाम

- केंद्रीय चुनाव आयोग ने कांग्रेस सांसद की शिकायत पर की कार्रवाई
- पुलिस कांस्टेबल और शिक्षकों के लिए जारी है भर्ती प्रक्रिया

शिखा शर्मा। चंडीगढ़

हरियाणा में विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) द्वारा विज्ञापित पुलिस कांस्टेबल के 5600 पदों, विभिन्न विभागों में खेल कोटे के 369 पदों तथा प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) और शारीरिक शिक्षक (पीटीआई) के 76 पदों की भर्ती प्रक्रिया जारी रहेगी। इसके अलावा हरियाणा लोकसेवा आयोग (एचपीएससी) द्वारा 38 श्रेणियों के लिए पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार परीक्षाएं आयोजित की जा सकेंगी। हालांकि विधानसभा चुनाव तक इन भर्तियों के रिजल्ट घोषित नहीं किए जा सकेंगे, ताकि सत्ताधारी पार्टी चुनावी लाभ न उठा सके। चुनाव आयोग का फैसला आने के बाद हरियाणा लोक सेवा आयोग ने बुधवार शाम को विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड में अकाउंट आफिसर के तीन, श्रम विभाग में फिजियोथेरेपिस्ट के चार और विद्युत प्रसारण निगम में ही मेडिकल आफिसर के एक पद के लिए नई भर्तियां निकाली हैं।

कांग्रेस कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन एवं सांसद जयराम रमेश की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए भारतीय चुनाव आयोग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। कांग्रेस सांसद ने 16 अगस्त को आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद एचएसएससी द्वारा विज्ञापित भर्तियों और एचपीएससी द्वारा भर्ती परीक्षाओं के आयोजन पर सवाल उठाते हुए चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद आयोग ने सरकार से विस्तृत रिपोर्ट तलब कर मामले की जांच कराई। चुनाव आयोग ने प्रदेश सरकार को निर्देश दिया है कि समान अवसर बनाए रखने और चुनाव में किसी को कोई अनुचित लाभ न मिल सके, इसके लिए एचएसएससी और एचपीएससी विधानसभा चुनाव पूरा होने के बाद ही भर्तियों का परिणाम जारी कर सकेंगे।

इससे पहले मंगलवार को हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल ने भी स्पष्ट कर दिया था कि भर्ती प्रक्रिया नियमानुसार है और इसमें आचार संहिता का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है।

भाजपा ने सभी वादे पूरे किए: मुख्यमंत्री

विकास के मुद्दे पर लड़ेंगे चुनाव, रोडमैप पेश कर जनता से मांगेंगे वोट, सीएम ने रवाना की संकल्प पत्र वैन

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा है कि भाजपा ने पिछले चुनाव के दौरान प्रदेश की जनता के साथ किए गए सभी वादों को पूरा किया गया है। इस चुनाव में भी वही वादे किए जाएंगे जिन्हें पूरा किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री बुधवार को चंडीगढ़ से प्रदेशव्यापी संकल्प पत्र संकलन अभियान शुरू करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने पंचकूला स्थित भाजपा मुख्यालय से एक मोबाइल वैन को रवाना किया। इस तरह की वैन प्रदेश के सभी जिलों में चलाई जाएंगी जोकि जनता से घोषणा पत्रों पर सुझाव एकत्र करेंगी। इसके अलावा सीएम ने पंचकूला कार्यालय में एक सुझाव पेटी भी रखी। जिसमें विधानसभा स्पीकर ज्ञान चंद गुप्ता ने घोषणा पत्र में शामिल करने के लिए अपना सुझाव डालकर अभियान की शुरूआत की।

इस अवसर पर बोलते हुए सीएम ने कहा कि विपक्ष झूठ का सहारा लेता है। विपक्ष की सिर्फ घोषणा होती है, वह भी पूरी नहीं होती है। भाजपा यह चुनाव विकास के मुद्दे पर लड़ेगी। पिछले दस वर्षों के दौरान प्रदेश में हुए विकास कार्यों तथा आगामी पांच वर्षों का रोडमैप जनता के सामने रखकर वोट मांगे जाएंगे। नायब सैनी ने कहा कि विपक्ष झूठ का सहारा लेकर घोषणाएं करता है, लेकिन उन्हें पूरा करने के लिए उनके पास कोई विजन नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संकल्प पत्र कमेटी की दूसरी बैठक 29 अगस्त को होगी, जिसमें सुझावों की छंटनी की जाएगी। भाजपा जन सुझावों के साथ संकल्प पत्र तैयार करेगी।

बुधवार को पंचकूला स्थित भाजपा मुख्यालय से मोबाइल वैन को रवाना करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी।

भाजपा की किरण चौधरी निर्विरोध जाएंगी राज्यसभा

- भाजपा के अलावा जेजेपी, हलोपा व निर्दलीय भी समर्थन में
- सीएम व सह प्रभारी की मौजूदगी में बुधवार को किया नामांकन

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय बंसीलाल की पुत्रवधु किरण चौधरी अब भाजपा की टिकट पर हरियाणा से राज्यसभा में जाएंगी। किरण चौधरी के मुकाबले में कांग्रेस की तरफ से किसी ने भी नामांकन नहीं किया। बुधवार को राज्य सभा की एक सीट के लिए नामांकन का अंतिम दिन था।

किरण चौधरी ने बेटी श्रुति चौधरी की भिवानी-महेंद्रगढ़ सीट से टिकट कटने के बाद कांग्रेस छोड़ दी थी। भाजपा में शामिल होने के 2 महीने बाद उन्हें राज्यसभा भेजा जा रहा है। बुधवार सुबह किरण चौधरी ने मुख्यमंत्री नायब सैनी, भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली तथा प्रदेश के अन्य मंत्रियों की मौजूदगी में नामांकन दाखिल किया। खास बात यह रही कि भाजपा विधायकों के अलावा जननायक जनता पार्टी, हरियाणा लोकहित पार्टी के विधायक भी मौजूद रहे। नामांकन के बाद सीएम नायब सैनी ने कहा कि किरण को जीत के लिए जरूरत से ज्यादा विधायकों ने समर्थन दिया है।

हरेरा गुरुग्राम ने 1000 ट्रीज हाउसिंग कंपनी पर ठोका 1.5 करोड़ का जुर्माना

- परियोजना पंजीकरण के नियमों का प्रमोटर ने किया उल्लंघन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा रीयल इस्टेट प्रमोटर मेसेर्ज 1000 ट्रीज हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड पर हरेरा गुरुग्राम ने प्रमोटर पर 1.5 करोड़ रुपये का भारी जुर्माना लगाया है।

बताया जा रहा है कि प्रमोटर ने वर्ष 2012 में हरियाणा के टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग से लाइसेंस लेने 12 साल बीत जाने के बाद भी अपनी परियोजना का पंजीकरण नहीं कराया। साथ ही परियोजना में नियमों के विरुद्ध तीसरे पक्ष के अधिकार बनाने जैसा उल्लंघन किया। इस पर हरेरा गुरुग्राम ने प्रमोटर पर 1.5 करोड़ रुपये का भारी जुर्माना लगाया है। प्राधिकरण ने निर्माण पूरा करने और घर खरीदारों को यूनिट सौंपने के लिए इस परियोजना के पंजीकरण की मांग करने वाले प्रमोटर के आवेदन की जांच के बाद कार्रवाई की। जांच में पता चला कि यह अभी भी एक चालू परियोजना थी, जिसमें प्रमोटर ने हरेरा पंजीकरण प्राप्त किए बिना घर खरीदारों को इकाइयां बेचकर तीसरे पक्ष के अधिकार बनाए थे। अधिनियम 2016 के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी से लाइसेंस प्राप्त करने के बाद, किसी प्रमोटर के लिए तीसरे पक्ष के अधिकार और विज्ञापन बनाने से पहले रेरा के साथ अपनी परियोजना को पंजीकृत करना अनिवार्य है। प्राधिकरण ने विलंब शुल्क के भुगतान और अधिनियम के उल्लंघन के लिए भारी जुर्माना भरने की सूरत में परियोजना को मंजूरी दे दी है।

हरेरा ने आदेश में कहा गया है कि चल रही परियोजना का पंजीकरण न करने के लिए अधिनियम की धारा 59 के तहत 1.5 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया जाता है। प्राधिकरण ने पहले प्रमोटर को एक शोकेस नोटिस भेजा था।

प्राधिकरण ने कहा कि आपके पास परियोजना के लिए पूर्णता/कब्जा/आंशिक कब्जे का प्रमाण पत्र नहीं है। इसलिए आपकी परियोजना अधिनियम 2016 की धारा 3(2) और हरियाणा रियल एस्टेट नियमों के तहत सुरक्षित नहीं है। मेसर्स 1000 ट्रीज हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड गुरुग्राम के सेक्टर 105 में सैंक्चुरी 105 नामक एक ग्रुप हाउसिंग परियोजना विकसित कर रही है।

संकल्प पत्र बनाने को बैठकें करेगी भाजपा

- पहली बैठक में किया सब कमेटियों का गठन
- एक सप्ताह में सभी वर्गों से लिए जाएंगे फीडबैक

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चुनाव घोषणा पत्र तैयार करना शुरू कर दिया है। चुनाव घोषणा पत्र समिति की बुधवार को पंचकूला में हुई पहली बैठक के बाद समिति के संयोजक एवं राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि एक सप्ताह के भीतर ऑनलाइन व ऑफलाइन तरीके से 28 अगस्त तक सभी जिलों से सुझाव लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि मुद्दों के हिसाब से सब कमेटियों का गठन किया गया है।

प्रदेश में स्थित भाजपा के सभी कार्यालयों में सुझाव पेटियां रखी जाएंगी। उन्होंने बताया कि भाजपा नेता संजय शर्मा अंबाला व रोहतक जिलों का दौरा करके मेडिकल क्षेत्र, समिति सदस्य मदन गोयल कुरूक्षेत्र व हिसार से शिक्षा, सांसद कृष्ण लाल पंवार, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल व विधायक सत्यप्रकाश जरावता सिरसा व झज्जर जिलों का दौरा करके अनुसूचित जाति, कृष्ण पंवार तथा विधायक भव्य बिश्नोई भिवानी व दादरी का दौरा करके युवाओं तथा खिलाड़ियों के विषय पर संकल्प पत्र के लिए सुझाव लेंगे।

इसी प्रकार पूर्व मंत्री विपुल गोयल फरीदाबाद व पलवल जिलों में संगोष्ठी करके व्यापारियों व उद्योगपतियों, विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा तथा मंत्री अभय यादव रेवाड़ी तथा महेंद्रगढ़ जिलों का दौरा करके पिछड़ा वर्ग के लोगों से संवाद करेंगे। सांसद किरण चौधरी, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल तथा रोजी मलिक यमुनानगर व फतेहाबाद में संवाद करके महिलाओं के मुद्दे पर एजेंडा लेंगी। इसी प्रकार पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, एडवोकेट वेदपाल तंवर जींद व कैथल जिलों का दौरा करके किसानों व खेती के संबंध में सुझाव लेंगे।

कैप्टन अभिमन्यु तथा अभय यादव वाली कमेटी द्वारा पंचकूला में कार्यक्रम के माध्यम से गुड गर्वेनेंस के विषय पर बुद्धिजीवियों से सुझाव लिए जाएंगे। एडवोकेट वेदपाल करनाल व चंडीगढ़ में वकीलों के संगठनों से संवाद करेंगे। वहीं भूपेश्वर दयाल व वेदपाल करनाल व सोनीपत में पशु पालकों व पंचायती राज, पूर्व मंत्री विपुल गोयल व कैप्टन अभिमन्यु फरीदाबाद व रोहतक में स्थानीय निकायों पर चर्चा करेंगे। इसी प्रकार पानीपत व फरीदाबाद में पूर्वांचल समाज के लोगों से बातचीत की जाएगी।

धनखड़ ने बताया कि पूर्व मंत्री किरण चौधरी व पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल पंचकूला में बैठक करके कर्मचारी संगठनों से उनकी मांगों पर फीडबैक लेंगी। उन्होंने बताया कि यह सारी प्रक्रिया 28 अगस्त तक पूरी कर ली जाएगी। इसके बाद 29 अगस्त को चुनाव घोषणा पत्र समिति की बैठक करके प्रत्येक माध्यम से मिले सुझावों को एकत्र किया जाएगा और घोषणा पत्र का प्रारूप तैयार किया जाएगा।

कार्यकर्ताओं में जोश भरने गुरुग्राम पहुंचे अर्जुन राम मेघवाल

- मुख्यमंत्री नायब सैनी की नायाब नीतियों ने हर वर्ग के लोगों का दिल जीता है: कैबिनेट मंत्री

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कैबिनेट मंत्री अर्जुन राम मेघवाल बुधवार को कार्यकर्ताओं में जोश भरने गुरुग्राम पार्टी कार्यालय गुरूकमल में पहुंचे। यहां उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। मेघवाल ने कार्यकर्ताओं से चुनाव को लेकर चर्चा भी की।

बैठक में जिला अध्यक्ष कमल यादव, सोहना विधायक संजय सिंह, पटौदी विधायक सत्यप्रकाश जरावता, प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड़, महामंत्री रामबीर भाटी, सर्वप्रिय त्यागी, मीडिया प्रभारी डॉ. गजेंद्र गुप्ता, सहमीडिया प्रभारी पवन यादव, सोशल मीडिया प्रभारी विकास चोपड़ा, प्रदेश प्रभारी व संयोजक, जिला पदाधिकारी, मोर्चे के अध्यक्ष व जिले के प्रभारी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी और कार्यकर्ताओं के दम में लगातार चुनाव जीतती आ रही है। उन्होंने कहा कि अब हरियाणा में चुनाव का ऐलान हो चुका है, इसलिए सभी कार्यकर्ता बिना थके और बिना रूके चुनाव जीतने की तैयारियों में जुट जाएं। इससे पहले गुरुग्राम पहुंचने पर जिला अध्यक्ष कमल यादव ने कैबिनेट मंत्री अर्जुन राम मेघवाल का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया।

कैबिनेट मंत्री अर्जुन राम मेघवाल का स्वागत करने के बाद सामूहिक चित्र में भाजपा जिला अध्यक्ष कमल यादव व अन्य नेता तथा कार्यकर्ता।

कैबिनेट मंत्री ने सभी कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करते हुए कहा कि भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ताओ की बदौलत हम विधानसभा चुनाव जीतेंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुछ ही दिनों में बड़े-बड़े निर्णय लेकर हरियाणा के लोगों का दिल जीता है। कैबिनेट मंत्री का स्वागत करते हुए जिला अध्यक्ष कमल यादव ने विश्वास दिलाया कि हमारे कार्यकर्ता पार्टी की जीत के लिए दिन रात काम कर रहे हैं।

गुरुग्राम की उम्मीद व सपने पूरे करेंगे: जीएल शर्मा

- तीसरी बार बन रही भाजपा की सरकार, किसी के बहकावे में न आएं लोग

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम विधानसभा में भाजपा टिकट के प्रबल दावेदार एवं हरियाणा भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष जीएल शर्मा ने कहा कि वह विधायक बने तो गुरुग्राम की उम्मीदों और सपनों को पूरा करेंगे। गुरुग्राम की देवतुल्य जनता ने उन्हें ताकत दी तो यहां का नेतृत्व विधानसभा में कमजोर नहीं रहेगा बल्कि पूरी ताकत से अपना हक मांगेगा।

जनसंपर्क अभियान में बोलते जीएल शर्मा।

जीएल शर्मा बुधवार को विधानसभा के विभिन्न इलाकों में लोगों से मुलाकात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वह किसान भी हैं, सरकारी महकमे में अधिकारी भी रहे हैं, सरकार में चेयरमैन भी रहे हैं और अब लंबे समय से संगठन की सेवा कर रहे हैं। उन्हें अच्छे से पता है कि केवल टॉप लेवल की कमजोरी के कारण ही अधिकारी भ्रष्ट होते हैं, काम के प्रति उदासीन होते हैं। उम्मीदों और सपनों के शहर गुरुग्राम को समस्याओं से मुक्त कर इसे सही मायने में विश्वस्तरीय शहर बनाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नायब सैनी के नेतृत्व में तीसरी बार भाजपा की सरकार बन रही है। लोग किसी के बहकावे न आएं। उन्होंने कहा कि मीडिया में जरिए विपक्ष एक नैरेटिव सेट कर रहा है, लेकिन वह अपनी मंशा में कामयाब नहीं होगा। प्रदेश की जनता अपने भले बुरे को पहचान और जान रही है।

विधायक रामकरण काला कांग्रेस में शामिल होने के दौरान।

'टिकट बंटवारे में जिताऊ व वफादार लोगों को मिलेगी तवज्जो'

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस की हरियाणा इकाई के वरिष्ठ नेताओं ने बुधवार को बैठक की जिसमें इस बात पर जोर दिया कि टिकट बंटवारे में उन लोगों को तवज्जो मिलेगी जिनके जीतने की संभावना अधिक है तथा जो पार्टी के प्रति वफादार हैं।

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रदेश चुनाव समिति की बैठक में संभावित उम्मीदवारों और तैयारियों को लेकर मंथन किया गया। इस बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष उदय भान, प्रभारी दीपक बाबरिया, पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव कुमारी सैलजा, रणदीप सुरजेवाला और कई अन्य नेता मौजूद थे। बैठक के बाद पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, हमारे नेता राहुल गांधी जी का स्पष्ट निर्देश है कि जो लोग वफादार, टिकाऊ और जिताऊ हैं, उन्हें टिकट में महत्व मिलना चाहिए। हमारे प्रभारी ने बैठक में इसी बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिन के भीतर उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया आरंभ हो जाएगी।

जेजेपी विधायक रामकरण काला समर्थकों समेत कांग्रेस में शामिल

- बीजेपी नेता कुलदीप काकराण व पूर्व सूचना आयुक्त ने भी कांग्रेस में जताई आस्था

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

साढ़े चार साल तक भारतीय जनता पार्टी के साथ सत्ता में रही जननायक जनता पार्टी के शाहबाद से विधायक रामकरण काला ने आज अपने समर्थकों और दर्जनों जेजेपी नेताओं के साथ कांग्रेस ज्वाइन कर ली।

पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदयभान के नेतृत्व में रामकरण काला ने बुधवार को दिल्ली में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। काला के अलावा खरखौदा हलके से 2014 चुनाव में बीजेपी उम्मीदवार रहे कुलदीप काकराण, पूर्व सूचना आयुक्त जय सिंह बिश्नोई ने भी पार्टी छोड़कर कांग्रेस ज्वाइन की। इस मौके पर सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा भी विशेष तौर पर मौजूद रहे।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान ने पार्टी में आए सभी नेताओं का स्वागत करते हुए कहा कि उन्हें यहां उचित मान-सम्मान दिलाया जाएगा। हुड्डा ने कहा कि तमाम नेताओं ने सही समय पर सही फैसला लिया है। यह फैसला आने वाले चुनाव में रंग लाएगा और कांग्रेस की सरकार बनाने में मददगार साबित होगा। लगातार हो रही ज्वाइनिंग और पार्टी के कार्यक्रमों को मिल रहे जनता के समर्थन से स्पष्ट है कि हरियाणा में कांग्रेस की लहर चल रही है। इस बार हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनना तय है।

अरविंद केजरीवाल को जेल में रखकर जल्दी-जल्दी चुनाव कराना चाहती है भाजपा : डॉ. संदीप पाठक

- बोले, बीजेपी को अभी से इस बात की चिंता है कि दूसरी सरकार बनी तो उसको कैसे गिराना है

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) डॉ. संदीप पाठक ने बुधवार को सुबह करनाल में सोनीपत व करनाल लोकसभा की मीटिंग की और दोपहर को कुरुक्षेत्र व अंबाला लोकसभा के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा भी मौजूद रहे। डॉ. संदीप पाठक ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी के एक एक कार्यकर्ता को 100 आदमियों के बराबर काम करना पड़ेगा।

बिना काम किए कुछ नहीं बदलेगा। सभी को 24 घंटे काम करना पड़ेगा। ये किसी एक की जिम्मेदारी नहीं है, ये हम सबकी जिम्मेदारी है। पंजाब में बदलाव तब आया जब आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने 24 घंटे दिन रात मेहनत की। हरियाणा में भी अपने संघर्ष से ये युद्ध जीतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बीजेपी धीरे धीरे आरक्षण को खत्म करना चाहती है। व्यापारियों का व्यापार और किसानों की किसानी खत्म करना चाहती है। किसानों से इनके अंहकार का टकराव है, इनको समझ लेना चाहिए जो किसानों से टकराएगा वो चूर चूर हो जाएगा। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हरियाणा में विधानसभा चुनाव के 30-40 दिन बचे हैं। आम आदमी पार्टी इन 30-40 दिनों में अपने अभियान को और मजबूत करेगी। आने वाले दिनों में अरविंद केजरीवाल ने हरियाणा को जो गारंटियां दी थी उसका रजिस्ट्रेशन करेंगे।

पाठक ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने कुछ नहीं किया है वो आज नही तो कल बाहर आएंगे। जब से आम आदमी पार्टी हरियाणा में चुनाव के लिए सक्रिय हुई थी तब से इन्होंने षड्यंत्र के तहत अरविंद केजरीवाल को जेल में डाल रखा है और अब भी 15 दिन पहले चुनाव करा दिया। अरविंद केजरीवाल को ईडी और लोअर कोर्ट ने बरी कर दिया है अब जबरदस्ती सीबीआई लाकर खड़ी कर दी। बीजेपी अरविंद केजरीवाल को जेल में रखकर जल्दी-जल्दी चुनाव करना चाहती है। लेकिन इनको पता नहीं है कि इस बार जनता खुद बदलाव के लिए तैयार है। पाठक ने कहा बीजेपी के नेता जेपी दलाल कह रहे हैं कि यदि कोई दूसरी सरकार बनी तो हम उसको तोड़ देंगे।

बीजेपी देश में ऐसा ही कर रही है। हम किसी भी राज्य की बात करें तो बीजेपी हर जगह शाम, दाम, दंड और भेद से चुनाव जीतना चाहती है। इसीलिए इनको भगाना और सुपड़ा साफ करना जरुरी है। इनको जनता के बच्चों के भविष्य की चिंता नहीं है इनको इस बात की चिंता है कि यदि कोई दूसरी सरकार आ गई तो तोड़ देंगे।

PUBLIC NOTICE

To be known to all that I, **SWATI LAUMAS W/O SH.PANKAJ LAUMAS R/O FLAT NO.132-C, SECOND FLOOR, GROUP-IV, POCKET-A&B, DILSHAD GARDEN, DELHI-110095 has applied for conversion of the DDA MIG Flat No. 132-C, SECOND FLOOR,GROUP-IV,POCKET A&B, DILSHAD GARDEN, DELHI** from lease hold to free hold in DDA. The Original Allotment-cum-Demand Letter of the above flat have been lost. An NCR to this effect has been lodged in P.S. Crime Branch in vide S.O. No.430/2014 LR No.2044444/2024 dated 21.08.2024.Any person(s) claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents, may write/contact with above named person at above address/phone No. 9717114455 within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objections with respect to this property can personally inform or write to **Dy. Director (LAB) H or Director (H)-1, D Block, 3rd Floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi.**

LOST & FOUND

I, Arvind kumar S/o Late Bhagwan Das. Prop. of AK ABHUSHAN BHANDAR at Plot no 373 Block A Indrapuri abcd Colony Loni Ghaziabad Uttar Pradesh 201102 have lost my Adhar card (Aadhar No. 712163336046) , Pan Card (Pan No. AMTPK0164A) and one hand bag and one more document (Form 38 S no. 2651706) vide my vat no.(988842110) in Ghaziabad. In this regarding, I lodged a report bearing L.A.R No. 20240000677043. If finder may find my things please contact me on +918826041808.

THE PIONEER CLASSIFIEDS

नाम परिवर्तन

मैं, श्री सिद्धांत बेदी, के पुत्र श्री मुकेश बेदी निवास, मकान नं.-123/9, क्रॉस रोड, संत नगर, बुराड़ी, गली नंबर. 9, दिल्ली-110084, एतद्द्वारा घोषणा करता हूं कि मैंने सभी उद्देश्यों के लिए अपना नाम श्री सिद्धांत बेदी से श्री आहिल चौधरी में बदल दिया है। कि भविष्य में मुझे श्री आहिल चौधरी के नाम से जाना जाएगा।

PD(697)C

LOST & FOUND

I, Sheesh Pal Singh have lost original Allotment Letter of Flat No.A-102, Prabha CGHS Ltd., Plot No.11,Sector-23, Dwarka, New Delhi. Complaint is lodged on 20.08.2024 in Delhi Police Crime Branch, vide LR No.2041056/2024

PD(698)A

PUBLIC NOTICE

"It is to informed to the public at large that one Mrs. Renu (Adhar-8046 6530 4959) W/o Mr. Jai Dev r/o WZ-104, Chhotiyal Mohalla Palam Village, Palam Village South West Delhi-110045, the property i.e. Second Floor (Back side) without roof rights "said floor" part of Plot No. 103, area measuring 80 sq. yrds., out of Khasra No. 400, situated in the colony known as Block-V, Sector-D, Bhagwati Vihar, area of village Bindapur, Uttam Nagar, New Delhi, hereinafter referred to as "said property", having acquired the same by virtue of GPA, ATS, Will's dated 15.01.2024 executed by 1) M/s. Sarvshiva Sales & Construction LLP (25% undivided share) through its partner Mr. Amit Mittal 2) Mr. Sunil Kumar (25% undivided share) 3) Mrs. Shakuntala Devi (50% undivided share) in favour of Mrs. Renu in respect of the Second Floor (Back side) without roof rights). Against said Property, Satin Housing Finance Limited. (our client) is giving a Housing Loan to one (Applicant) Mr. Rohit Kumar S/o Mr. Sushil Kumar (Co- applicant) Mrs. Vasanti Devi w/o Sh. Sushil Kumar r/o Babhantoli, Kako, Jehanabad, Bihar-804418 who would purchase the said property from the Present owner i.e. Mrs. Renu W/o Mr. Jai Dev. It is hereby declared that title of the said Property, is absolutely valid, clear and marketable and there is no dispute / Litigation pending in any court of law, in respect of said Property. Whosoever, is having any objection to said mortgage OR any Person having any type of claim/right/title/interest over the said property may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 07 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

Dharmender Kamti Advocate Add.:- A-2/162-163, Lower Ground Floor, Safdarjung Enclave, Delhi-110029 Mob: No: 7048947032

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 22 अगस्त, 2024

एमपाक्स का प्रकोप

सतर्कता जरूरी

एमपाक्स का प्रकोप सारी दुनिया के लिए चिन्ता का विषय है। हालांकि, अभी परेशान होने के बजाय इसके प्रति सतर्कता जरूरी है। कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद अब दुनिया एक और बड़ी स्वास्थ्य चुनौती 'एमपाक्स' का सामना कर रही है जिसे पहले 'मंकीपाक्स' के नाम से जाना जाता था। यह वाइरल बीमारी परंपरागत रूप से अफ्रीका के कुछ क्षेत्रों में पाई जाती थी, पर अब यह परेशान करने वाली गति से दुनिया भर में फैल रही है। इससे दुनिया भर के स्वास्थ्य अधिकारियों में चिन्ता फैल गई है। एमपाक्स मंकीपाक्स वाइरस से फैलता है जो 'आर्थोपाक्स कुल' में शामिल है। चेचक या स्मालपाक्स वाइरस भी इसी कुल का है। अच्छी खबर यह है कि अधिकांश मामलों में यह जानलेवा नहीं होता है और इसका इलाज किया जा सकता है। हालांकि, एमपाक्स का कोई खास इलाज नहीं है, पर अधिकांश पीड़ित कुछ सप्ताह में ठीक हो जाते हैं। अच्छी प्रतिरक्षण प्रणाली वाले लोगों में सामान्य देखभाल और दर्द नियंत्रण से राहत मिलती है, लेकिन कमजोर प्रतिरक्षण प्रणाली वाले लोगों को इलाज की जरूरत पड़ती है। हालांकि, यह स्मालपाक्स की तुलना में कम घातक है, पर एमपाक्स से खासकर कमजोर प्रतिरक्षण प्रणाली वाले लोगों में गंभीर बीमारी हो सकती है। वाइरस का प्रसार मुख्यतः जानवर-मनुष्य संपर्क तथा मानव-मानव संपर्क से हो सकता है। सीधे संपर्क, शरीर के द्रवों, सांस से निकलने वाली छोटी-छोटी बूंदों या बिस्तर जैसे संक्रमित स्थान से संक्रमण फैल सकता है। एमपाक्स के लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, लसीका ग्रंथियों में सूजन, कंपकंपी तथा अक्सर चेहरे से शुरू होकर शरीर के अन्य भागों में फैलने वाले चकत्ते शामिल हैं।

हाल ही में कोरानावायरस वैश्विक महामारी से राहत पाने के बाद लोग एक और वैश्विक महामारी का सामना करने की स्थिति में नहीं हैं। हालांकि, अभी यह महामारी नहीं है, पर यदि रक्षात्मक कदम न उठाए गए तो यह वैश्विक महामारी में बदल सकती है। दुनिया भर में एमपाक्स मामले बढ़ने के बाद भारतीय हवाईअड्डों पर सतर्कता बढ़ाई गई है तथा वाइरस का प्रसार रोकने के कदम उठाए जा रहे हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक राष्ट्रव्यापी सलाह जारी कर हवाईअड्डों को जांच प्रक्रिया गहन बनाने तथा संभावित मामलों की पहचान व उनको अलग-थलग करने के प्रोटोकाल कठोरता से सुनिश्चित करने को कहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन-डब्लूएचओ ने अनेक क्षेत्रों में एमपाक्स मामले बढ़ने की जानकारी दी है। इससे पहले वाइरस को नियंत्रित रखने वाले क्षेत्रों में चिन्ता फैल गई है। बुखार, चकत्ते या लसीका ग्रंथियों में सूजन जैसे लक्षण वाले यात्रियों को और चिकित्सकीय परीक्षणों के लिए कहा जा रहा है। दिल्ली, मुंबई और बैंगलुरू जैसे शहरों में प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे महत्वपूर्ण रक्षात्मक कदम उठा रहे हैं। त्वरित आंकलन के लिए इन स्थानों पर विशेष चिकित्सा टीमें लगाई गई हैं ताकि एमपाक्स संक्रमित किसी व्यक्ति को अलग कर उसका इलाज किया जा सके। बाहर से आने वाले यात्रियों के अलावा देश से बाहर जाने वाले यात्रियों पर भी ध्यान दिया जा रहा है। खासकर वाइरस संक्रमित क्षेत्रों में जाने वाले यात्रियों को सावधानियां बरतने को कहा जा रहा है। हालांकि, भारत में अभी एमपाक्स के ज्यादा मामले सामने नहीं आए हैं, पर वाइरस को देश में जड़ें जमाने से रोकने के लिए व्यापक सुरक्षात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने जोर दिया है कि एमपाक्स का प्रसार रोकने के लिए संक्रमितों की जल्दी पहचान तथा उनको अलग-थलग करना सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। भारत जैसे घनी बस्तियों वाले देश में एमपाक्स प्रसार के गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन

आर्थिक उथलपुथल और सैनिक विद्रोह के कारण बांग्लादेश से भारत के अच्छे मैत्रीपूर्ण संबंध अब अनिश्चितता का शिकार हैं। वहां भारत-विरोधी भावनायें बढ़ रही हैं तथा रणनीतिक हितों पर सवाल उठ रहे हैं।

अशोक के. मेहता
(लेखक, सेवानिवृत्त मेजर जनरल हैं)

आर्थिक उथलपुथल और सैनिक विद्रोह के कारण बांग्लादेश से भारत के अच्छे मैत्रीपूर्ण संबंध अब अनिश्चितता का शिकार बन गए हैं। वर्तमान समय में वहां अनेक कारणों से भारत-विरोधी भावनायें बढ़ रही हैं तथा भारत के उस देश में रणनीतिक हितों पर सवाल उठ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से अपने स्वतंत्रता दिवस संबोधन में कहा कि भारत बांग्लादेश की घटनाओं व खासकर वहां हिंदुओं व अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के बारे में बहुत चिन्तित है। प्रधानमंत्री के इस संबोधन के फौरन बाद 'अंतरिम सरकार' के मुखिया प्रोफेसर यूनूस ने मोदी से फोन पर बात कर उनकी सुरक्षा के बारे में आश्वासन दिया। ढाका में पिछले 53 साल में हुए चौथे परोक्ष सैनिक विद्रोह का नेतृत्व पूरी तरह छात्र-संचालित आंदोलन के कारण हुआ। इससे प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपनी सत्ता गंवानी पड़ी। इसका प्रमुख कारण शेख हसीना का जनता से संपर्क टूटना तथा आर्थिक परेशानियों पर लगाम लगाने में विफलता थी। छात्रों द्वारा संचालित आंदोलन में अनेक छात्रों समेत लगभग 200 लोगों और संभवतः इससे भी अधिक प्रदर्शनकारियों की मौत हसीना की सत्ता के लिए 'ऊंट की पीठ तोड़ने वाला आखिरी तिनका' साबित हुई। इसके बाद सेना प्रमुख-सीओएएस जनरल वकार-उज़-ज़मां के सामने केवल एक ही विकल्प बचा और उन्होंने शेख हसीना को देश छोड़ कर जाने के लिए 45 मिनट का समय दिया।

बांग्लादेश के जनरल ने संभवतः 'एक दिन बाद घटने वाली' इस स्थिति का पहले से अनुमान लगा लिया था। यदि ऐसा न होता तो सत्ता का तेजी से और व्यवस्थित हस्तांतरण संभव ही नहीं हो सकता था। बांग्लादेश की सड़कों पर हसीना-विरोधी भावनायें भड़क रही थीं। इसके साथ ही शेख मुजीबुर रहमान की विरासत पर भी सवाल उठ रहे थे जिसे उन्होंने पाकिस्तान से स्वतंत्रता के रूप में पाला-पोसा था। भारत ने बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में व्यापक सहायता की थी। बांग्लादेश में इस 'विरासत' के प्रति गुस्से की भावना भी बढ़ रही थी जिसे समय पर नहीं पहचाना गया। शेख मुजीबुर रहमान की मूर्तियां तथा मुक्ति संग्राम से जुड़े स्मारक तोड़ने की घटनायें इसके प्रतीक के रूप में सामने आईं। बांग्लादेश में भारत-विरोधी भावनायें भड़कने का एक कारण हसीना सरकार का भारत द्वारा आंख बंद कर समर्थन करना था, जबकि उनकी लोकतांत्रिक पहचान लगातार गिर रही थी। इसके साथ ही बांग्लादेश में भारत-विरोधी भावनाओं के अन्य कारण भी थे जिनमें बीएसएफ द्वारा सीमा पर की गई गोलीबारी, तीस्ता जल का साझा न हो पाना तथा सिलीगुड़ी कारीडोर का प्रयोग करने की अनुमति न देना भी शामिल हैं।

भारत के गृह मंत्री अमित शाह द्वारा सीएए-एनआरसी की जोरदार पैरोकारी ने भी भारत के प्रति बांग्लादेश में संदेह का वातावरण बना। इन परिस्थितियों में शेख हसीना को भारत में अनिश्चित काल तक शरण देने के निर्णय से भी बांग्लादेश में भारत के प्रति गुस्सा बढ़ने की आशंका है। बांग्लादेश में जुलाई और अगस्त की घटनाओं के बारे में बहुत कुछ लिखा जा चुका है। इनमें अनेक षडयंत्र सिद्धान्तों को आश्चर्यजनक रूप से बढ़ावा दिया गया। इनमें अमेरिका का नाम लेना, सीआईए द्वारा सेंट मार्टिन द्वीप पर कब्जे की इच्छा तथा पाकिस्तानी, आईएसआई व चीन का नाम लेना शामिल हैं। सेंट मार्टिन द्वीप पर म्यांमार भी अपना दावा करता है। हालांकि, इनमें से कुछ पक्षों ने निश्चित रूप से परेशानियों का लाभ उठाने का प्रयास किया, पर भारत को 'इस्लामवादी' व 'जिहादी' संगठनों की खासतौर से चिन्ता करनी चाहिए। हालांकि, नोबेल विजेता, उदारवादी लोकतांत्रिक व क्षेत्रीयतावादी मुहम्मद यूनुस 'अंतरिम सरकार' का नेतृत्व कर रहे हैं, लेकिन कहा जाता है कि वे छात्रों व उनके नेताओं नाहीद इस्लाम व आसिफ मुहम्मद द्वारा निर्देशित होंगे। यह रहस्य है कि शेख हसीना के रिश्तेदार जनरल जमां ने इस विद्रोह में क्या भूमिका अदा की। बांग्लादेश में कोई भी सत्ता परिवर्तन बिना सेना की संलिप्तता के कार्यान्वित नहीं किया जा सकता है।

शेख हसीना की सबसे बड़ी उपलब्धि एक समय अत्यन्त निर्धन बांग्लादेश को दक्षिण एशिया की सबसे तेज प्रगति करने वाली अर्थव्यवस्था बनाना था। उसके मानव विकास सूचकांक श्रीलंका को छोड़ कर सभी क्षेत्रीय देशों से आगे थे। वेतनों पर विरोध प्रदर्शनों तथा हड़तालों व कोविड में तबाह होने के पहले उसका गारमेंट उद्योग विश्वस्तरीय था। बांग्लादेश ने दो दशक तक 6.5 प्रतिशत की गति से प्रगति की थी और उसकी प्रति व्यक्ति आय 2600 डालर थी जो भारत से भी बहुत अधिक थी। लेकिन उसकी प्रगति की यह गाथा आईएमएफ से 4.76 बिलियन डालर कर्ज लेने और मुद्रास्फीति 10 प्रतिशत से अधिक होने के कारण नष्ट हो गई। भारत के साथ उसका व्यापार तेजी से बढ़ा और वह 18 बिलियन डालर तक पहुंच गया। यदि बांग्लादेश के साथ एफटीए हो जाता तो बांग्लादेश के निर्यात में 182 प्रतिशत वृद्धि होती। बांग्लादेश से आने वाले पर्यटकों की संख्या सबसे अधिक है और उन्होंने चिकित्सा पर्यटन को गति दी है। बांग्लादेश के साथ रक्षा संबंध बहुत अच्छे रहे और यह एक प्रकार से दुश्मन को दोस्त में बदलने की कथा है। हालांकि, बांग्लादेश 'वार गेम्स' में भारत को शत्रु की तरह पेश करता था, पर इसके बावजूद भारत ने बांग्लादेश को रक्षा खरीद के लिए 500 बिलियन डालर की सहायता दी थी। लेकिन बांग्लादेश की सेना और एक समय जनरल जमां द्वारा नियंत्रित रक्षा खरीद में भारत सबसे निचले स्तर पर जबकि चीन सबसे ऊपर था। वहां विमान, पनडुब्बियां, टैंक, तोपखाना और अन्य उपकरण मुख्यतः चीनी हैं।

वर्तमान समय में बांग्लादेश छात्र नेताओं की महत्वाकांक्षाओं के कारण परेशानी में फंसा है जिनका क्रियान्वयन अंतरिम सरकार कर रही है। इस प्रकार भारत को ऐसे देश में चुनौतीपूर्ण स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है जिसे जन्म देने में उसने प्रमुख भूमिका अदा की थी। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों का स्वर्णिम काल वह था जब भारत के हितों को समुचित रूप से संबोधित किया जाता था। यही कारण है कि बांग्लादेश की नई सरकार शेख हसीना तथा अवामी लीग से जुड़े सभी लोगों पर निशाना लगा रही है।

वर्तमान परिस्थितियों में बांग्लादेश की सेना दोनों देशों के बीच संबंध सामान्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है और भारत इसकी उम्मीद भी कर सकता है। यदि बांग्लादेश अपने समक्ष आने वाली आर्थिक चुनौतियों का सामना करना चाहता है तो इसके लिए भी उसे भारत की सहायता अनिवार्य रूप से लेनी होगी। बांग्लादेश और भारत की भौगोलिक स्थिति तथा दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं की संरचना भी द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने में अपनी भूमिका अदा कर सकती है। ढाका को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि 2022 में भयानक आर्थिक संकट और दीवालियापन से नई दिल्ली ने कोलंबो को बाहर निकालने में किस प्रकार सहायता की थी। इस सत्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि केवल छात्रों का विरोध आंदोलन ही श्रीलंका की राजनीति बदलने में सक्षम नहीं था। बांग्लादेश के एकमात्र हिंदू पूर्व प्रधान न्यायाधीश सुरेन्द्र कुमार सिन्हा को हसीना ने हटा दिया था। सुरेन्द्र कुमार सिन्हा ने कहा है कि बांग्लादेश में पिछले कुछ दिनों में जो कुछ हुआ है वह पूरी तरह असंवैधानिक है। उन्होंने 'अंतरिम सरकार' द्वारा किए अनेक परिवर्तनों को भी रेखांकित किया है। क्रांति या सैनिक विद्रोह में संविधान को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। प्रशासन ने कहा है कि किसी चुनाव के पहले संविधान समीक्षा समेत संस्थागत सुधार किए जाएंगे। इस सबमें समय लगेगा। सत्ता परिवर्तन के इस शुरुआती समय में अनिश्चितता व्याप्त है। इससे भारत की नई भू-राजनीतिक चुनौतियां सामने आ रही हैं और अब उसे प्रासंगिक पक्षों से संबंध स्थापित करने होंगे। इन चुनौतियों में शेख हसीना व अवामी लीग से व्यवहार भी शामिल है।

फास्ट फैशन के निहितार्थ

"नैतिक रूप से तैयार टिकाऊ वस्त्र हमारे फैशन के केन्द्र में होने चाहिए।"

शाइनी शर्मा
(लेखिका शिक्षाविद हैं)

नवीनतम प्रवृत्तियों के आधार पर तेजी से सस्ते वस्त्रों के उत्पादन, यानी 'फास्ट फैशन' ने वैश्विक फैशन उद्योग को बदल दिया है। जारा, एचएंडएम व फारएवर 21 जैसे ब्रांडों ने यह आंदोलन शुरू किया है। इसका उद्देश्य बहुत तेज गति से सस्ते वस्त्र उपलब्ध कराना है। कुछ ही सप्ताह में नई डिजाइनों व स्टोर-रेडी वस्त्रों के कारण लेटेस्ट स्टाइलें बहुत से लोगों, खासकर युवा ग्राहकों तक पहुंच रही हैं। हालांकि, यह फैशन का लोकतांत्रीकरण है, पर इसके गंभीर पर्यावरणीय, सामाजिक व आर्थिक नतीजे सामने आते हैं।

'फास्ट फैशन' माडल तेजी से ग्राहकों से मिल कर सस्ते व ट्रेंडी वस्त्रों का प्रचार करते हैं। बिजनेस की यह रणनीति सक्षम सप्लाई श्रृंखलाओं पर निर्भर करती है जो तेजी से लोकप्रिय शैलियों की नकल करती हैं। इससे ग्राहक लगातार नए उत्पादों से जुड़े रहते हैं। इस दृष्टिकोण से सस्ते फैशन को आगे बढ़ाया हैजिसमें ग्राहकों को विभिन्न ट्रेंड से प्रयोग का अवसर मिलता है और इस पर ज्यादा खर्च भी नहीं करना पड़ता है। युवा ग्राहकों के लिए अक्सर फैशन आत्माभिव्यक्ति का माध्यम होता है। लेकिन खराब गुणवत्ता और कम जीवन होने के कारण ऐसे वस्त्र अति-उपभोग, बरबादी और पर्यावरणीय नुकसान को जन्म देते हैं।

'फास्ट फैशन' का सबसे बड़ा नुकसान पर्यावरण को होता है। इस उद्योग में ऊर्जा का भारी उपयोग होता है जो वस्त्र उत्पादन और उनके परिवहन के लिए फासिल ईंधनों पर निर्भर करती है। अनुमान है कि फैशन उद्योग विश्व स्तर पर 10 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन का जिम्मेदार है जो सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों तथा समुद्री शिपिंग को मिला कर भी उनसे अधिक है। इसका कारण बड़े पैमाने पर सिंथेटिक रेशों का प्रयोग है जो फासिल ईंधनों से बनते हैं।

इसके साथ ही उनके विनिर्माण व दुनिया भर में वितरण में भी ऊर्जा खर्च होती है। इसके साथ ही उत्पादन प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर पानी का प्रयोग होता है। यह खासकर काटन के मामले में सर्वाधिक है जो आमतौर से वस्त्रों में प्रयोग होता है। एक किलोग्राम रेशा बनाने में हजारों लीटर पानी खर्च होता है।

इसके साथ ही टेक्सटाइल रंगने और फिनिशिंग में प्रयोग भारी मात्रा में पानी प्रदूषण बढ़ाता है। 'फास्ट फैशन' का पर्यावरणीय फुटप्रिंट कार्बन उत्सर्जन और जल उपभोग से आगे जाता है। 'फास्ट फैशन' सप्लाई श्रृंखलाओं में काम करने वाले कामगार अक्सर खराब कार्यस्थितियों व कम वेतन का शिकार होते हैं। अनेक मामलों में उनके श्रम का दोहन पर्यावरणीय रूप से प्रदूषक गतिविधियों से जुड़ा रहता है।

निर्माता पर्यावरण को नुकसान की चिन्ता किए बिना नियमन कठोरता से लागू नहीं करते हैं। इस प्रकार 'फास्ट फैशन' के सामाजिक व पर्यावरणीय प्रभाव एक दूसरे से जुड़े हैं। इन सरोकारों के बावजूद 'फास्ट फैशन' सस्ता होने और लगातार नई शैलियों की चमक के कारण लोकप्रिय बना हुआ है। कम खर्च करने वाले अनेक ग्राहक अपनी खरीद के नैतिक व पर्यावरणीय प्रभावों से परिचित नहीं हैं। लेकिन टिकाऊ फैशन के पक्ष में भी आंदोलन खड़ा हो रहा है जो इन मुद्दों के प्रति बढ़ती जागरूकता से संचालित है। टिकाऊ फैशन मात्रा के बजाय गुणवत्ता पर जोर देता है, पर्यावरण-हितैषी सामग्रीव नैतिक उत्पादन व्यवहारों का प्रयोग करता है। कुछ ब्रांड 'सर्कुलर इकोनामी' सिद्धान्तों का पालन करते हुए रिसाइक्लिंग, अपसाइक्लिंग व मजबूत उत्पादों की डिजाइनिंग का काम करते हैं।

ग्राहकों को उनकी कपड़ों की पसंद के पर्यावरणीय प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए। सरकारों को टेक्सटाइल उत्पादन में कठोर नियमनों को लागू कर रिसाइक्लिंग पहलों पर जोर देना चाहिए। टिकाऊ व्यवहारों को प्रोत्साहन तथा पर्यावरण-हितैषी उत्पादों की मांग को बढ़ावा देने से उद्योग ज्यादा जिम्मेदार उत्पादन विधियों का प्रयोग करेगा। 'फास्ट फैशन' के बजाय टिकाऊ विकल्पों का प्रयोग उद्योग के पर्यावरणीय व सामाजिक नुकसान बचाने के लिए जरूरी है। संक्षेप में कहें तो 'फास्ट फैशन' ने ट्रेंड्स को ज्यादा पहुंच में लाने का काम किया है, पर इसके पर्यावरणीय व सामाजिक नुकसान बहुत अधिक हैं। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए समन्वित प्रयासों की जरूरत है जिनमें ग्राहकों, उद्योग प्रमुखों तथा नीति निर्माताओं की सहभागिता जरूरी है ताकि ज्यादा नैतिक व टिकाऊ फैशन व्यवहारों की ओर बढ़ा जा सके।

आप की बात

लैटरल एंट्री

लैटरल एंट्री का विज्ञापन देखते ही विपक्ष ने इसे तुरंत ही आरक्षण विरोध के रूप में लपक लिया और सरकार पर आरक्षण विरोधी होने का आरोप लगा दिया। लेकिन बड़े पेमाने पर विपक्ष को हलचल मचाने के पूर्व ही सरकार ने मोदी के निर्देश पर लैटरल एंट्री के विज्ञापन को वापस ले लिया और यूपीएससी को पत्र लिखकर लैटरल एंट्री से नियुक्तियां नहीं करने के निर्देश दिए। इससे लगता है कि सरकार फूंक फूंक कर कदम रख रही है और वह विपक्ष को बिना वजह उंगली उठाने का कोई मौका देना नहीं चाहती। हालांकि, केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने विपक्ष को आईना दिखाते हुए कहा कि 2014 से पहले भी लैटरल इंट्री में आरक्षण का कोई प्राविधान नहीं था। कहा जाता है कि स्वयं अर्थशास्त्री व प्रोफेसर मनमोहन सिंह लैटरल इंट्री से ही देश के वित्त सचिव बने थे। इसके अलावा उनके प्रधानमंत्री कार्यकाल में भी अनेक लोगों को इसी प्रकार निजी उद्यमों से सरकारी पदों पर आने का अवसर मिला था। मजेदार बात है कि जिन कामों की शुरुआत स्वयं कांग्रेस ने की थी, अब वही काम थोड़ा तेजी से करने पर वह मोदी सरकार की आलोचना कर रही है। वैसे कांग्रेस या विपक्ष की किसी पार्टी ने एक अवधारणा के रूप में लैटरल इंट्री का विरोध नहीं किया है, जबकि वास्तव में यह अनैतिक एवं अनुचित है।

– **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

अमेरिकी चुनाव

अमेरिकी चुनाव में सिर्फ अब ढाई महीने का समय बचा है। डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन के लिए इस हफ्ते शिकागो में हज़ारों लोग जमा हुए हैं। राष्ट्रपति चुनाव से पहले हर चार साल में होने वाला यह कन्वेंशन पिछले सम्मेलनों से थोड़ा अलग है। कमला हैरिस के मैदान में आने से ट्रम्प की तमाम तैयारियां धरी की धरी रह गयीं हैं। ट्रम्प पर हुए कातिलाना हमले के बावजूद उनकी लोकप्रियता में उनके कोई वृद्धि नहीं हुई है। इसीलिए ट्रम्प ने कमला पर निजी और नस्ली हमला करना शुरू कर दिया है। मगर कमला अपनी भविष्य की आर्थिक नीतियों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। उन्होंने कॉर्पोरेट कर दर को 21 से बढाकर 28 करने की इच्छा जाहिर की है। इसके साथ ही वे किफायती आवास तक पहुँच के विस्तार, परिवारों के लिए कर छूट में वृद्धि और लोगों के लिए स्वास्थ्य देखभाल कवरेज सुनिश्चित करने की बात कर रही हैं। इसके विपरीत ट्रम्प ने कॉर्पोरेट टैक्स 21 से घटाकर 15 फीसद करने की बात की है। इस प्रकार कमला हैरिस ने मध्यवर्ग एवं निम्न मध्यवर्ग का पक्ष लिया है, जबकि ट्रम्प ने अमीर लोगों को फायदा पहुंचाने की बात कही है। देखें अमेरिकी मतदाता किसे तरजीह देता है।

– **जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

यूनुस सरकार की माफी

बांग्लादेश में हिंदू-विरोधी हिंसा पर मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने हिंदुओं से माफी मांगी है। उनकी सरकार में गृह मंत्रालय के सलाहकार पूर्व ब्रिगेडियर जनरल एमएस हुसैन ने माना है कि हम अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय की सुरक्षा करने में असफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं हाथ जोड़कर इसके लिए अपने अल्पसंख्यक भाइयों से दिल से माफी मांगता हूं। अल्पसंख्यक भाइयों की सुरक्षा करना देश के बहुसंख्यक समुदाय का बड़ा फर्ज एवं कर्तव्य है एवं अगर हम ऐसा नहीं कर पाते हैं तो हमें इसका विश्व भर में सभी को जवाब देना होगा। उन्होंने कहा यह हमारे धर्म का भी हिस्सा है कि हम अपने अल्पसंख्यक भाइयों की रक्षा करें। यही कारण है कि मैं इसके लिए अपनी और से हाथ जोड़कर अल्पसंख्यक हिन्दू समुदाय से माफी मांगता हूं। मेरा आग्रह है कि यह बहुसंख्यक आबादी का फर्ज है कि वह अपने अल्पसंख्यक भाइयों की रक्षा एवं सुरक्षा करें क्योंकि आखिर में वे भी तो इसी बंग्लादेश की धरती पर ही जन्मे है तथा हम सब एक साथ.साथ ही यहां बड़े हुए हैं। यूनुस सरकार के गृह मंत्री का यह माफी मांगना निश्चित रूप से स्वागत योग्य है, लेकिन अभी बांग्लादेश में स्थिति सामान्य नहीं हुई है तथा हिंदू व अल्पसंख्यक भय के साये में जीने को मजबूर हैं।

– **मनमोहन राजावत,** शाजापुर

फिल्म उद्योग में महिलायें

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं की स्थिति को जाहिर करने वाली जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट आखिर सार्वजनिक हो गई। रिपोर्ट में दी गई बातें हैरान करती हैं। पहले तो राज्य सरकार द्वारा इस रिपोर्ट को 5 वर्ष तक दबा कर रखा गया और अंततः आरटीआई के जरिए भी इसे बाहर लाने में लंबी जद्दोजहद करनी पड़ी। आखिर ऐसी गंभीर रिपोर्टों को सरकारें दबाकर क्यों रख लेती हैं? केवल मलयालम ही नहीं मुंबई व अन्य स्थानों की फिल्म इंडस्ट्रीज के हालत भी इतने ही या इससे भी बदतर हैं। दौलत और शोहरत की चकाचौंध में युवतियां अपना सब कुछ दांव पर लगाकर फिल्म इंडस्ट्रीज में घुसना चाहती है। इस उद्योग में शोषण तो सबका होता है, मगर काम केवल चुनिंदा युवतियों को ही मिलता है। इंडस्ट्री में स्थापित होने के बाद भी कई रूपों में उनका शोषण जारी रहता है। फिल्म उद्योग में महिलाओं का हर प्रकार का शोषण कोई नई बात नहीं है। इसमें अनेक अभिनेता, निर्देशक और निर्माताओं के साथ कभी-कभी राजनेता भी शामिल होते हैं। इस स्थिति को समाप्त करने के लिए एक व्यापक संघर्ष की जरूरत है।

–**सुभाष बुडावन वाला,** रतलाम

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

निवेशकों के पूंजी की सुरक्षा की गारंटी प्रदेश सरकार की: योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में 20 लाख टन उत्पादन क्षमता के सीमेंट प्लांट का वर्चुअल माध्यम से किया लोकार्पण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/प्रयागराज

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में किया गया निवेश पूर्णत: सुरक्षित और व्यवसाय के लिए लाभकारी है। निवेशकों के पूंजी की सुरक्षा की गारंटी प्रदेश सरकार की है। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था नहीं बल्कि दुर्व्यवस्था थी। हर तीसरे दिन दंगा होता था। व्यापारियों को धमकियां दी जाती थी। बिजनेसमैन को प्रताड़ित किया जाता था। एक-एक फाइल के लिए उन्हें कई-कई बार चक्कर लगाने पड़ते थे। हमने रिस्क लिया और रिफॉर्म किया। पॉलिसी बनाई और उसे मजबूती के साथ लागू किया। यही वजह है आज उत्तर प्रदेश ईज ऑफ डुइंग बिजनेस में अचीवर स्टेट बनकर उभरा है।

सीएम योगी ने बुधवार को प्रयागराज में 20 लाख टन उत्पादन क्षमता के सीमेंट प्लांट का वर्चुअल माध्यम से लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जेके सीमेंट उत्तर प्रदेश का औद्योगिक समूह है। कतिपय कारणों से उत्तर प्रदेश पर से इनका विश्वास कम हो गया था और यह समूह प्रदेश छोड़ने को मजबूर हो गया। धीरे-धीरे इस समूह ने उत्तर प्रदेश से अपने निवेश को समेट कर अन्य राज्यों में करना शुरु कर दिया था। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास के अभियान के क्रम में संगम नगरी में जेके सीमेंट के द्वारा यह संयत्र स्थापित किया जा रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि 2017 में प्रदेश में डबल इंजन सरकार बनने के बाद इस समूह को पहले तीन वर्ष यह समझने में लग गए कि सरकार की कथनी और करनी में कोई सच्चाई है कि नहीं? उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की कथनी और करनी के जब परिणाम सामने आए तो देखते ही देखते जेके समूह ने 1200 करोड़ के निवेश के साथ प्रदेश में तीन प्लांट 2020 में अलीगढ़, 2022 में हमीरपुर और 2024 में प्रयागराज में स्थापित कर दिया है, या करने जा रहा है। सीएम योगी ने कहा कि आज यूपी में रेलवे, एक्सप्रेसवे और हाइवे का बेहतरीन नेटवर्क है। इससे यहां के उत्पाद दूसरे राज्यों में आसानी से भेजे जा सकते हैं। सीएम योगी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश निवेश के मामले में देश में ड्रीम डेस्टिनेशन बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि जेके सीमेंट का यह निवेश यूपी के सपने को पंख देगा। यह निवेश हमारे लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि आज उत्तर प्रदेश के किसी औद्योगिक समूह को अपने प्रदेश से पलायन करने को मजबूर नहीं होना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि पिछले सात वर्ष के में उत्तर प्रदेश में निवेश अनुकूल माहौल बना है। यही वजह है कि 2016 में जो उत्तर प्रदेश ईज ऑफ डुइंग बिजनेस में 14वें स्थान पर हुआ करता था आज देश में दूसरे स्थान पर है। सीएम योगी ने कहा कि निवेश के लिए इन्वेस्टर समिट कैसे होता है यह भी उत्तर प्रदेश ने जीआईएस-2023 के माध्यम से देश को दिखा दिया। उस समिट के माध्यम से 40 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव प्रदेश को प्राप्त हुए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी वर्ष फरवरी में 10 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के प्रस्ताव का ग्राउंड ब्रेकिंग किया। यही नहीं वर्तमान समय में बहुत सारी इकाइयों ने उत्पादन भी प्रारंभ कर दिया है। इससे लाखों नौजवानों के लिए नौकरी की संभावना बनी है।

कार्यक्रम में औद्योगिक विकास मंत्री नंद कुमार गुप्ता नंदी औद्योगिक विकास के राज्य मंत्री जसवंत सिंह सैनी, प्रदेश के मुख्य सचिव एवं औद्योगिक विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह, औद्योगिक विकास विभाग के प्रमुख सचिव अनिल सागर, जेके सीमेंट के वाइस प्रेसीडेंट निधिपति सिंघानिया, मैनेजिंग डायरेक्टर रघवपति सिंघानिया, डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ माधव कृष्ण सिंघानिया, असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट अरुण शर्मा, प्रयागराज से विधायक वाचस्पति, विनोद प्रजापति और अनुज खंडेवाल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सीएम योगी से मिले ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के कृषि सेक्टर को बेहतर बनाने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों में ऑस्ट्रेलिया ने सहायक बनने की इच्छा जताई है। बुधवार को लखनऊ आये ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन ने ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्यमंत्री से भेंट की और कृषि व सहायक सेक्टर में निवेश पर चर्चा की।

दूसरी बार उत्तर प्रदेश आने पर प्रसन्नता प्रकट करते हुए उच्चायुक्त फिलिप ने मुख्यमंत्री से कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंधों का समृद्ध इतिहास है। उत्तर प्रदेश इन संबधों को और मजबूत बनाने में बड़ी भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में बहुत संभावनाएं हैं और ऑस्ट्रेलियाई कंपनियां इन सम्भावनाओं को विस्तार देने को उत्साहित हैं। यहां के कृषि, खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर को मजबूत करने में ऑस्ट्रेलिया अच्छा सहयोगी बनना चाहता है। उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन ने प्रतिनिधिमंडल में शामिल कंपनियों के प्रतिनिधियों और उनकी विशेषज्ञता से भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया। इससे पहले, ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल के लखनऊ आगमन पर अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में सबसे बड़ी आबादी का यह प्रदेश, भारत के फ़ूड बास्केट के रूप में विशिष्ट पहचान रखता है। हमारे पास देश की कुल कृषि भूमि का 12फीसद हिस्सा है, लेकिन देश की खाद्यान्न जरूरतों का 20त्न उत्तर प्रदेश में ही पैदा होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 85त्न कृषि भूमि सिंचित है और इसे आगे विस्तार दिया जा रहा है। उन्होंने प्रदेश में स्थापित कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों और किसान उत्पादन संगठनों के बारे में भी जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश का किसान परिश्रमी है और नावचारों को अपनाने वाला है, ऐसे में यदि ऑस्ट्रेलिया की कृषि तकनीकी हमारे किसानों को मिलेगी तो निश्चित ही प्रदेश में कृषि, उद्यान, डेयरी और खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर को बड़ा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के डेयरी सेक्टर को और बेहतर बनाने में ऑस्ट्रेलिया अच्छा सहयोगी बन सकता है। उत्तर प्रदेश एक जिला-एक डेयरी के एक बड़े कार्यक्रम की आगे बढ़ाने वाला है, इसमें ऑस्ट्रेलिया से तकनीकी सहयोग मिलना उत्साहवर्धक होगा। विभिन्न ऑस्ट्रेलियाई शैक्षिक संस्थानों के प्रतिनिधियों से वार्ता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़ी संख्या में उत्तर प्रदेश के युवा उच्च शिक्षा के लिए ऑस्ट्रेलिया जाते हैं। यह उचित होगा ऑस्ट्रेलिया के विश्वविद्यालय, यूपी के शैक्षिक संस्थानों के साथ शोध, अनुसंधान करने और तकनीकी ज्ञान के हस्तांतरण हेतु एमओयू करते हुए आगे बढ़े। साथ ही, आस्ट्रेलिया के विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदेश में अपने परिसर स्थापित करने पर भी विचार किया जाना चाहिए। ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त के साथ वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट की चर्चा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में आज जल, थल और नभ की बेहतरीन कनेक्टिविटी है। निवेश अनुकूल 27 इंडस्ट्रियल सेक्टोरल पॉलिसी हर सेक्टर के निवेशकों की जरूरतों को पूरा करने वाला है। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश की एफडीआई और फार्च्यून 500 कंपनियों के लिए घोषित नीति को ऑस्ट्रेलियाई निवेशकों के लिए उपयोगी बताया। ऑस्ट्रेलियाई दल के साथ वार्ता के अवसर पर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, कृषि उत्पादन आयुक्त मोनिका गर्ग सहित अनेक अधिकारियों की उपस्थिति रही। उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन के साथ मुख्यमंत्री से भेंट करने वाले प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ व्यापार और निवेश आयुक्त, जॉन साउथवेल, कृषि सलाहकार किरण करामिल, द्वितीय सचिव टॉम ओवरटान, व्यापार और निवेश निदेशक आशा सुंदरमूर्ति, ऑसन लैब के भारत निदेशक संदीप जायसवाल, ग्रेनकॉर्प के निवेश प्रबंधक, जॉर्डन जेफरी, पश्चिमी सिडनी विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय रणनीति प्रमुख, निशा राकेश, तस्मानिया विश्वविद्यालय से मिसेल रोज सहित ऑस्ट्रेलियाई कंपनियों और शैक्षिक संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल थे।

योगी सरकार प्रदेश के 5 मंडलों को जल्द दे सकती है नए रिंग रोड की सौगात

● अलीगढ़, देवीपाटन, झांसी, मीरजापुर और सहारनपुर मंडल में रिंग रोड बनाने की तैयारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में बेहतर कनेक्टिविटी के जरिए विकास का मार्ग प्रशस्त करने में जुटी योगी सरकार जल्द ही यूपी के पांच मंडलों को नये रिंग रोड और बायपास देने की तैयारी में जुट गई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर इस संबंध में राज्य सरकार की ओर से प्रस्ताव दिया है। बता दें कि अभी प्रदेश के 18 मंडलों में से 12 में नये रिंग रोड बनाने का कार्य चल रहा है, जबकि लखनऊ मंडल में यह बनकर तैयार भी हो चुका है। इसके अलावा 5 बचे हुए मंडलों में रिंग रोड बनाने के लिए राज्य सरकार ने केंद्र को प्रस्ताव भेजा है। केंद्र से हरी झंडी मिलते ही प्रदेश के सभी मंडलों में रिंग रोड का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा।

वर्तमान में गोरखपुर और कानपुर मंडल में रिंग रोड का कार्य प्रगति पर है। इसके अलावा आगरा, चित्रकूट, मेरठ, प्रयागराज, वाराणसी में रिंग रोड के कुछ हिस्सों का कार्य पूरा हो चुका है और नये फेज़ पर कार्य चल रहा है। इसी प्रकार बस्ती मंडल में रिंग रोड के कार्य को मंजूरी मिल चुकी है। वहीं अयोध्या मंडल के रिंग रोड को कैबिनेट से हरी झंडी मिल चुकी है। इसके अलावा बरेली मंडल में रिंग रोड के लिए डीपीआर का कार्य हो चुका है, जबकि आजमगढ़ और मुरादाबाद मंडल में रिंग रोड के उत्तरी पार्ट का कार्य चल रहा है। इस प्रकार प्रदेश के 12 मंडलों में रिंग रोड को लेकर कार्य तेज गति से आगे बढ़ रहा है, जबकि लखनऊ मंडल को रिंग रोड की सुविधा पहले ही मिल चुकी है।

हर भारतवासी के मन में है सेना के प्रति सम्मान व स्नेह का भाव: योगी

● मुख्यमंत्री ने बुद्धेश्वर चौराहा पर शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह (कीर्तिचक्र) की मूर्ति का किया अनावरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय सेना के जांबाज नायक कैप्टन अंशुमान सिंह 19 जुलाई 2023 को सियाचिन में अपने सहयोगियों को बचाते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे। कोई भी देश अपनी स्वाधीनता की रक्षा तभी कर सकता है, जब वह अतीत का स्मरण करते हुए अपने गौरवशाली क्षणों से प्रेरणा ग्रहण करता है। देश की आजादी के बाद हमारे बहादुर जवानों ने प्राणों की बाजी लगाते हुए भारत की सुरक्षा को सुनिश्चित किया, इसीलिए हर भारतवासी के मन में सेना के जवानों के प्रति अपार सम्मान व स्नेह का भाव छिपा होता है। यह स्नेह व सम्मान का भाव सैनिकों व उनके परिजनों के उत्साह को कई गुना बढ़ाता है। उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने बुधवार को बुद्धेश्वर चौराहा पर शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह (कीर्तिचक्र) की मूर्ति का अनावरण किया। नगर निगम ने बुद्धेश्वर चौराहे को कैप्टन अंशुमान सिंह की स्मृति को समर्पित करते हुए उनकी प्रतिमा स्थापित की है।

सैनिकों का सम्मान सीमाओं की सुरक्षा को सुदृढ़ करता है, सीएम योगी ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हम सभी को पंच प्रण का संकल्प दिलाया था। उसमें एक संकल्प सैनिकों के सम्मान का भी है। यदि हम अपने सैनिक का सम्मान करते हैं तो सीमाओं की सुरक्षा व आंतरिक सुरक्षा की स्थिति को सुदृढ़ करते हैं। यह भाव सबके मन में आना चाहिए।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2017 में भाजपा सरकार बनने के बाद सुनिश्चित किया गया कि देश की सीमा व आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ करते हुए या कानून व्यवस्था को बनाए रखने में अपना योगदान देने वाले तथा सेना, अर्धसेना या पुलिस के जवान यदि कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए वीरगति को प्राप्त होते हैं तो यूपी सरकार अपनी ओर से 50 लाख रुपये की सहायता और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देगी। उनकी स्मृति को जीवंत बनाए रखने के लिए शहीद की प्रतिमा स्थापना, उनके नाम पर संस्था या मार्ग का नामकरण किया जाएगा। हमारी सरकार 2017 से लगातार इसे आगे भी बढ़ा रही है।

सीएम ने कहा कि नगर निगम को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी तरफ से डॉ. अंशुमान सिंह की प्रतिमा की स्थापना की गई है। अंशुमान सिंह का गोरखपुर कमिश्नरी के देवरिया में जन्म हुआ था। भारतीय सेना व भारत की सुरक्षा के प्रति उदग्र भाव ने उन्हें सेना की तरफ आकर्षित किया।

शिक्षक भर्ती मामले में भाजपा सरकार ने की नाइंसाफी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि 69000 शिक्षक भर्ती मामले में भाजपा सरकार की नाइंसाफ़ी की एक और आर्थिक, सामाजिक, मानसिक मार, परंतु एकता की शक्ति के आगे हार।

अखिलेश यादव ने कहा कि 69000 शिक्षक भर्ती कोर्ट से निरस्त होते ही बांदा डिस्ट्रिक्ट कॉपरेटिव बैंक ने भर्ती हुए शिक्षकों से, बैंक से लिए गए किसी भी प्रकार के ऋण की वसूली का फ़रमान जारी करा और आगे भी किसी भी प्रकार के लोन का रास्ता बंद करने की साज़िश रची परंतु युवाओं के आक्रोश के आगे ये फ़रमान एक दिन भी टिक नहीं पाया और भाजपा सरकार को इसे भी रद्द करने का आदेश निकालना पड़ गया लेकिन याद रहे उप्र की भाजपा सरकार ये काम मन से नहीं दबाव से कर रही है, इसीलिए इस आदेश को पूरी तरह रद्द नहीं बल्कि कुछ समय के लिए स्थगित मानकर इसका भरपूर विरोध जारी रखना चाहिए। वैसे तात्कालिक रूप से ये युवा विरोधी भाजपा के विरूद्ध युवा-शक्ति की एकता की जीत है।

उन्होंने कहा कि जिन भर्ती हुए शिक्षकों ने अपने घर-परिवार और बाक़ी सामान के लिए नौकरी की निरंतरता की उम्मीद पर कुछ लोन लिया था तो क्या अब ये सरकार उनके घरों और सामानों को क़ब्ज़े में लेने की साज़िश कर रही है। ये निहायत शर्मनाक कृत्य है कि भाजपा परिवारों को दुख-दर्द देकर सत्ता की धौंस दिखाना चाहती है। अखिलेश यादव ने कहा कि शिक्षक भर्ती में उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार की बदनीयत की जिस तरह फ़ज़ीहत हुई है, शायद उसका बदला वो अभ्यर्थियों से लेना चाहती थी। तभी ऐसे फ़रमान निकलवा रही है। इससे पहले से ही नौकरी खोने के डर से डरे हुए शिक्षकों पर अत्यधिक मानसिक दबाव बढ़ेगा। जब इन लोन की वसूली के लिए बैंक उनके घरों पर जाएगा तो उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को भी ठेस पहुँचेगी। इसके दूरगामी नकारात्मक परिणाम निकलेंगे क्योंकि आर्थिक-सामाजिक-मानसिक रूप से प्रभावित शिक्षक का असर शिक्षण पर भी पड़ेगा, जिससे प्रदेश के बच्चों की शिक्षा और उनका भविष्य भी प्रभावित होगा।

इसका एक गहरा आघात भर्ती हुए उन शिक्षकों के जीवन पर भी पड़ेगा, जिन्होंने विवाह करके अपना नया-नया वैवाहिक जीवन शुरू किया था और अपने परिवार को पालन-पोषण इसी नौकरी के आधार पर कर रहे थे। वैवाहिक जीवन की ज़िम्मेदारी सिर्फ़ परिवार वाले ही जानते हैं। यादव ने कहा कि जनता और परिवार वालों को दुख देकर न जाने भाजपा को क्या सुख मिलता है।

सपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने भारत बंद में बढ़चढ़कर लिया हिस्सा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्र अखिलेश यादव ने कहा कि आरक्षण की रक्षा के लिए जन-आंदोलन एक सकारात्मक प्रयास है। ये शोषित-वंचित के बीच चेतना का नया संचार करेगा और आरक्षण से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ के ख़िलाफ़ जन शक्ति का एक कवच साबित होगा। शांतिपूर्ण आंदोलन लोकतांत्रिक अधिकार होता है। बाबा साहब डॉ० भीमराव अंबेडकर ने पहले ही आगाह किया था कि संविधान तभी कारगर साबित होगा जब उसको लागू करने वालों की मंशा सही होगी।

सत्तासीन सरकारें ही जब धोखाधड़ी, घपलों-घोटालों से संविधान और संविधान द्वारा दिये गये अधिकारों के साथ खिलवाड़ करेंगी तो जनता को सड़कों पर उतरना ही होगा। जन-आंदोलन बेलगाम सरकार पर लगाम लगाते हैं। आरक्षण को लेकर भारत बंद में आज प्रदेश के सभी जिलों में समाजवादी पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं समर्थकों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। समाजवादी पार्टी ने विभिन्न संगठनों द्वारा आयोजित भारत बंद के कार्यक्रम में शामिल होकर सक्रिय भूमिका निभायी। भारत बंद पूरी तरह से सफल रहा। इस एकजुटता ने साबित कर दिया कि संविधान और आरक्षण के साथ छेड़छाड़ की कोई साजिश बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

पीपीपी माडल पर निर्मित होने वाले बस स्टेशनों को तय समय पर पूर्ण कराने के दिये निर्देश

लखनऊ। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह की अध्यक्षता में पीपीपी माडल पर निर्मित होने वाले बस स्टेशनों को तय समय पर पूर्ण कराये जाने के दृष्टिगत आज परिवहन निगम के सभागार कक्ष में उच्चस्तरीय बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संबंधित विकास प्राधिकरणों के उपाध्यक्षों के साथ विकासकर्ताओं को सम्मिलित करते हुए बस स्टेशन परियोजना के निर्माण कार्य को तीव्र गति से कराये जाने के निर्देश परिवहन मंत्री ने दिये। परिवहन मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को इन बस स्टेशनों को आधुनिक बस टर्मिनल के रूप में दो वर्ष की निर्धारित अवधि में तैयार करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि विकासकर्ताओं से उनकी कठिनाइयों के बारे में जानकारी लेते हुए उसका निराकरण करायें, जिससे कि तय समय में लोगों को उच्चस्तरीय गुणवत्ता वाले बस स्टेशन की सुविधा मुहैया कराई जा सके।

आप सांसद संजय सिंह को मिली राहत

● सुल्तानपुर की अदालत में हाजिर होने से आज तक के लिए छूट

विधि संवाददाता। लखनऊ

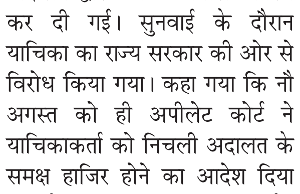

वर्ष 2001 में सुल्तानपुर जिले में सड़क जाम कर धरना प्रदर्शन करने के एक मामले में हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने आम आदमी पार्टी के राज्य सभा सांसद संजय सिंह को गुरूवार तक के लिए स्थानीय अदालत में हाजिर होने से छूट प्रदान की है। पीठ गुरूवार को ही उनकी पुनरीक्षण याचिका व जमानत अर्जी पर सुनवाई करेगी। जस्टिस करुणेश सिंह पवार की एकल पीठ ने यह आदेश संजय सिंह की पुनरीक्षण याचिका पर दिया है। इस याचिका पर वरिष्ठ वकील सतीश चन्द्र मिश्र ने बहस की। उनका कहना था कि वर्ष 2001 के इस मामले में दोषसिद्ध करार देते हुए निचली अदालत ने संजय सिंह को तीन माह की सजा सुनाई थी। उन्होंने इस फैसले के विरुद्ध अपील दाखिल की। सत्र अदालत द्वारा उनकी अपील खारिज कर दी गई। सुनवाई के दौरान याचिका का राज्य सरकार की ओर से विरोध किया गया। कहा गया कि नौ अगस्त को ही अपीलेट कोर्ट ने याचिकाकर्ता को निचली अदालत के समक्ष हाजिर होने का आदेश दिया था। लेकिन बिना वहां आत्म समर्पण किए उसने यह याचिका दाखिल की है, जो पोषणीय नहीं है। इस पर संजय सिंह की ओर से कहा गया कि वह वक्फ संशोधन बिल के सम्बन्ध में बनाई गई संयुक्त संसदीय समिति के सदस्य हैं। जिसकी 22 अगस्त को बैठक होनी है। इसलिए उनकी ओर से हाजिरी से छूट का प्रार्थना पत्र भी दाखिल किया गया है। पीठ ने इस पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक मामले में दिए गए फैसले के तहत याचिकाकर्ता को गुरूवार तक के लिए हाजिर होने से छूट प्रदान कर दी।

योगी सरकार का फूलप्रूफ प्लान तैयार, परिंदा भी नहीं मार सकेगा पर

पुलिस भर्ती परीक्षा

सुरक्षा के कड़े प्रबंध सुनिश्चित किये गये है: प्रशांत कुमार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार द्वारा प्रदेश के इतिहास की सबसे बड़ी पुलिस भर्ती परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए अभेद्य प्लान तैयार किया गया है। योगी सरकार की ओर से तैयार फूलप्रूफ प्लान पर कोई पंरिदा भी पर नहीं मार सकता। इसके लिए योगी सरकार की ओर से जहां भरपूर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर चप्पे-चप्पे पर पुलिस फोर्स तैनात की जा रही है। सीएम योगी के निर्देश पर इस बार परीक्षा केंद्रों के रास्तों पर भी सीसीटीवी से नजर रखी जाएगी। साथ ही चिन्हित हॉटस्पॉट्स की ड्रोन कैमरों से चेकिंग की जाएगी। इसके अलावा एसटीएफ, लोकल पुलिस, क्राइम ब्रांच समेत कई एजेंसियां परीक्षा केंद्रों के आस-पास सक्रिय रहेंगी। मालूम हो कि 23 अगस्त से प्रदेश के 67 जिलों में पुलिस आरक्षी के 60,244 पदों पर चयन के लिए लिखित परीक्षा होने जा रही है।

डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर एक उच्च स्तरीय बैठक की थी, जिसमें उन्होंने परीक्षा की तैयारियों को लेकर बारीकी से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये थे कि परीक्षा को लेकर कोई गड़बड़ी न हो इसके लिए हर एक छोटे-छोटे पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। ऐसे में सीएम योगी की मंशा के अनुरूप परीक्षा को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। इसके तहत अपर पुलिस महानिदेशक एसटीएफ, यातायात, रेलवे, डायल-112 के साथ सभी जोन के एडीजी, पुलिस कमिश्नर, आईजी, डीआईजी, एसएसपी और एसपी को अपने-अपने जिलों में अलर्ट रहने के निर्देश दिये गये हैं। इस बार परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए परीक्षा केन्द्रों के रास्तों पर सीसीटीवी कैमरों से विशेष नजर रखी जाएगी। इसके साथ ही अति संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त नये सीसीटीवी लगाए जा रहे हैं। वहीं चिन्हित हॉटस्पॉट्स पर ड्रोन कैमरों से चेकिंग की व्यवस्था की गई है। डीजीपी ने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध सुनिश्चित किये गये हैं। इसके लिए परीक्षा केंद्र पर एसपी, एएसपी और सीओ को पर्यवेक्षक बनाया गया है। इसके अलावा परीक्षा केंद्रों के अंदर एक सुरक्षा अधिकारी भी तैनात रहेगा। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की ओर से परीक्षा केंद्रों का बारीकी से भ्रमण किया जा रहा है। इस दौरान छोटी सी छोटी कमियों को दूर किया जा रहा है। वहीं परीक्षा केंद्रों पर भीड़ और अभ्यर्थियों की संख्या को देखते हुए पुलिस फोर्स को तैनात किया जाएगा। इसके अलावा शिक्षा विभाग, परीक्षा केन्द्रों के प्रबंधकों तथा संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए सतर्कता के लिए आपातकाल प्लान के तहत कार्रवाई की योजना बनायी गयी है। इस बार परीक्षा के दो दिन पहले से लेकर परीक्षा खत्म होने के बाद अभ्यर्थियों व अभिभावकों के उनके गृह जनपद में पहुंचने तक की स्थिति का आंकलन किया जा रहा है ताकि उसके अनुसार पुलिस बल का प्रबंध किया जा सके। परीक्षा केन्द्रों, रेलवे, मेट्रो स्टेशन, बस, टैक्सी स्टैंड, होटल, रेस्टोरेन्ट पर भीड़ को कंट्रोल करने के लिए भी पूरी व्यवस्था की गयी है। इसके लिए वहां के संचालकों, प्रबंधकों व अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साथ मिलकर प्लान बनाया गया है। इन सभी के सहयोग से पल-पल की निगरानी की जाएगी। इसके अलावा परीक्षा केंद्रों पर राजपत्रित अधिकारियों एवं मजिस्ट्रेट की ड्यूटी अनिवार्य रूप से लगायी गयी है। पुलिस भर्ती परीक्षा के लिए 67 जिलों के जिन थाना क्षेत्रों में परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं, वहां यूपी-112 पीआरवी के वाहनों के चार्ट में परीक्षा केन्द्र के आस-पास के महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील स्थानों को भी चिन्हित किया गया है। इन स्थानों पर लगातार पीआरवी की मूवमेंट रहेगी ताकि असामाजिक तत्वों का चिन्हीकरण करते हुए अभिसूचना विभाग, एसटीएफ तथा जनपदीय पुलिस द्वारा परस्पर उच्च स्तरीय समन्वय स्थापित कर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाये। इतना ही नहीं परीक्षा केन्द्रों के आस-पास ध्वनि विस्तारक यन्त्रों का प्रयोग तथा परीक्षा परिसर में मोबाइल, आईटी गैजेट्स एवं अन्य आपत्तिजनक सामग्री ले जाने के संबंध में दिये गये गाइड लाइन का पूर्णत: पालन सुनिश्चित कराया जाएगा। वहीं परीक्षा केन्द्रों के प्रवेश स्थलों पर अभ्यर्थियों की तलाशी में सहयोग के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस कर्मी (महिला / पुरुष कर्मी) तैनात किये जाएंगे। इसके अलावा परीक्षा केन्द्रों के आस-पास स्थित फोटो कॉपी मशीन की दुकानों, साइबर कैफे, मोटरसाइकिल स्टैंड आदि के आस-पास प्रभावी चेकिंग की जाएगी। प्रश्नपत्रों को परीक्षा केन्द्रों तक पहुंचाने एवं उत्तर पुस्तिकाओं को कोषागार तक पहुंचाने के लिए जनपदीय पुलिस नोडल अधिकारी और आब्जर्वर की निगरानी में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है। वहीं परीक्षा में प्रदेश के बाहर के अभ्यर्थी भी शामिल होंगे। ऐसे में रेलवे, राज्य सड़क परिवहन निगम के अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए सर्तक रहने के निर्देश दिये गये हैं। इतना ही नहीं जिन जनपदों में परीक्षा केन्द्र नहीं बनाये गये हैं, वहां भी विशेष सतर्कता रखते हुए यातायात व अन्य आवश्यक कार्यवाही समयान्तर्गत सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं।

डीएम ने अफसरों संग परिषदीय विद्यालयों का किया औचक निरीक्षण

- बच्चों से पढ़वाई किताब परखी शैक्षिक गुणवत्ता
- मुख्य मार्ग से दूरस्थ, पीएस तेंदुआ पहुंची डीएम प्रधानाध्यापिका पर हुई खफा, मांगा स्पष्टीकरण

लखीमपुर खीरी। बुधवार सुबह डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने अफसरों की टीम संग ब्लॉक फूलबेहड़ अंतर्गत संविलियन विद्यालय ओदरहना, पीएस तेंदुआ का औचक निरीक्षण कर पठन.पाठन की गुणवत्ता, साफसफाईए छात्र.छात्राओंए शिक्षकों की उपस्थिति व अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान मुख्य रूप से डीपीआरओ विशाल सिंह, बीएसए प्रवीण तिवारी मौजूद रहे। सर्वप्रथम डीएम सुबह 08.35 बजे विकास क्षेत्र फूलबेहड़ के ग्राम ओदरहना पहुंची, कक्षा सात में ब्लैकबोर्ड पर फूल बना देखाए पूछने पर पता चला कि छात्रा आफरीन यह फूल बनाया है। इसपर उन्होंने आफरीन के सिर पर हाथ फेरकर दुलारा और प्रशंसा करते हुए आशीर्वाद दिया। शिक्षिका सुषमा अवस्थी द्वारा बच्चों को पढ़ाया जा रहा था। डीएम ने पुस्तक उठाई। पेज सं. 15 खोला और बच्चों से पढ़वाकर रीडिंग स्किल चेक की। क्लास 6 में शिक्षिका रुपिंदर कौर पढ़ाती मिली। क्लास में फर्नीचर कम होने का कारण जाना। शिक्षक ने बताया कि फर्नीचर टूट गया है। बीएसए ने अवगत कराया कि फर्नीचर की 05 साल की वारंटी है। डीएम ने निर्देश दिए कि जिन विद्यालयों में फर्नीचर क्षतिग्रस्त हो गए हैं उनकी मरम्मत कराई जाए।

निरीक्षण के दौरान सफाई कर्मियों की टीम सफाई करते मिली। डीएम के पूछने पर डीपीआरओ ने बताया कि रोस्टर के मुताबिक आज इस गांवए विद्यालय में साफ सफाई कराई जा रही है। विद्यालय बाउंड्रीवॉल बनवाने के संबंध में

एडीओ को निर्देश दिए। डीएम ने बीएसए को निर्देशित किया कि बीटीएफ और डीटीएफ सदस्य परिषदीय विद्यालयों के निरीक्षण के दौरान कागजी घोड़े दौड़ने के बजाय स्कूलों की व्यवस्थाओं को दुरुस्त कराने पर फोकस करे।

अनोखे अंदाज में पढ़ाती मिली निहारिका, डीएम ने की सराहना

निरीक्षण के दौरान कक्षा चार में सहायक अध्यापिका निहारिका अनोखी अंदाज में पढ़ाती मिली। चंदा के गांव मेंए बादलों की छांव में बच्चे एक्टिविटी करते मिले। शिक्षिका की कक्षा के छात्र उनके अनोखे शिक्षण के तरीके को काफी एंजॉय कर रहे हैं। डीएम ने निहारिका के इस प्रयास की सराहा, अन्य शिक्षकों को भी उनसे प्रेरणा लेने की बात कही।

डीएम खफा, प्रधानाध्यापिका का स्पष्टीकरण तलब

डीएम ने जिला मुख्यालय से 20 किमी और मुख्य सड़क मार्ग से लगभग 05 किमी अंदर सुबह 09.20 बजे प्राथमिक विद्यालय तेंदुआ पहुंची, जहां सभी बच्चे एक ही क्लास में बैठे मिलेए पूछने पर शिक्षिका माधुरी पांडेय ने बताया कि बरसात की वजह से बच्चे कम आए है। डीएम ने पूछा एक ही क्लास में दो शिक्षक कैसे पढ़ाएंगे। प्रधानाध्यापिका शीला देवी से शिक्षक संदर्शिका व शिक्षक डायरी मांगीए जवाब में शीला देवी ने बताया कि वह घर पर हैए इस पर गहरी नाराजगी जताईए बीएसए को इनका स्पष्टीकरण प्राप्त करने को कहा।

शिक्षकों को शिक्षक संदर्शिका व शिक्षक डायरी का अनिवार्यता से दैनिक प्रयोग करने के निर्देश दिये। इसके बाद डीएम ने रसोई घर का निरीक्षण किया। इस दौरान गैस चूल्हा खराब थाए चूल्हे पर खाना बनता मिला। स्कूल स्टाफको तत्काल चूल्हा सही करने के निर्देश दिए। चूल्हे पर खाना तैयार करने से आपके स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ेगाए इसलिए गैस चूल्हे पर ही भोजन तैयार किया जाए। उन्होंने दूध प्रदान किए जाने वाले बर्तन भी देखा और जाना कितनी मात्रा में बच्चों को दूध प्रदान किया जाता है। दूध व भोजन वितरण के संबंध में बच्चों से भी पुष्टि की।

पुलिस मुठभेड़ में इनामियां हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

फतेहपुर। गाजीपुर थाना पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम की इन्द्रो पुलिया से असोथर जाने वाली नहर पटरी पर चेकिंग के दौरान पच्चीस हजार का इनामिया, वांछित गैंगेस्टर, अंतर्जनपदीय चोरी से संबंधित शातिर हिस्ट्रीशीटर से मुठभेड़ हो गई। जिसमें बदमाश घायल हो गया। उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। सीओ थरियांव ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। गाजीपुर पुलिस व एसओजी टीम की संयुक्त टीम मंगलवार की रात इन्द्रो पुलिया से असोथर जाने वाली नहर पटरी पर वहद ग्राम चक काजीपुर पर चेकिंग कर रहे थे। तभी एक व्यक्ति मोटरसाइकिल से आता हुआ दिखायी दिया। जिसे रोकने का इशारा किया तो वापस मुड़कर भागने का प्रयास किया। बाइक से फिसलकर गिर पड़ा। घिरता हुआ देख पुलिस पार्टी पर फायर करने लगा। आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग में अभियुक्त सैफुल्ला पुत्र इस्लामुद्दीन निवासी शोहदमऊ थाना सुल्तानपुर घोष घायल हो गया। पुलिस ने हिरासत में लेकर इलाज हेतु नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। सीओ थरियांव ने बताया कि अभियुक्त थाना सुल्तानपुर घोष का कुख्यात हिस्ट्रीशीटर, पंजीकृत गैंग का सदस्य व गैंगेस्टर एक्ट के मुकदमें में 25000 रुपये का इनामिया वांछित अपराधी है। अभियुक्त के विरुद्ध जनपद के विभिन्न थानों पर 12 से अधिक मुकदमें पंजीकृत है। गिरफ्तारी से अपराध व अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगेगा। पुलिस टीम में थानाध्याक्ष विनोद मिश्र, वरिष्ठ उपनिरीक्षक विनोद कुमार, उप निरीक्षक सावन पटेल, बृजेश के अलावा एसओजी टीम में निरीक्षक विनोद कुमार यादव, उपनिरीक्षक सुरेश सिंह, हेड कां अनिल सिंह, शैलेन्द्र कुशवाहा, कांस्टेबल विपिन मिश्रा व अतुल त्रिपाठी शामिल रहे।

अलग-अलग स्थानों पर जहर खाकर दो महिलाओं ने दी जान

फतेहपुर। अपने मायके में पांच वर्षों से रह रही 27 वर्षीय महिला ने बुधवार की सुबह भोले बाबा मंदिर के समीप संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खा लिया जिसे उपचार के लिए सदर अस्पताल लाया गया। चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पारिवारिक कलह से तंग 23 वर्षीय एक युवती ने जहर खा लिया। सदर अस्पताल लाया गया। चिकित्सक ने उसे भी मृत घोषित कर दिया। दोनों के परिजनों ने पोस्टमार्टम न कराने के उद्देश्य से शवों को घर वापस ले गए। सदर कोतवाली क्षेत्र के बेरूईहार गांव निवासी सुरेश की पत्नी सुनैनका देवी पांच वर्ष पूर्व अपने पति को छोड़कर मायका राधानगर थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुर आ गई थी। तब से यहीं रह रही थी। सुबह वह घर से निकली और करसवां के समीप भोले बाबा मंदिर के पास जहर खा लिया। वहीं अचेत हो गई। जिला चिकित्सालय भेजा। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरुद्ध भीम आर्मी, बसपा व अन्य दलों ने अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर प्रदर्शन

फर्रुखाबाद। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफभीम आर्मी तथा बसपा एवं अन्य संगठनों ने मिलकर कड़ा विरोध किया। बडी संख्या में लोग फतेहगढ़ स्थित बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर प्रतिमा स्थल के पास एकत्र हो गए। जहां उन्होंने बिरोध में आवाज बुलंद कर जोरदार नारेवाजी करते हुए प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान ज्यादातर प्रदर्शनकारी गले में नीला गमछा डाले पूरे जोश में दिखाई दे रहे थे। विरोध प्रदर्शन के अलावा जिले में बाजार बंदी, सड़क जाम, रेल रोको, स्कूल कालेज बंदी जैसा कोई नजारा देखने को नहीं मिला। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि जिले भर में भारत बंद आवाहन का कोई खास असर पड़ता दिखाई नहीं दिया।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर खास कर दलित वर्ग में भारी आक्रोश अवश्य झलकता मालूम पड़ा। हर जगह विशेष रूप से दलित वर्ग के लोग बातों - बातों में ही फैसले को चुनौती देनी जैसी मुद्रा में दिखे। उनकी बात का काफी संख्या में पिछड़े वर्ग के जागरूक लोग भी पूरी तरह समर्थन कर रहे थे। नाराज प्रदर्शनकारी केन्द्र सरकार से जजमेन्ट के खिलाफ आध्यादेश लाने की मांग कर रहे थे।

उनका कहना था कि दलित वर्गीकरण करना एक सोची समझी रणनीति का है । जिसे वे स्वीकार नहीं कर सकते । भारत बंद की जानकारी प्रशासन को थी। क्योंकि भारत बंद आवाहन पहले से ही किया जा चुका था। इसलिए व्यवस्था के लिए पूरे जिले में हर जगह पुलिस की गश्त बढ़ाते हुए सुरक्षा के कडे इंतजाम किए गए थे। लगभग हर थाना क्षेत्र में संवेदनशील स्थानों से लेकर चौराहों तिराहों तथा मुख्य मार्गों पर पुलिस की कड़ी चौकसी बरती जा रही थी । पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी पुलिस बल के साथ स्वयं मोर्चा संभाले हुए थे। मुख्य प्रदर्शन स्थल पीडब्लूडी फतेहगढ़ तिराहा स्थित अंबेडकर मूर्ति के पास प्रदर्शन काफी देर तक चलता रहा।

लोधी महासभा ने पूर्व मुख्य मंत्री बाबू कल्याण सिंह की तीसरी पुण्य तिथि मनाई

फर्रुखाबाद। अखिल भारतीय लोधी लोधा लोध महासभा के तत्वावधान में उतर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूजी कल्याण सिंह की तीसरी पुण्यतिथि विक्रांतसिंह राना के प्रतिष्ठान पर धूमधाम से मनाई गई , जिसमें बाबूजी कल्याण सिंह को भारत रत्न देने की एक स्वर से मांग की गई। आज श्रंद्धाजलि सभा में लोधी महासभा के प्रदेश महामंत्री परशुराम वर्मा ने कहा कि बंथलशाहपुर में हुए लोधियों के सगे दो भाईयों के मर्डर में एक भाई की छोटी बच्ची को आर्थिक सहायता हेतु एक लाख पच्चीस हजार रुपए फंड की व्यवस्था महासभा के द्वारा की गई है। जिला अध्यक्ष महेशचंद्र राजपूत ने कहा कि लोधी समाज घर घर में पैर पसार चुकी शराब व नशामुक्ति हेतु, तरह तरह की फैली कुरीतियों व अंधविश्वास को समाप्त करने के लिए जाग्रति चौपाल गांव गांव लगायेगी।

महासभा के कानूनी सलाहकार प्रेमपाल सिंह राजपूत एडवोकेट ने

कहा कि बंथलशाहपुर की घटना को शीघ्र ही सीबीआई से जांच कराने की मांग की तथा उन्होंने बताया कि अगली 23 अगस्त को झंडेवाला पार्क लखनऊ में शहीद हुए गुलाब सिंह लोधी बलिदान दिवस को धूमधाम से अध्यापक अनिल वर्मा के आवास कमालगंज में मनाया जायेगा,आज बाबूजी को श्रृद्धांजलि सभा में श्रृद्धा सुमन अर्पित करने में प्रमुख रूप से प्रदेश महामंत्री परशुराम वर्मा, जिलाध्यक्ष महेशचंद्र राजपूत, राम लडैते राजपूत, अमर सिंह राजपूत, हरिनाथ सिंह राजपूत, प्रेमपाल सिंह राजपूत एडवोकेट, अजय राजपूत फौजी , रामसरकार राजपूत , अहिवरन सिंह लोधी, बेचेलाल वर्मा, अनिल राजपूत, रोशनलाल राजपूत, प्रवीन वर्मा, महिपाल गुप्ता आदि मौजूद रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता विक्रांत सिंह राना लोधी व संचालन रामाधार सिंह वर्मा ने किया।

युवक ने पिता के द्वारा रुपए न देने पर लगाई फांसी

फर्रूखाबाद। पिता ने पैसे की मांग पूरी न होनें पर युवक नें पहले शराब पी उसके बाद फांसी का फंद्रा अपने गले में लगाकर जान दे दी। परिजनों मे इसके बाद कोहराम मच गया । राजेपुर थाना क्षेत्र के ग्राम चित्रकूट निवासी 22 वर्षीय राघवेन्द्र सिंह पुत्र रामकिशन बीते 18 अगस्त को जयपुर से घर रक्षाबंधन पर आया था। उसने रक्षाबंधन के बाद जयपुर जानें के लिए पिता रामकिशन से 5 हजार रूपये मांगे। उसे पिता रामकिशन नें 3 हजार रूपये दिये। जिससे खफा होकर राघवेन्द्र नें कमरा बंद कर गमछे से छत के कूड़े में फांसी लगा ली। परिजनों नें गम्भीर हालत में उसे सीएचसी राजेपुर पंहुचाया जहाँ चिकित्सक नें उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक जयपुर में बाल काटने का कार्य करता था। उप निरीक्षक शिशुपाल सिंह ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा । प्रभारी निरीक्षक योगेन्द्र सिंह सोलंकी नें बताया कि शव का पोस्ट मार्टम कराया जायेगा।

क्विक न्यूज

युवक ने फांसी लगाकर दी जान स्वजनों में मचा कोहराम

राठ। जरिया थाने के करियारी गांव में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। करियारी गांव निवासी मंगलवार देवीदयाल(30) ने कमरे में लाइट की डोरी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। स्वजनों ने जब युवक को फांसी पर लटका देखा तो हड़कंप मच गया। मृतक के चचेरे भाई भूपेंद्र पाल ने बताया कि देवीदयाल के पास करीब दो बीघा जमीन है। देवीदयाल पिता के साथ खेती.बाड़ी के साथ मेहनत मजदूरी करता था। वह अविवाहित था और शराब पीने का आदी था। उसकी मां ज्ञान देवी और पिता मातादीन खेत पर काम करने के लिए गए थे। मृतक तीन भाइयों में मंझला था। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नाबालिंग के साथ किया दुष्कर्म, रिपोर्ट दर्ज

कुरारा (हमीरपुर)। थाना क्षेत्र के जखेला गांव में सोमवार को देर रात घर से दूध लेने जाते समय एक युवक ने नाबालिंग बालिका के साथ दुष्कर्म किया। पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफबलात्कार का मुकदमा दर्ज किया है। क्षेत्र के जखेला गांव निवासी एक नाबालिंग लड़की घर से दूध लेने जा रही थी तभी पहले से घात लगाये बैठे गांव के दिलीप अहिरवार पुत्र जगपाल ने उसका हाथ पकड़ कर घसीटते हुए ले गया और जबरन मुंह दबाकर बलात्कार किया। बलात्कार के बाद दिलीप उसे बदहवास स्थित में छोड़कर मौके से भाग गया।पीड़ित लड़की का पिता ने थाना कुरारा में देर रात मुकदमा दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी योगेश तिवारी ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। तथा आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

ननिहाल गए पांचवीं के छात्र की नदी में डूबने से मौत

राठ। बुधवार को ननिहाल में 9 वर्षीय बालक अपने दोस्तों के साथ बेतवा नदी में नहाने गया था। जिसकी डूब कर मृत्यु हो गयी। राठ निवासी रजनी कुशवाहा पत्नी प्रमोद रक्षाबंधन के पर्व में अपने अपने 9 वर्षीय पुत्र आयुष को लेकर मायके जिटकरी थाना जरिया सोमवार को गई थी। बुधवार की सुबह करीब दस बजे उनका एकलौता पुत्र आयुष अपने मौसी के लड़के व उसके दो दोस्तों के साथ गांव के पास बह रही बेतवा नदी के किनारे नाले में नहाने गया था। नहाते समय वह उसमें डूब गया। दोस्तों की आवाज सुन आस पास मौजूद मछुआरों ने आयुष को नदी से बाहर निकाला। सूचना पर स्वजन उसे सीएचसी सरीला ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है।

बिजली के पोल से टकराई बाइक हुई युवक की मौत

गुरसहायगंज (कन्नौज)। क्षेत्र के ग्राम सिंहपुर निवासी 22 वर्षीय विपिन बाथम पुत्र अशोक बाथम बुधवार की दोपहर लगभग 12:30 बजे अपनी बाइक से मलिकपुर जा रहा था अचानक उसकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे लगे बिजली के पोल से टकरा गई जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों द्वारा उसे इलाज के लिए निजी चिकित्सक के पास ले जाया गया जहां विपिन को मृत घोषित कर दिया। उधर मौके पर पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गया।

आज जाएंगी पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री

फतेहपुर। भारतीय जनता पार्टी के जिला मंत्री एवं पूर्व सांसद कार्यालय के प्रवक्ता शिव प्रताप सिंह ने बताया कि कल (आज) पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति जिले में आएंगी। प्रातः 11 बजे महर्षि विद्या मंदिर में गीत गोविंद प्रकाशन की आयोजित निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करेंगी तत्पश्चात दोपहर 12 बजे भाजपा कार्यालय में सदस्यता अभियान के बाबत आयोजित कार्यशाला में सम्मिलित होंगी।

ट्रकों की भिड़ंत में खलासी की मौत

फतेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चौफेरवा एनटीपीसी के समीप मंगलवार की रात ट्रकों की भिड़ंत में 30 वर्षीय खलासी की मौत हो गई वहीं घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। जनपद संतकबीरनगर के थाना धनघटा गांव तौकिया निवासी भोलानाथ का पुत्र प्रमोद यादव ट्रक में खलासी था। मंगलवार की रात लगभग बारह बजे झांसी से ट्रक लेकर संतकबीरनगर जा रहे थे तभी चौफेरवा के समीप ट्रकों की भिड़ंत हो गई। जिससे उसकी मौत हो गई।

ट्रेन से कटकर महिला की मौत

फतेहपुर। औंग थाना क्षेत्र के ग्राम करचलपुर में रेलवे लाइन पार करते समय 48 वर्षीय महिला की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। पुलिस ने शव को विच्छेदन हेतु भेजा है। जानकारी के अनुसार करचलपुर गांव निवासी अवध नारायण सिंह की पत्नी किरन सिंह मंगलवार की दोपहर किसी काम से जा रही थी जब वह रेलवे लाइन पार करने लगी तभी ट्रेन की चपेट में आ गई जिससे उसकी घटनास्थल पर मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत, दंपति घायल

फतेहपुर। मलवां थाना क्षेत्र के ग्राम सौंरा एनएच-2 में बुधवार की दोपहर बाइक सवार को बचाने में अनियंत्रित होकर बाइक गिर जाने से दंपति घायल हो गए। वहीं दूसरा बाइक सवार अन्य वाहन से टकराकर घायल हो गया। जिसे पीआरवी 112 अपने निजी वाहन में उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाए। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। कानपुर नगर के गांव रमइया थाना बिधनू निवासी सिद्दीक अहमद का 30 वर्षीय पुत्र सलमान अपनी 28 वर्षीय पत्नी आमना व दो वर्षीय पुत्र के साथ आमना को लेकर हुसैनगंज थाना क्षेत्र के भिटौरा मामा के यहां आया था। वापस लौटते समय जैसे ही यह लोग सौंरा के समीप पहुंचे तभी बाइक सवार को बचाने में अनियंत्रित होकर बाइक गिर गई। दोनों घायल हो गए। दूसरी बाइक सवार जमुना प्रसाद पुत्र स्व. राम प्रताप 55 वर्ष निवासी सौंरा अन्य वाहन से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गया। मौजूद पीआरवी 112 ने अपने सरकारी वाहन से उपचार के लिए जिला चिकित्सालय पहुंचाया।

हत्या के प्रयास के लिए अमीन व साथियों के विरुद्ध एफआईआर का आदेश

खागा, फतेहपुर। कथित दरियाव सिंह स्मारक समिति के महामंत्री राम प्रताप सिंह (अमीन) और उनके साथियों के विरुद्ध मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट फतेहपुर ने एफआईआर का आदेश सुनाया है। मजिस्ट्रेट ने यह आदेश बीते 8 अक्टूबर 2023 को जनहितकारी इण्टर कॉलेज के प्रवक्ता रहे प्रमोद कुमार सिंह पर ग्राम बुदवन में कथित तौर पर राम प्रताप अमीन और उनके साथियों द्वारा अध्यापक पर किए गए जानलेवा हमले के संबंध में सुनाया है।

बकौल प्रवक्ता उक्त तारीख को उन्हें जान से मारने के उद्देश्य से राम प्रताप अपने साथ लाठी-डंडा से लैश होकर धर्मेन्द्र प्रताप सिंह, ध्रुव सिंह, हरिश्चन्द्र सिंह, प्रवीण सिंह, बृजेश (टब्बू), बब्लू (भूत), अमित, ओम प्रकाश सिंह, सुरेन्द्र सिंह, रवि सिंह व 50-60 व्यक्ति नाम-पता अज्ञात लोगों के साथ आकर प्राण-घातक हमला बोला था। पुलिस के जवानों ने प्रवक्ता की जान बचाकर उन्हें सुरक्षित किया था। प्रवक्ता ने बताया कि राम प्रताप, अमर शहीद ठा0 दरियाव सिंह लोधी का फर्जी प्रपत्र बनकर सार्वजनिक रूप से सम्मान ले चुका है। वह लोध जाति के सिंगरौर फिरके के अन्तर्गत आने वाले गरीब विद्यार्थियों का लोध जाति का प्रमाण-पत्र निर्गत करवाने में प्रशासन के साथ मिलकर अड़ंगा लगाता है, धमकी देता है। जबकि गुप्त रूप से अनेक सिंगरौर अपने लोध जाति का प्रमाण-पत्र बनवाकर शासन की योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। इन सबका विरोध करने पर राम प्रताप (अमीन) प्रवक्ता प्रमोद सिंह से रंजिश और खुन्नस मानने लगा। जान से मारने का निरंतर प्रयास करने लगा। इसी क्रम में 8 अक्टूबर को प्रवक्ता पर जानलेवा हमला किया। प्रवक्ता ने इस पर एफआईआर लिखवाने का प्रयास किया, तो राम प्रताप के प्रभाव और रवि सिंह पुत्र पक्का सिंह के दबाव में थाना पुलिस ने रिपोर्ट पंजीकृत नही किया था। अपने ऊपर हुए हमले पर विधिक न्याय पाने के लिए प्रवक्ता ने न्यायालय की शरण ली।

कांग्रेसियों ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को किया याद

- कांग्रेस जनों ने जयंती पर पार्टी की मजबूती का संकल्प लिया

कन्नौज। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी कि 79 वीं जयंती को सदभावना दिवस के रूप में मनाया गया। पार्टी कार्यालय पर एकत्रित हुए कांग्रेस नेताओं ने राजीव गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष दिनेश पालीवाल नें राजीव गांधी को आधुनिक भारत का निर्माता बताते हुये कहा कि उन्होनें सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किया है।

मकरन्द नगर स्थित कांग्रेस कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित करनें के उपरान्त जिलाध्यक्ष दिनेश पालीवाल ने बताया की 1984 से 1989 तक राजीव गांधी भारत के प्रधानमंत्री थे। उनके शासन में शांति, शिक्षा और प्रौद्योगिकी में सुधार की पहल हुई। जिसका नतीजा है कि

जयन्ती पर राजीव गांधी के चित्र पर माल्यार्पण करते कांग्रेसी।

आज हर हाथ में मोबाइल है। सांप्रदायिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए उनके समर्पण का आज तक प्रभाव है। उनके सम्मान और लोगों को उनके जीवन मूल्यों के बारे में बताने के लिए आज सद्भावना दिवस मनाया जाता है।

इस मौके पर पूर्व प्रदेश सचिव विजय मिश्र, मो. तारिक़ बशीर, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रमोद शाक्य, अरविंद दुवे, शहर अध्यक्ष मीर हारून, महिला जिलाध्यक्ष रीना वर्मा, अनमोल दीक्षित, ओमकार नाथ त्रिपाठी, सत्य प्रकाश शर्मा, वीनू त्रिपाठी, रमेश सविता, असलम खां, शकील अहमद, विनाश दुबे, सुमन देवी,एहसानुल हक़ आदि मौजूद रहे। उधर गुरसहायगंज तिर्वारोड स्थित कैम्प कार्यालय मे नगर अध्यक्ष संजीव दुवे मुन्ना ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती कार्यकर्ताओं के साथ मनाई जिसमें उन्होनें कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुये कहा कि स्व. राजीव गांधी से हमें व कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रेरणा लेनी चाहिये। युवाओं के समग्र विकास के लिये पंचवर्षीय योजनाओं को धरातल पर लाने का काम राजीव गांधी ने किया था।

किसान दिवस में किसानों को विभिन्न विभागों द्वारा कृषक हित में संचालित विभिन्न योजनाओं की दी गई जानकारी, सुनी गई समस्याएं

- पर ड्राप मोर क्राप (माइक्रोइरीगेशन), राष्ट्रीय कृषि विकास योजना एवं प्रधानमन्त्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना की जनपद स्तरीय कियान्वयन समिति की हुई बैठक

कानपुर देहात। अन्नदाता किसानों की समस्याओं के त्वरित निदान करने के साथ.साथ केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा विभिन्न विभागों द्वारा कृषक हित में संचालित योजनओं/कार्यक्रमों के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से शासन के निर्देशानुसार एवं डीएम आलोक सिंह के मार्गदर्शन में तथा सीडीओ लक्ष्मी एन. की उपस्थिति में किसान दिवस का आयोजन विकास भवन सभागार में किया गया। किसान दिवस में किसानों

को विभिन्न विभागों द्वारा कृषक हित में संचालित विभिन्न योजनाओं को लाभ उठाते हुए अपनी आय में वृद्धि करने हेतु जागरूक किया गया। जिला कृषि अधिकारी डा. उमेश कुमार गुप्ता द्वारा धान फसल की सुरक्षा के संबंध मे ए नैनो उर्वरकों के प्रयोग से होने वाले लाभों के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। भूमि संरक्षण अधिकारी देवेन्द्र कुमार वर्मा द्वारा खेत तालाब योजना का प्रशिक्षण प्रदान करते हुए अवगत कराया गया कि जनपद में इस वर्ष 54 खेत तालाब खोदे जाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है जिसका आकार 22 गुणा 20 गुणा 3 मीटर निर्धारित है, जिसकी अनुमानित लागत प्रति खेत तालाब रू0 105000 रु. है। कृषि विभाग द्वारा प्रति खेत तालाब 50 प्रतिशत अनुदान रू0 52500द.दो किश्तों में अनुदान के रूप में लाभार्थी किसान को प्रदान किये जायेगें। पहली किस्त का भुगतान कृषक को खुदाई पूर्ण करने पर अनुदान की 75 प्रतिशत धनराशि डीबीटी के माध्यम से दी जायेगी तथा शेष 25 प्रतिशत धनराशि पक्का कार्य पहली किस्त का भुगतान कृषक को खुदाई पूर्ण करने पर अनुदान की 75 प्रतिशत धनराशि डीबीटी के माध्यम से दी जायेगी तथा शेष 25 प्रतिशत धनराशि पक्का कार्य पूर्ण होने पर की जायेगी। तालाब खोदे जाने पर भूमिगत जल स्तर बढने के साथ.साथ तालाब में मत्स्य पालनए सिंघाडा उत्पादन आदि का कार्य करने किसान अपनी आय में वृद्धि कर सकते है। योजनान्तर्गत किसानो का चयन पहले आओ.पहले पाओं के आधार पर किया जायेगा तथा खेत तालाब के साथ.साथ सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली स्थापित किये जाने की अनिवार्यता हे अर्थात किसान द्वारा पूर्व में सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली स्थापित की हो या तालाब खुदने के बाद सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली स्थापित करने का त्रिपक्षीय समझौता किया होना आवश्यक है। जिला उद्यान अधिकारी बलदेव प्रसाद द्वारा उद्यान विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए सब्जी उत्पादन के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी।

किसानों की समस्याओं का निस्तारण कराना हमारी प्राथमिकताः डीएम

- किसान दिवस में आई विभिन्न समस्याएं, डीएम ने विभागाध्यक्षों को दिए निर्देश

फतेहपुर। विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी सी. इन्दुमती की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। किसान दिवस में डीएम ने निर्देशित किया कि यदि कृषि अथवा उससे संबद्ध विभागों से इतर यदि कृषकों से शिकायत प्राप्त होती है तो उन विभागाध्यक्षों को निराकरण हेतु सक्षम स्तर सश्नपत्र निर्गत कराकर प्रेषित कराया जाये एवं उन्हें अगली बैठक में अनुपालन आख्या/निस्तारण आख्या के साथ बैठक में प्रतिभाग किये जाने हेतु आमंत्रित किया जाए। डीएम के समक्ष कृषकों ने सामूहिक रूम से फसल बीमा का प्रीमियम बैंकों द्वारा बिना कृषक स्वीकृति के काटे जाने की शिकायत की। डीएम ने कृषकों को सामूहिक रूप से इस संबंध में समस्या के निराकरण कराये जाने हेतु प्रार्थना पत्र दिए जाने हेतु कहा। ताकि इस सम्बन्ध में उनके स्तर से शासन स्तर से पत्राचार कर समस्या का निदान कराया जा सके। ने अधिशाषी अभियन्ता सिंचाई खण्ड को निर्देशित किया कि नहर संचालन के मील संख्या पर दो कर्मचारियों की तैनाती कराये जाने हेतु सक्षम स्तर से वार्ता कर

किसान दिवस में समस्याएं सुनतीं डीएम सी. इन्दुमती।

आवश्यक कार्यवाही की जाये। ताकि जनपद को आवंटन के अनुसार नहर जलापूर्ति सुनिश्चित हो सके। यदि उनके स्तर से यह सम्भव न हो तो जिलाधिकारी स्तर से पत्र निर्गत कराकर समस्या का निराकरण कराया जाए। डीएम ने किसान क्रेडिट कार्ड बनाए जाने, उर्वरक समितियों में डीएपी उपलब्ध कराए जाने के भी निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इसके अलावा डीएम ने किसानों की समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए। उप कृषि निदेशक ने संचालन करते हुए पूर्व बैठक में कृषकों की शिकायतों के अनुपालन के संबंध में कृषकों को अवगत कराया। भारतीय किसान यूनियन के जिला प्रभारी प्रीतम सिंह ने ग्राम अतरहा ब्लाक हंसवा के प्राथमिक पाठशाला के पास लगे ट्रांसफार्मर के ओवरलोड होने एवं विद्युत लाइन को सही कराये जाने, शाह पावर हाउस को विस्तार करते हुए अलग विद्युत लाइन बनाये जाने की मांग की। डीएम ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि जिन प्रकरणों पर कृषकों के द्वारा लगातार शिकायतें किसान दिवस में प्राप्त हो रही है उनका त्वरित संज्ञान लेकर गुणवत्तापरक निराकरण कराया जाए।

शिकायतों का सात दिवस में निस्तारण कराने के निर्देश

फतेहपुर। डीएम ने गत बैठक में किसान नेता नरसिंह पटेल व गया प्रसाद पुत्र शिवबालक निवासी ग्राम चंदनमऊ खागा की शिकायत के क्रम में अधिशाषी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड तृतीय एवं सहायक अभियन्ता विद्युत भंडार गृह द्वारा अपेक्षित कार्यवाही न करने क्रम में अधिशाषी अभियन्ता विद्युत तृतीय को तत्काल आवश्यक कार्यवाही किये जाने के निर्देश देते हुए प्रकरण का पटाक्षेत्र सात दिवस के अंदर किये जाने के निर्देश दिये। गत बैठक में प्राप्त शिकायत छोटेलाल निवासी ग्राम कोण्डार द्वारा महाखेडा के अन्दर कोण्डार माइनर पर पुलिया निर्माण का निस्तारण न होने के संबंध में उप कृषि निदेशक को निर्देशित किया कि प्रकरण के निराकरण हेतु उनके स्तर से पत्र अधिशाषी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग को पत्र पुलिया निर्माण कराये जाने हेतु प्रेषित किया जाए एवं प्रकरण का निस्तारण सात दिवस में निस्तारण कराया जाए।

राजनीति नहीं छोड़ूंगा, नई पार्टी बनाने को तैयार

भाषा। रांची

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने कहा कि वह राजनीति नहीं छोड़ेंगे और नया सियासी दल बनाने का विकल्प उनके लिए हमेशा खुला है। सोरेन ने कहा कि वह झामुमो नेताओं के हाथों अपमान का सामना करने के बाद अपनी योजनाओं पर अडिग हैं। सोरेन ने दावा किया कि उन्होंने अपना पूरा जीवन झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) को समर्पित कर दिया है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरिष्ठ नेता ने मंगलवार आधी रात के बाद सरायकेला-खरसावां जिले में अपने पैतृक गांव झिलिंगोरा पहुंचने के तुरंत बाद कहा, यह मेरे जीवन का नया अध्याय है। मैं राजनीति नहीं छोड़ूंगा, क्योंकि मुझे अपने समर्थकों से बहुत प्यार और समर्थन मिला है। अध्याय (राजनीति छोड़ने का) समाप्त हो गया है, मैं एक नया संगठन बना सकता हूं। सोरेन (67) को 1990 के दशक में पृथक राज्य बनाने की लड़ाई में उनके योगदान के लिए, झारखंड का टाइगर उपनाम दिया गया था। झारखंड को 2000 में बिहार के दक्षिणी भाग से अलग करके बनाया गया था। चंपई सोरेन ने कहा, झामुमो से किसी ने मुझसे संपर्क नहीं किया है। यह झारखंड की धरती है...मैंने छात्र जीवन से ही संघर्ष किया है। मैंने पार्टी सुप्रीमो शिबू सोरेन के नेतृत्व में अलग झारखंड राज्य के लिए आंदोलन में हिस्सा लिया था। झामुमो नेता ने कहा कि अगर उन्हें अगली यात्रा के दौरान कोई समान विचारधारा वाला संगठन या मित्र मिल गया तो वह किसी भी संगठन से हाथ मिला सकते हैं। उन्होंने कहा, मैं पार्टी को मजबूत करूंगा, नई पार्टी बनाऊंगा और अगर रास्ते में कोई अच्छा दोस्त मिल गया तो दोस्त के साथ आगे बढ़ूंगा...। उन्होंने 18 अगस्त को एक्स पर की गई अपनी पोस्ट का हवाला देते हुए कहा, मैंने वही पोस्ट किया जो मुझे उचित लगा। पूरा देश जानता है कि मैंने क्या सोचा। भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बीच वरिष्ठ नेता ने कहा था कि मुख्यमंत्री के तौर पर उन्हें घोर अपमान का सामना करना पड़ा, जिसके कारण उन्हें वैकल्पिक रास्ता अपनाने के लिए बाध्य होना पड़ा। चंपई सोरेन ने कहा, इतने अपमान के बाद, मुझे वैकल्पिक रास्ता तलाशने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि जुलाई के पहले सप्ताह में उनके सभी सरकारी कार्यक्रम पार्टी नेतृत्व द्वारा उनकी जानकारी के बिना अचानक रद्द कर दिए गए थे। उन्होंने कहा, जब मैंने कार्यक्रम रद्द करने का कारण पूछा तो मुझे बताया गया कि तीन जुलाई को पार्टी विधायकों की बैठक है और मैं तब तक किसी भी सरकारी कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकता। उन्होंने पूछा, क्या लोकतंत्र में किसी मुख्यमंत्री का कार्यक्रम किसी अन्य व्यक्ति द्वारा रद्द कर दिए जाने से अधिक अपमानजनक कुछ हो सकता है? सोरेन ने दावा किया कि यद्यपि मुख्यमंत्री के पास विधायक दल की बैठक बुलाने का अधिकार था, लेकिन उन्हें बैठक के एजेंडे के बारे में भी जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने कहा था, बैठक में (3 जुलाई को) मुझसे इस्तीफा देने को कहा गया। मैं हैरान रह गया। चूंकि मुझे सत्ता की कोई चाहत नहीं थी, इसलिए, मैंने तुरंत इस्तीफा दे दिया। हालांकि, मेरे स्वाभिमान को गहरी ठेस पहुंची। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने विधायक दल की बैठक में घोषणा की थी कि आज से मेरे जीवन का एक नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। उन्होंने कहा, उस दिन से लेकर अब तक और आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव तक, इस यात्रा में मेरे लिए सभी विकल्प खुले हैं। चंपई सोरेन ने दो फरवरी को झारखंड के 12वें मुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया था, उनके पूर्ववर्ती हेमंत सोरेन ने धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तार किए जाने से ठीक पहले इस्तीफा दे दिया था।हेमंत सोरेन को 28 जून को उच्च न्यायालय से जमानत मिलने के बाद जेल से रिहा कर दिया गया था। तीन जुलाई को उन्हें झामुमो विधायक दल का नेता चुना गया था। इसके बाद चंपई सोरेन ने राज्यपाल को अपना त्यागपत्र सौंप दिया, जिससे हेमंत सोरेन के तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया।

गोयल ने अमेजन के कारोबारी तरीकों निवेश घोषणा पर उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली। (भाषा) वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन की भारत में एक अरब डॉलर के निवेश की घोषणा पर बुधवार को सवाल उठाते हुए कहा कि अमेरिकी कंपनी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए कोई बड़ी सेवा नहीं कर रही है, बल्कि देश में हुए नुकसान की भरपाई कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत में अमेजन को हुआ भारी घाटा असल में बाजार बिगाड़ने वाली बेहद कम कीमतों पर उत्पादों की बिक्री के तौर-तरीकों को बयां करता है लेकिन यह भारत के लिए अच्छा नहीं है क्योंकि इसका असर करोड़ों छोटे खुदरा विक्रेताओं पर पड़ता है।

गोयल ने यहां भारत में रोजगार और उपभोक्ता कल्याण पर ई-कॉमर्स के शुद्ध प्रभाव पर एक रिपोर्ट जारी करते हुए ई-कॉमर्स कंपनियों के कारोबारी मॉडल को लेकर कई सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा, जब अमेजन भारत में एक अरब डॉलर का निवेश करने की घोषणा करती है तो हम जश्न मनाते हैं। हम यह भूल जाते हैं कि ए अरबों डॉलर भारतीय अर्थव्यवस्था की बड़ी सेवा या निवेश के लिए नहीं आ रहे हैं। कंपनी को उस साल अपने बही-खाते में एक अरब डॉलर का घाटा हुआ था और उन्हें उस घाटे की भरपाई करनी थी। वाणिज्य मंत्री ने कहा, यह घाटा पेशेवरों को।,000 करोड़ रुपए का भुगतान करने की वजह से हुआ था। मुझे नहीं पता कि ए पेशेवर कौन हैं। मुझे यह जानना अच्छा लगेगा कि कौन से चार्टर्ड अकाउंटेंट, पेशेवर या वकील।,000 करोड़ रुपए पाते हैं, जबतक कि आप उन्हें रोकने के लिए सभी बड़े वकीलों को भुगतान नहीं करते हैं ताकि कोई भी आपके खिलाफ मुकदमा न लड़ सके। उन्होंने अचरज जताते हुए कहा कि एक साल में 6,000 करोड़ रुपए का घाटा होने से क्या कीमतों को बेहद कम रखने के संकेत नहीं मिल रहे हैं। यह सिर्फ एक ई-कॉमर्स मंच है और उन कंपनियों को सीधे ग्राहकों को बेचने (बी2सी) की अनुमति नहीं होती है। सरकार की स्थापित नीति के मुताबिक, कोई भी ई-कॉमर्स मंच देश में सीधे ग्राहकों के साथ यानी बी2सी कारोबार नहीं कर सकता है। हालांकि, मंत्री ने आरोप लगाया कि ए कंपनियां केवल खुद को बी2बी दिखाने के लिए सभी व्यवसायों को एक इकाई के माध्यम से पुनर्निर्देशित करती हैं। उन्होंने कहा, वे ऐसा कैसे कर रही हैं? क्या यह हमारे लिए चिंता का विषय नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ई-कॉमर्स क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में एक भूमिका है, लेकिन उनकी भूमिका के बारे में बेहद सावधानी और सतर्कता से सोचने की जरूरत है।

उन्होंने यह भी कहा कि ई-कॉमर्स कंपनियां छोटे खुदरा विक्रेताओं के अधिक मूल्य और उच्च-मार्जिन वाले उत्पादों को खत्म करती जा रही हैं जबकि छोटी दुकानें इनके दम पर ही जिंदा रहती हैं।मंत्री ने देश में ऑनलाइन खुदरा कारोबार तेजी से बढ़ने पर परंपरागत दुकानों के साथ बड़ा सामाजिक व्यवधान पैदा होने की आशंका भी जताई। उन्होंने पश्चिमी देशों का उदाहरण देते हुए कहा कि यूरोप और अमेरिका ने इस प्रवृत्ति के परिणाम देखे हैं। गोयल ने कहा, मैं इस बात से इनकार नहीं करता कि प्रौद्योगिकी अपनी भूमिका निभाएगी। प्रौद्योगिकी सशक्तीकरण, नवाचार, उपभोक्ता जरूरतों को पूरा करने का एक साधन है लेकिन हमें यह भी देखना होगा कि यह व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि हम ऑनलाइन खुदरा विक्रेताओं के बाजार में 27 प्रतिशत की वार्षिक हिस्सेदारी की दौड़ में देश के 10 करोड़ छोटे खुदरा विक्रेताओं के लिए बहुत बड़ी बाधा उत्पन्न नहीं करना चाहते हैं।

भारतीय अंतरिक्ष यात्री के अगले वर्ष अप्रैल तक आईएसएस पर पहुंचने की संभावना

नई दिल्ली। (भाषा) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को कहा कि नासा-इसरो सहयोगात्मक पहल के तहत अगले साल अप्रैल तक एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए उड़ान भर सकता है।इस अभियान को लेकर दो भारतीय ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और प्रशांत बालकृष्णन नायर एक्सिओम स्पेस एक्स-4 मिशन के लिए अमेरिका में प्रशिक्षण ले रहे हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्ला को एक्स-4 मिशन के लिए नियुक्त किया है, जबकि नायर प्रतिस्थापन उम्मीदवार होंगे।

सिंह ने पिछले साल 23 अगस्त को चंद्रमा पर विक्रम लैंडर के उतरने के उपलक्ष्य में पहली बार मनाए जाने वाले राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह से पहले यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, अगले साल अप्रैल तक एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री आईएसएस की यात्रा करेगा। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की थीम है चांद को छूते हुए जीवन को छूना: भारत की अंतरिक्ष गाथा। इस अवसर पर, इसरो 23 अगस्त को चंद्रयान-3 मिशन द्वारा एकत्र किए गए वैज्ञानिक डेटा को जारी करेगा जिसका उपयोग शोधकर्ताओं द्वारा किया जा सकता है। पिछले दो महीनों में देश भर में एक हजार से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू यहां भारत मंडपम में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह में शिरकत करेंगी और भारतीय अंतरिक्ष हैकाथॉन और इसरो रोबोटिक्स चैलेंज के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करेंगी। आगामी अंतरिक्ष मिशन के बारे में संवाददाताओं को जानकारी देते हुए इसरो के वैज्ञानिक सचिव शांतनु भातवाडेकर ने कहा कि इसरो और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के संयुक्त मिशन निसार को अगले वर्ष फरवरी के बाद प्रक्षेपित किए जाने की संभावना है। अब तक का सबसे महंगा उपग्रह बताए जा रहे पृथ्वी अवलोकन उपग्रह के 12 मीटर के रिफ्लेक्टर में कुछ गड़बड़ी आ गई थी और उसे सुधार के लिए वापस अमेरिका भेज दिया गया था। उम्मीद है कि रिफ्लेक्टर अक्टूबर तक भारत वापस आ जाएगा और उपग्रह के साथ जोड़ा जाएगा। भातवाडेकर ने कहा, चूंकि नवंबर से जनवरी तक सूर्यग्रहण का समय होता है, इसलिए निसार का फरवरी से पहले प्रक्षेपण नहीं किया जा सकता।

काकरापार में बने 700 मेगावाट के दूसरे स्वदेशी परमाणु रिएक्टर ने पूरी क्षमता से परिचालन शुरू किया

नई दिल्ली। गुजरात के काकरापार परमाणु ऊर्जा स्टेशन (केएपीएस) में 700 मेगावाट के भारत के दूसरे स्वदेशी परमाणु ऊर्जा रिएक्टर ने बुधवार को पूरी क्षमता से परिचालन शुरू किया। संयंत्र संचालक ने यह जानकारी दी। भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड (एनपीसीआईएल) ने बताया कि केएपीएस में चौथी इकाई 700 मेगावाट की पूर्ण क्षमता तक पहुंचने से पहले 90 प्रतिशत क्षमता पर काम कर रही थी। एनपीसीआईएल ने कहा, केएपीएस-3 की पूर्ण क्षमता पर सुचारू संचालन के बाद केएपीएस-4 का पूर्ण क्षमता से संचालन, अपनी तरह के पहले स्वदेशी 700 मेगावाट के दबावयुक्त भारी जल रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) डिजाइन की शक्ति को प्रदर्शित करता है। गुजरात के काकरापार में निर्मित भारत के दूसरे स्वदेश निर्मित 700 मेगावाट क्षमता के परमाणु ऊर्जा संयंत्र का वाणिज्यिक परिचालन 31 मार्च को शुरू हुआ। केएपीएस-4 इकाई का विद्युत स्तर परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) की अनुमति के अनुरूप बढ़ाया गया। भारत इसी डिजाइन के 700 मेगावाट के 14 और परमाणु ऊर्जा रिएक्टर का निर्माण कर रहा है जिनका परिचालन 2031-32 तक शुरू होने की उम्मीद है।

कोलकाता की घटना कुशासन और जवाबदेही की कमी को उजागर करती है

नई दिल्ली। (भाषा) उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीशों एवं पूर्व नौकरशाहों समेत प्रमुख हस्तियों के एक समूह ने कोलकाता की पीड़िता के लिए इंसाफ की मांग करते हुए बुधवार को कहा कि कोलकाता में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार एवं हत्या पश्चिम बंगाल में बिगड़ते सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य और महिलाओं के सामने आने वाले गंभीर खतरों की याद दिलाती है।

उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीशों और पूर्व नौकरशाहों समेत प्रमुख हस्तियों के समूह ने पीड़िता के लिए इंसाफ की मांग की

एक संयुक्त बयान में, प्रमुख हस्तियों ने आरोप लगाया कि यह घटना पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में व्याप्त उदासीनता, कुशासन और जवाबदेही की कमी को उजागर करती है और पीड़िता की रक्षा करने के बजाय अपराधियों को बचाने की राज्य सरकार की स्पष्ट प्रवृत्ति न्याय उपलब्ध कराने में गंभीर नाकामी को दर्शाती है। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल में यह कोई अकेली घटना नहीं है। एक आम तस्वीर उभर कर सामने आती है कि पिछले कई सालों से राज्य में कई वर्गों में हिंसा देखी गई है। प्रमुख हस्तियों ने कहा कि चुनाव के दौरान हुई हिंसा से लेकर हाल में हुए बलात्कारों तक, राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर आत्मनिरीक्षण की जरूरत है और तत्काल सुधारात्मक उपाय किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, यह कार्वाई का समय है। हम सभी महिलाओं के लिए एक सुरक्षित, अधिक न्यायपूर्ण समाज की मांग करते हैं। हम पश्चिम बंगाल के अधिकारियों से हमारी बहन को न्याय दिलाने की मांग करते हैं। संयुक्त बयान पर कुल 295 प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने हस्ताक्षर किए, जिनमें पूर्व पुलिस प्रमुख, पूर्व राजदूत और पूर्व सैनिक भी शामिल हैं। बयान पर हस्ताक्षर करने वालों में सिक्किम उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश प्रमोद कोहली, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा, पूर्व रक्षा सचिव धनेन्द्र कुमार, पूर्व रॉ प्रमुख संजीव त्रिपाठी, पूर्व राजदूत भास्वती मुखर्जी और बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्रालय के पूर्व सचिव गोपाल कृष्ण शामिल हैं। बयान में उन्होंने कहा कि आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज, कोलकाता में प्रशिक्षु डॉक्टर की बलात्कार के बाद हत्या को शुरू में आत्महत्या बताया गया था और पीड़िता के माता-पिता को अपनी बेटी का शव देखने की अनुमति देने से पहले कई घंटों तक इंतजार कराया गया। प्रमुख हस्तियों ने दावा किया कि जांच की गहनता पर सवाल उठने के बाद जल्दबाजी में गिरफ्तारी की गई। बयान में कहा गया, यह जघन्य अपराध न केवल न्याय की मांग करता है, बल्कि तत्काल बदलाव की अपील भी करता है। यह अधिकारियों के लिए एक चेतावनी है कि वे सभी जातियों और धर्मों की महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दें। डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए कई सिफारिशें करते हुए उन्होंने कहा, जिन इलाकों में डॉक्टर रात की ड्यूटी पर हैं, वहां गश्त और सुरक्षा कर्मियों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए।

छत्तीसगढ़ के प्रमुख आदिवासी बहुल इलाकों में दिखा भारत बंद का असर

रायपुर।(भाषा) आरक्षण से संबंधित उच्चतम न्यायालय के हाल के आदेश को लेकर विभिन्न संगठनों द्वारा बुधवार को बुलाए गए भारत बंद का छत्तीसगढ़ में आंशिक असर रहा। एक दिवसीय भारत बंद का असर राज्य के आदिवासी बहुल इलाकों में देखने को मिला, जबकि शेष जगहों पर इसका ज्यादा असर नहीं दिखा। सरगुजा संभाग के कुछ हिस्सों में, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी तथा धमतरी जिले में ज्यादातर दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। दक्षिण छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के सात जिलों में भी बंद का असर रहा। रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, राजनांदगांव और कोरबा जैसे जिलों में बंद का आंशिक असर देखने को मिला। स्कूल, अस्पताल और अन्य आवश्यक सेवाओं को बंद से बाहर रखा गया। परिवहन सेवाएं भी काफी हद तक अप्रभावित रहीं। दंतेवाड़ा जिला मुख्यालय में सर्व आदिवासी समाज (एसएएस) के सदस्यों द्वारा बंद के समर्थन में एक विशाल मोटरसाइकिल रैली निकाली गई। आदिवासी संगठनों के एक छत्र संगठन एसएएस की आदिवासी इलाकों में अच्छी उपस्थिति है। सर्व आदिवासी समाज के नेता बल्लू भवानी ने संवाददाताओं से कहा कि अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) आरक्षण पर उच्चतम न्यायालय के फैसले के खिलाफ इस बंद का दंतेवाड़ा में अच्छा समर्थन मिला। उन्होंने कहा कि व्यापारी संगठन सहित समाज के सभी वर्गों के लोगों ने बंद का समर्थन किया। भवानी ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और प्रधान न्यायाधीश को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी कार्यालय में सौंपा है, जिसमें एसटी और एससी आरक्षण पर असंवैधानिक फैसले के खिलाफ विरोध जताया गया है। राज्य के विपक्षी दल कांग्रेस ने भी बंद को नैतिक समर्थन दिया और उनकी मांगों पर ध्यान देने की मांग की। प्रदेश कांग्रेस की संचार शाखा के प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, एसटी और एससी के लोगों और उनसे जुड़े संगठनों ने अपनी वैध मांगों के समर्थन में भारत बंद का आह्वान किया है। उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाना चाहिए क्योंकि यह उनका संवैधानिक अधिकार है। कांग्रेस उनके आंदोलन का नैतिक समर्थन करती है।

केंद्र ने शरद पवार को जेड प्लस सुरक्षा प्रदान की

नई दिल्ली। केंद्र ने बुधवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार को जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) से महाराष्ट्र के 83 वर्षीय पूर्व मुख्यमंत्री को सुरक्षा मुहैया कराने को कहा है। इस कार्य के लिए सीआरपीएफ के 55 सशस्त्र जवानों की एक टीम को तैनात किया गया है। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसियों द्वारा खतरे के आकलन की समीक्षा में पवार को मजबूत सुरक्षा प्रदान करने की सिफारिश की गई है। सूत्रों ने बताया कि केंद्र ने उन्हें जेड प्लस श्रेणी का सुरक्षा घेरा प्रदान किया है। सूत्रों के अनुसार सीआरपीएफ की एक टीम इस कार्य को करने के लिए पहले से ही महाराष्ट्र में है। जेड प्लस सुरक्षा सशस्त्र वीआईपी सुरक्षा की सर्वोच्च श्रेणी है। वीआईपी सुरक्षा श्रेणी का वर्गीकरण उच्चतम जेड प्लस से शुरू होता है। इसके बाद जेड , वाई प्लस , वाई और एक्स आते हैं।

अवैध खनन पट्टा मामले को लेकर सिद्धरमैया- कुमारस्वामी में वाक्युद्ध

बेंगलुरु। कर्नाटक में कथित अवैध खनन पट्टा मामले की जांच को लेकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी के बीच जुबानी जंग छिड़ गई है। लोकायुक्त के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने एक बार फिर राज्यपाल को एक प्रस्ताव सौंपा है, जिसमें कथित अवैध खनन पट्टा मामले में केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी के खिलाफ अभियोजन की अनुमति मांगी गई है।सिद्धरमैया ने बुधवार को कोप्पल जिले के गनीगेरा में संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने कहीं भी यह नहीं कहा है कि इस मामले में कुमारस्वामी को गिरफ्तार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कुमारस्वामी को लेकर कहा, अगर उन्हें गिरफ्तार करने की कोई परिस्थिति (मामले से जुड़ी) है, तो हम बिना किसी हिचकिचाहट के उन्हें गिरफ्तार करेंगे। अभी ऐसी परिस्थिति नहीं है। उन्हें अब डर है कि राज्यपाल थावरचंद गहलोत मंजूरी दे देंगे। अगर वह डरे हुए नहीं होते तो आज उन्होंने संवाददाता सम्मेलन नहीं किया होता। इसे लेकर कुमारस्वामी ने मुख्यमंत्री पर पलटवार करते हुए यहां संवाददाताओं से कहा, मुझे गिरफ्तार करने के लिए 100 सिद्धरमैया को आना होगा। क्या आपको ऐसा लगता है कि मैं डरा हुआ हूं? मुख्यमंत्री ने कुमारस्वामी के इस बयान को लेकर कहा, 100 सिद्धरमैया नहीं...पुलिस ही कुमारस्वामी को गिरफ्तार कर सकती है...मैं नहीं...एक सिपाही ही उन्हें गिरफ्तार करने के लिए काफी है। अगर 100 सिद्धरमैया भी आ जाएं तो भी गिरफ्तारी नहीं हो सकती। मैं गिरफ्तार नहीं कर रहा...गिरफ्तारी पुलिस करती है। एसआईटी ने पिछले साल नवंबर में, केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री कुमारस्वामी पर मुकदमा चलाने के लिए गहलोत से अनुमति मांगी थी। आरोप है कि कुमारस्वामी ने 2007 में राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर श्री साई वेंकटेश्वर मिनरल्स को कथित तौर पर कानून का उल्लंघन करके खनन पट्टा दिया था।

हेमा समिति की रिपोर्ट : यूडीएफ ने केरल के मुख्यमंत्री विजयन से माफी मांगने को कहा

तिरुवनंतपुरम। विपक्षी कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने बुधवार को केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के इस दावे को नकार दिया कि न्यायमूर्ति हेमा ने खुद उनसे मलयालम फिल्म उद्योग पर विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक न करने का अनुरोध किया था। यूडीएफ ने इसे सरासर झूठ और पाखंड बताया। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने कहा कि तीन सदस्ईय समिति की अध्यक्ष रहीं न्यायमूर्ति हेमा ने सरकार से इसे सार्वजनिक न करने के लिए कभी नहीं कहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने झूठ बोलकर सभी को गुमराह करने की कोशिश की और उनका यह जवाब कि सरकार हमेशा पीड़ितों के साथ है, पाखंड के अलावा कुछ नहीं है।

पेज 1 का शेष

राज्यसभा...

वह हार गए, लेकिन उन्हें केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और रेलवे राज्य मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया। बिहार में दो राज्यसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा, सुप्रीम कोर्ट के वकील मनन कुमार मिश्रा ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके डिप्टी सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा सहित राज्य में एनडीए के शीर्ष नेता दोनों उम्मीदवारों द्वारा नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान विधानसभा सचिवालय में मौजूद थे। मौजूदा राज्यसभा सांसद विवेक ठाकुर (भाजपा) और मीसा भारती (राजद) के लोकसभा के लिए चुने जाने से उपचुनाव जरूरी हो गया है। मिश्रा, जिन्होंने 2009 के लोकसभा चुनावों में बसपा के टिकट पर वाल्मिकी नगर से चुनाव लड़कर अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की थी, पांच साल बाद भाजपा में शामिल हो गए, जब उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पक्ष में भी प्रचार किया।

आंध्र....

(एपीआई) बनाने वाली एसिएंटिया एडवांस्ड साइंसेज ने 200 करोड़ रुपये के निवेश के साथ अप्रैल 2019 में उत्पादन शुरू किया। यह आंध्र प्रदेश औद्योगिक अवसंरचना निगम (एपीआईआईसी) के बहु-उत्पाद विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में अचुतापुरम क्लस्टर में 40 एकड़ के परिसर में स्थित है।

हल्के वाहन..

तक सुनवाई स्थगित कर दी जाए या मामले को आगे बढ़ाया जाए। इस पीठ में न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा, न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल रहे। पीठ ने कहा कि चूंकि इस मामले पर पहले ही कुछ समय से सुनवाई जारी है, इसलिए मोटर वाहन अधिनियम में संशोधनों को संसद द्वारा मंजूरी दिए जाने की प्रतीक्षा किए बिना ही सुनवाई आगे बढ़ाई जाएगी। इस कानूनी प्रश्न ने उन मामलों में बीमा कंपनियों द्वारा दावों के भुगतान से जुड़े विभिन्न विवादों को जन्म दिया है जिनमें हल्के वाहन चलाने का लाइसेंस रखने वाले व्यक्तियों के परिवहन वाहन चलाते समय दुर्घटनाएं हुई हैं। इससे पहले, 16 अप्रैल को न्यायालय ने वेंकटरमणी द्वारा एक नोट प्रस्तुत करने के बाद मामले की सुनवाई को स्थगित कर दिया था। नोट में संकेत दिया गया था कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा किए गए परामर्श में मोटर वाहन अधिनियम, 1988 में संशोधन के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और आम चुनाव के बाद नवगठित संसद के समक्ष इन्हें रखा जाएगा। पीठ ने कहा था, मंत्रालय ने अपने 15 अप्रैल, 2024 के पत्र के माध्यम से कानून में प्रस्तावित संशोधन का ब्योरा रिकॉर्ड पर रखा है। संविधान पीठ ने कहा था कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय का रुख जानना आवश्यक होगा, क्योंकि यह तर्क दिया गया था कि मुकुंद देवांगन बनाम ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के मामले में शीर्ष अदालत के 2017 के फैसले को केंद्र ने स्वीकार कर लिया था और नियमों में संशोधन किया गया था। मुकुंद देवांगन मामले में, शीर्ष अदालत की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने माना था कि परिवहन वाहन, जिसका कुल वजन 7,500 किलोग्राम से अधिक नहीं है, को एलएमवी (हल्के मोटर वाहन) की परिभाषा से बाहर नहीं रखा गया है।

डॉक्टरों...

अन्यथा यह ज्वालामुखी में बदल जाएगा... समाज डरा हुआ है... मैं एक लड़की का पिता हूं। मैं बस कल्पना कर सकता हूं कि इतनी बेरहमी से मार दी गई, डॉक्टर दीदी के बूढ़े माता-पिता पर क्या बीत रही होगी...। भारतीय रेलवे में एक शीर्ष पद पर काम करने वाले एक अन्य मैकेनिकल इंजीनियर समर महापात्रा ने कहा कि उन्हें गंभीर गठिया है और वह ठीक से चल नहीं पाते हैं, लेकिन देखिए, मैं भी यहां आया, और मैं उनके लिए न्याय मांगने के लिए छड़ी के सहारे चल रहा हूं... मेरी बेटी अमेरिका में है... मुझे उम्मीद है कि वह वहां सुरक्षित रहेगी... परिवार के साथ मेरी एकजुटता है... और जब यह हंगामा कम हो जाएगा तो मैं पीड़ित परिवार से मिलूंगा और मरने तक उनके साथ रहूंगा।इस बीच, सुप्रीम कोर्ट द्वारा आरजीकेएमसीएच की सुरक्षा के लिए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की तैनाती का आदेश देने के एक दिन बाद भी कई हजार जूनियर डॉक्टरों ने बुधवार को स्वास्थ्य भवन (स्वास्थ्य मुख्यालय) तक मार्च किया और चल रही मेडिकल हड़ताल खत्म होने का कोई संकेत नहीं मिला। एक आंदोलनकारी डॉक्टर ने कहा, हम अचूक सुरक्षा, सभी राज्य संचालित मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में भ्रष्टाचार की शिकायतों की जांच और मेडिकल कॉलेजों में पूर्णकालिक प्राचार्यों की नियुक्ति जैसे कई मुद्दों का समाधान मांगने आए थे, लेकिन अधिकारियों की ओर से कोई आश्वासन नहीं मिला। ऐसा लगता है कि स्वास्थ्य विभाग उच्च अधिकारियों के गंभीर दबाव में है।

भारत बंद...

पुलिसकर्मी को सहकर्मी दूर ले जाकर उसे वस्तुस्थिति बताते हैं। एसडीएम की पहचान श्रीकांत कुंडलिक खांडेकर के रूप में हुई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राजीव मिश्रा ने इस घटना को मानवीय भूल बताया और कहा कि अधिकारी को नहीं पहचान पाने के कारण ऐसा हुआ। भारत बंद या अखिल भारतीय बंद की प्रतिक्रिया काफी हद तक मिली-जुली रही है, इसका अधिकतम प्रभाव बिहार, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में देखा गया।

पोलैंड...

चीजें मिलती हैं, लेकिन भारतीय स्ट्रीट फूड नहीं मिलता है। उन्होंने कहा, मैंने अपने नए रेस्तरां का नाम हमारे प्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर रखा है। उन्होंने पीटीआई-वीडियो से कहा, पोलैंड में हमारी करी हाउस की कई दुकान हैं। हम उनमें से नौ के मालिक हैं। लोग सुझाव दे रहे थे कि चूंकि हम भारत से हैं, इसलिए हमें कुछ भारतीय स्ट्रीट फूड भी परोसने चाहिए, जिसका पोलैंडवासी लुत्फ उठा सकें। चायवाला खोलने के पीछे यही उद्देश्य था। भारतीय रेस्तरां के मालिकों के अनुसार, पोलिश लोग न केवल भारतीय व्यंजनों को पंसद कर रहे हैं बल्कि वे भारत की समृद्ध संस्कृति के प्रति भी आकर्षित हो रहे हैं। पोलैंड नागरिक अन्ना मारिया रोजेक ने यहां पीटीआई-वीडियो से कहा, मुझे डोसा बहुत पसंद है। वारसॉ में सबसे अच्छा डोसा इंडिया गेट रेस्तरां में मिलता है और यह वास्तव में दक्षिण भारत की याद दिलाता है। मैंने कई बार चेन्नई और केरल की यात्रा की है और सच में यहां के खाने का स्वाद भी वैसा ही है।

कीटनाशक से...

जिसमें साइपरमेथ्रिन और डेल्टामेथ्रिन जैसे सिंथेटिक पाइरेथ्रोइड्स का अंधाधुंध उपयोग भी शामिल है। इससे मछली की आबादी में असंतुलन पैदा करने के साथ अन्य जलीय वनस्पतियों को नुकसान होता है जो जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को बाधित करता है। अध्ययन में बताया गया कि मछलियों का शिकार करने में क्रस्टेशियंस रसायन उत्प्रेरक का काम करता है, जिससे मछलियों की तत्काल मौत हो जाती है और इसका अन्य जलीय जीवन के पारिस्थितिकी पर गहरा दुष्प्रभाव भी पड़ता है। उन्होंने कहा कि कीटनाशकों के अवैध उपयोग को रोकने के लिए सख्त नियामक कार्रवाई और निरंतर जागरूकता कार्यक्रमों की तत्काल आवश्यकता है। वे उभयचरों और कीटों में उत्परिवर्तन का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा, नई मछलियां इन रसायनों के प्रति अधिक संवेदनशील होती हैं, और किशोर मछलियों की प्रजनन क्षमता पर हानिकारक प्रभाव डालने के साथ वयस्क मछलियों की आबादी की गतिशीलता को खतरे में डाल सकती हैं। मछली मारने के लिए पानी में जहरीले कीटनाशकों के प्रयोग से स्थानीय जीवों की सुरक्षा पर खतरा मंडरा है, क्योंकि पक्षी और जंगली जानवर जहरीली नदियों का पानी पीते हैं और इसके साथ ही जहरीली मछली को ऊदबिलाव खाते हैं। वैज्ञानिकों ने सुझाव दिया कि गंगा की पारिस्थितिक अखंडता को संरक्षित करने के लिए हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और जहरीली मछली पकड़ने की प्रथाओं के खिलाफ कानून लागू करना महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कीटनाशकों के उपयोग की मानक सीमा, इसके पर्यावरण और स्वास्थ्य प्रभावों को मापने और इस विनाशकारी अभ्यास की निगरानी और नियंत्रण के लिए प्रभावी रणनीति विकसित करने के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है। मछुआरों से एकत्रित जानकारी के आधार पर, शोधकर्ताओं ने खुलासा किया कि सिंथेटिक पाइरेथ्रोइड समूह से संबंधित कीटनाशकों का उपयोग करके हुगली के निचले और ऊपरी मुहाने के कुछ क्षेत्रों में लगातार अवैध शिकार जारी है।

इजराइल-हमास में नहीं हो पाया संघर्ष-विराम के लिए समझौता

● ब्लिंकन की पश्चिम एशिया की यात्रा समाप्त

यरूशलम। गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की पश्चिम एशिया की नौवीं यात्रा समाप्त हो गई, लेकिन इस दौरान इजराइल और हमास के बीच संघर्ष-विराम समझौता नहीं हो सका। हमास और इजराइल द्वारा चुनौतियां बरकरार रहने के संकेत दिए जाने के बीच ब्लिंकन ने मंगलवार को कहा कि समझौते को इसी समय करना बहुत महत्वपूर्ण है। ब्लिंकन ने सहयोगी मध्यस्थ देशों मिस्र और कतर में बैठकों के बाद कहा कि चूंकि, इजराइल ने हमास के साथ मतभेदों को पाटने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है, इसलिए अब हमास को साथ लाने के लिए हर संभव प्रयास करने और यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित है कि दोनों पक्ष समझौते के कार्यान्वयन संबंधी मुख्य बिंदुओं पर सहमत हों।

कतर से जाने से पहले पहले संवाददाताओं से कहा, हमारा संदेश सरल, स्पष्ट और अत्यावश्यक है। ब्लिंकन ने कहा, हमें संघर्ष-विराम और बंधकों की रिहाई संबंधी समझौते को अंतिम रूप देने की आवश्यकता है, और हमें इसे अभी करना होगा। इसे इसी समय करना अहम है। ईरान और लेबनान में हमास और हिजबुल्ला के दो शीर्ष कमांडर की हाल में निशाना बनाकर हत्या किए जाने से समझौते की आवश्यकता और बढ़ गई है। दोनों कमांडर की हत्या के पीछे इजराइल का हाथ बताया जा रहा है। दूसरी ओर, ईरान और हिजबुल्ला ने दोनों कमांडर की मौत का बदला लेने का संकल्प लिया है, पश्चिम एशिया में जारी तनाव के पूर्ण युद्ध में तब्दील होने की आशंका बढ़ गई है। हमास ने मंगलवार को कहा कि यह प्रस्ताव उसके द्वारा पहले जताई गई सहमति के विपरीत है। उसने अमेरिका पर इजराइल की नई शर्तों को स्वीकार करने का आरोप लगाया। अमेरिका की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

मिस्र में बैठकें करने से पहले ब्लिंकन ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी मुलाकात की। इजराइल पर सात अक्टूबर को हमास के चरमपंथियों के हमलों में लगभग 1,200 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें अधिकतर आम नागरिक शामिल थे 250 लोगों को अगवा कर लिया गया था। ब्लिंकन और नेतन्याहू के बीच बैठक के बीच इजराइली सेना ने कहा कि उसे हमास द्वारा बंधक बनाए गए छह लोगों के शव मिले हैं। माना जाता है कि बंधकों में से लगभग 110 लोग अब भी गाजा में हैं, इजराइली अधिकारियों का कहना है कि उनमें से लगभग एक-तिहाई की मौत हो चुकी है। नवंबर में एक हफ्ते के संघर्ष-विराम के दौरान 100 से ज्यादा बंधकों को रिहा किया गया था। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजराइल के जवाबी हमलों ने 40,000 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं। गाजा के 23 लाख से अधिक निवासियों में से अधिकतर विस्थापित हो चुके हैं।

संदिग्ध हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में व्यापारिक जहाज को निशाना बनाया : ब्रिटिश सेना

दुबई। लाल सागर से गुजर रहे एक व्यापारिक जहाज पर बुधवार को कई हमले किए गए, जिसके चलते उसपर अब नियंत्रण नहीं रह गया है। ब्रिटिश सेना ने यह जानकारी दी। ब्रिटिश सेना ने आशंका जताई है कि इस हमले को यमन के हूती विद्रोहियों ने अंजाम दिया है जो पहले भी लाल सागर में व्यापारिक जहाजों को निशाना बना चुके हैं। सेना के मुताबिक, हमले की विस्तृत जानकारी प्राप्त नहीं हुई है लेकिन यह ऐसे समय किया गया है जब गाजा पट्टी में इजराइल-हमास युद्ध के बीच, हूती विद्रोही जहाजों पर लक्षित हमले कर रहे हैं। ब्रिटिश सेना से संबद्ध ब्रिटिश समुद्री व्यापार संचालन केंद्र (यूकेएमटीओ) ने बताया कि छोटी-छोटी नौकाओं से आए हमलावरों ने यमन में विद्रोहियों के कब्जे वाले होदेइदिया बंदरगाह से करीब 140 किलोमीटर पश्चिम में जहाज को छोटे हथियारों से निशाना बनाया। जहाज पर तीन रॉकेट भी दागे गए, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि ए मिसाइल से किए गए हमले हैं या ड्रोन से दागे गए रॉकेट। यूकेएमटीओ ने बताया, पोत पर नियंत्रण नहीं रह गया है। हमले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हूती विद्रोहियों ने तत्काल हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है लेकिन पूर्व में भी वह ऐसे हमलों की जिम्मेदारी घटना के कई घंटे या दिनों के बाद लेते रहे हैं। पिछले साल अक्टूबर में गाजा पट्टी में इजराइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से अबतक हूती विद्रोहियों ने करीब 80 जहाजों को मिसाइलों और ड्रोन से निशाना बनाया है। उन्होंने एक जहाज पर कब्जा कर लिया, जबकि दो को डूबो दिया और इस दौरान चार नाविक मारे गए।

हसीना व उनके सहयोगियों पर एक और मुकदमा

भाषा। ढाका

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और 86 अन्य के खिलाफ सिलहट शहर में एक जुलूस पर हमला करने के मामले में बुधवार को प्राथमिकी दर्ज की गई। इस महीने की चार तारीख को बड़े पैमाने पर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान कई लोग गोली लगने से घायल हो गए थे। हसीना ने देश में हिंसक प्रदर्शनों के बीच इस्तीफा दे दिया था और तब से अबतक उनके खिलाफ कुल 33 मामले दर्ज किए गए हैं।

जातीयतावादी छात्र दल की सिलहट शहर इकाई के कार्यवाहक अध्यक्ष जुबेर अहमद ने सिलहट मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट सुमन भुइया की अदालत में मामला दर्ज कराया। हसीना की बहन शेख रेहाना को भी इस मामले में आरोपी बनाया गया है। द डेली स्टार अखबार ने मामले के विवरण के हवाले ए खबर दी कि आरोपियों ने चार अगस्त को सिलहट शहर के बंदरबाजार क्षेत्र में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और उसके सहयोगी संगठनों द्वारा आयोजित एक शांतिपूर्ण रैली पर हमला किया, जिसमें कई लोगों को गोली लगी और वे घायल हो गए।

खबर के मुताबिक, अवामी लीग के महासचिव और पूर्व सड़क परिवहन मंत्री अब्दुल कादर, पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान, पूर्व विदेश मंत्री हसन महमूद, पूर्व कानून मंत्री अनीसुर रहमान और प्रधानमंत्री के पूर्व सलाहकार सलमान एफ रहमान सहित अन्य लोगों को भी नामजद किया गया है। अखबार के मुताबिक, इस मामले के साथ ही हसीना पर अब 33 मुकदमे दर्ज हो गए हैं, जिनमें 27 हत्या के, चार मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार के तथा एक अपहरण का मामला शामिल है।

हसीना सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच अपने पद से इस्तीफा देकर पांच अगस्त को भारत भाग गईं। बांग्लादेश में हसीना के नेतृत्व वाली सरकार को हटाकर अंतरिम सरकार बनाई गई है और 84 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस को इसका मुख्य सलाहकार नियुक्त किया गया। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कहा है कि वह हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ हाल ही में हुए छात्रों के आंदोलन के दौरान हुई हत्याओं में शामिल लोगों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में मुकदमा चलाएगी। हसीना सरकार के पतन के बाद देश भर में भड़की हिंसा की घटनाओं में बांग्लादेश में 230 से अधिक लोग मारे गए, जिससे सरकारी नौकरियों में विवादास्पद कोटा प्रणाली के खिलाफ जुलाई के मध्य में छात्रों द्वारा शुरू किए गए बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बाद से मरने वालों की संख्या 600 से अधिक हो गई।

मिशेल ओबामा ने राष्ट्रपति पद के लिए हैरिस का समर्थन किया

शिकागो (अमेरिका)। अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला मिशेल ओबामा ने राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस का जोरदार समर्थन करते हुए उन्हें इस पद के लिए अब तक की सबसे योग्य व्यक्ति बताया। डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन में मंगलवार रात अपने भाषण में मिशेल ने उपराष्ट्रपति हैरिस को ऐसी उम्मीदवार बताया, जिन्होंने मध्यमवर्गीय पृष्ठभूमि से आकर अपना रास्ता बनाया। हैरिस को उम्मीदवार बनाए जाने की सराहना करते हुए पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की पत्नी मिशेल ने कहा, अमेरिका में एक बार फिर उम्मीद की किरण जगी है। डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में देश भर से आए पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अपने स्थान पर खड़े होकर मिशेल ओबामा का जोरदार स्वागत किया।

हैरिस (59) बृहस्पतिवार को औपचारिक रूप से डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार का नामांकन स्वीकार करेंगी। हैरिस का पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप (78) से मुकाबला होगा। हाल में अपनी मां के निधन को याद करते हुए मिशेल (60) ने कहा कि वह उनके लिए प्रेरणास्रोत थीं और हैरिस की मां भी उनके लिए प्रेरणास्रोत थीं। कमला हैरिस की मां श्यामला गोपालन के बारे में मिशेल ने कहा, उनकी मां 19 साल की उम्र में भारत से आई थीं। कमला हैरिस इस अवसर के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। वह राष्ट्रपति पद के लिए सबसे योग्य लोगों में से एक हैं। और यह उनकी मां, मेरी मां और शायद आपकी मां के लिए भी सबसे सम्मानजनक उपहार होगा। मुझे इस बात की परवाह नहीं है कि आप राजनीतिक रूप से किस रूप में पहचाने जाते हैं-चाहे आप डेमोक्रेट हों, रिपब्लिकन हों, स्वतंत्र हों या इनमें से कोई भी न हों, यह समय है कि हम उस बात के लिए खड़े हों जिसे हम अपने दिल में सही मानते हैं।

कमला हैरिस के पति ने मंच पर साझा की प्रेम कहानी

● पहली मुलाकात का किस्सा सुनाया

शिकागो। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस के पति डगलस एमहॉफ ने अपनी प्रेम कहानी साझा की और याद किया कि कैसे 2013 में एक ब्लाइंड डेट पर उनके बीच प्रेम की शुरुआत हुई और कमला के लिए एक अजीब वॉइस मैसेज छोड़ा था, जिसे वह उनकी शादी की हर सालगिरह पर सुनाती हैं। मंगलवार रात यहां डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में मंच पर एमहॉफ ने यह किस्सा साझा किया, ताकि वह हैरिस के लिए समर्थन जुटा सकें। उन्होंने बताया कि उन्हें वकालत का पेशा बहुत पसंद है। वह बेटे कोल और बेटी एला के पिता बने, (पूर्व पत्नी) से तलाक लिया और फिर कुछ अप्रत्याशित हुआ -- हैरिस के साथ एक ब्लाइंड डेट पर गए।

एमहॉफ ने कहा, 2013 में, मैं एक मुवक्किल से विवादास्पद मुलाकात करने गया। हमने मुद्दे पर काम किया और बैठक के अंत में प्रसन्न मुवक्किल ने मुझे ब्लाइंड डेट पर जाने का प्रस्ताव दिया -- और इस तरह मुझे कमला हैरिस का फोन नंबर मिला। एमहॉफ (59) ने कहा कि उन्होंने एक लंबा और अजीब सा पहला वॉइसमेल छोड़ा था, जिसे हैरिस (59) अब हर वर्ष उनकी शादी की सालगिरह पर उन्हें सुनाती हैं। उन्होंने कहा, पीढ़ियों से लोग इस बात पर बहस करते रहे हैं कि जिस व्यक्ति से आपकी मुलाकात हो रही है, उसे कब कॉल करना चाहिए, और पहले कभी किसी ने सुबह 8:30 बजे का सुझाव नहीं दिया। और फिर भी, मैंने उसी समय कॉल किया। मुझे कमला का वॉइसमेल मिला। मैं इधर-उधर की बातें बोलने लगा।

एमहॉफ ने कहा, मुझे याद है कि मैं हड़बड़ाहट में बोले गए शब्दों को स्पष्ट करने की कोशिश कर रहा था। बहुत समय लगने के बाद, मैंने फोन काट दिया। लेकिन, कमला ने उस वॉइसमेल को सहेज लिया, और वह मुझे हर सालगिरह पर इसे सुनाती है। वह संदेश उस दिन की एकमात्र असामान्य बात नहीं थी। एमहॉफ ने कहा, कमला, जो आमतौर पर कार्यालय में कड़ी मेहनत करती थीं, संयोग से अपने अपार्टमेंट में ठेकेदार द्वारा रसोईघर में कुछ काम करने का इंतजार कर रही थीं। मैं अपनी मेज पर खाना खा रहा था, जो मेरे जैसे व्यस्त वकील के लिए आम बात नहीं थी, जो एक अच्छे बिजनेस लंच का आदी होता है। उन्होंने कहा, तभी उन्होंने मुझे वापस कॉल किया। हमने एक घंटे तक बात की। हम हंसे। आप उस हंसी को जानते हैं। मुझे वह हंसी बहुत पसंद है। शायद वह हमारी पहली डेट थी, या शायद वह शनिवार था, जब मैंने उन्हें गाड़ी में बिठाया और कहा, सीट बेल्ट बांध लो क्योंकि मैं असल में एक अच्छा चालक नहीं हूं। उन्होंने अपनी पत्नी को एक योद्धा और उनके बच्चों को प्यार करने वाली अभिभावक करार दिया।

लॉस एंजिल्स के वकील एमहॉफ ने हैरिस के उपराष्ट्रपति बनने पर अपनी फर्म से छुट्टी ले ली थी। एमहॉफ की पहली शादी से दो संतान हैं। उन्होंने कहा कि हैरिस ने अपने परिवार को प्राथमिकता दी है, चाहे उनकी नौकरी कितनी भी व्यस्तता भरी क्यों न हो। हैरिस की जैविक संतान नहीं है। एमहॉफ ने कहा, आप में से जो लोग सौतेले बच्चों वाले परिवार से हैं, वे जानते हैं कि चीजें थोड़ी जटिल हो सकती हैं। लेकिन जैसे ही उन्होंने उसे (हैरिस को) मोमाला कहना शुरू किया, मैं जान गई कि सब कुछ ठीक रहने जा रहे है।

कांगो में गत एक सप्ताह में मंकीपॉक्स के एक हजार से अधिक नए मामले

केपटाउन। अफ्रीकी देश कांगो में मंगलवार को समाप्त हुए सप्ताह में एक हजार से अधिक मंकीपॉक्स के नए मामले सामने आए हैं। अफ्रीकी स्वास्थ्य अधिकारियों ने महाद्वीप पर इसके बढ़ते खतरे से लड़ने में मदद के लिए अत्यंत आवश्यक टीकों की मांग की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन पहले ही अफ्रीका में प्रकोप को वैश्विक आपातकाल घोषित कर चुका है। मंकीपॉक्स वायरस के उसी परिवार से संबंधित है जिनसे चेचक होता है, लेकिन यह बुखार, ठंड लगना और शरीर में दर्द जैसे हल्के लक्षण पैदा करता है। यह अधिकतर यौन संबंध सहित त्वचा से त्वचा के नजदीकी संपर्क से फैलता है। ज्यादा गंभीर मामलों वाले लोगों के चेहरे, हाथ, छाती और जननांगों पर फोड़े हो सकते हैं। अफ्रीका के 54 देशों में से 12 देशों में मंकीपॉक्स के मामलों की पुष्टि हो चुकी है जबकि कांगो में इस साल अब तक सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। अफ्रीका रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (अफ्रीका सीडीसी) ने बताया कि 2024 में कुल 18,910 मामलों में से 94 प्रतिशत या 17,794 मामले अकेले कांगो में सामने आए हैं। केंद्र के मुताबिक इस साल इस बीमारी से 541 लोगों की मौत हुई है जिनमें से 535 मौतें अकेले कांगो में हुई है। ए आंकड़े संभवत: कम आंके गए हैं, क्योंकि कांगो में पांच में से केवल एक संदिग्ध मामले की ही मंकीपॉक्स के लिए जांच की जा रही है। अफ्रीका सीडीसी के महानिदेशक डॉ. जीन कासेया ने कहा कि कई प्रभावित अफ्रीकी देशों में परीक्षण और निगरानी क्षमताएं सीमित हैं। अफ्रीका सीडीसी द्वारा मंगलवार देर रात उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, पिछले सात दिनों में अफ्रीका में 1,405 नए मामलों में से 1,030 मामले कांगो में दर्ज किए गए। अफ्रीका में मंकीपॉक्स के बढ़ते मामलों तथा कांगो में अधिक आसानी से फैलने में सक्षम वायरस के एक नए प्रकार की पहचान के मद्देनजर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पिछले सप्ताह इसे वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया। डब्ल्यूएचओ ने पूर्व में कहा था कि मंकीपॉक्स से निपटने के वास्ते दान जुटाने का उसका पिछला प्रयास विफल रहा। अफ्रीका सीडीसी के महानिदेशक ने बताया कि उनके संगठन से यूरोपीय संघ और टीका निर्माता कंपनी बवेरियन नॉर्डिक से मंकीपॉक्स रोधी टीक की 215,000 खुराक मुहैया कराने का वादा किया है। अमेरिका की सहायता एजेंसी ने कहा कि उसने कांगो को टीके की 50,000खुराक दान की है। जापान ने भी कांगो को टीके की कुछ खुराक दान की हैं। लेकिन अफ्रीका को संभवत: इससे कहीं अधिक की आवश्यकता है। कांगो के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अकेले उनके देश को इस प्रकोप से निपटने के लिए टीके की 30 लाख खुराक की आवश्यकता है, जो कम से कम चार निकटवर्ती अफ्रीकी देशों में फैल गया है।

यूक्रेन ने अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया, सभी ड्रोन नष्ट किए : रूस

मॉस्को। यूक्रेन ने 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से पहली बार रूस पर सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया और उसके सभी ड्रोन नष्ट कर दिए गए हैं। रूसी प्राधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मॉस्को ने रातभर में यूक्रेन के 45 ड्रोन नष्ट किए। 11 ड्रोन मॉस्को क्षेत्र के ऊपर नष्ट किए गए, 23 ड्रोन ब्रायंस्क क्षेत्र में, छह बेलगोरोद में, तीन कलुगा में और दो ड्रोन कुर्स्क क्षेत्र में नष्ट किए गए। मॉस्को के मेयर सर्गेइ सोबियानिन ने अपने टेलीग्राम चैनल पर कहा, ड्रोन के जरिए मॉस्को पर हमला करने की यह अब तक की सबसे बड़ी कोशिशों में से एक थी। उन्होंने कहा कि राजधानी मॉस्को के आसपास बनाई गई मजबूत रक्षा प्रणाली के कारण सभी ड्रोन नष्ट कर दिए गए। रूस के कुछ सोशल मीडिया चैनल पर वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा ड्रोन को नष्ट करते हुए देखा जा सकता है। ब्रायंस्क क्षेत्र के गवर्नर एलेक्जेंडर बोगोमाज ने कहा कि उनके क्षेत्र पर बड़ा हमला किया गया।

ईरान की संसद ने मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों के नामों को मंजूरी दी

तेहरान। ईरान की संसद ने बुधवार को राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को मंजूरी दे दी। दो दशक से अधिक समय में यह पहली बार है कि मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों के नामों को मंजूरी दी गई है। रूढिवादी मानी जाने वाली संसद से मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों के नामों पर मंजूरी हासिल करना पेजेशकियन के लिए बड़ी कामयाबी है। पेजेशकियन को सुधारवादी कदमों के लिए जाना जाता है। पेजेशकियन ने मई में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में तत्कालीन राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत के बाद चुनाव में जीत हासिल की थी। सभी मंत्रियों के नामों पर संसद की मंजूरी यह दिखाती है कि पेजेशकियन ने सर्वसम्मति से मंत्रिमंडल का चयन किया है, जिसके नाम ईरान के धर्मतंत्र के सभी शक्ति केंद्रों को स्वीकार्य हैं।

पेजेशकियन ने एक तस्वीर ऑनलाइन पोस्ट की, जिसमें वह ईरान के न्यायपालिका प्रमुख, एक शिया धर्मगुरु, तथा देश के संसद अध्यक्ष के साथ खड़े नजर आए। पोस्ट में तस्वीर के साथ लिखा था ईरान में सर्वसम्मत निर्णय। पेजेशकियन के नए मंत्रिमंडल में अब्बास अराघची (61) भी शामिल हैं जो ईरान के नए विदेश मंत्री होंगे। अराघची ईरान के उस वार्ता दल के सदस्य थे, जिसने 2015 में विश्व शक्तियों के साथ परमाणु समझौता किया था, जिसके तहत प्रतिबंधों को हटाने के बदले में तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर रोक लगाई गई थी। सांसदों से सबसे ज्यादा समर्थन पाने वाले उम्मीदवार देश के नए रक्षा मंत्री अजीज नसीरजादेह हैं, जिन्हें 288 मौजूदा सांसदों में से 281 वोट मिले। संसद में 290 सीटें हैं। नसीरजादेह 2018 से 2021 तक ईरानी वायु सेना के प्रमुख थे। स्वास्थ्य मंत्री मोहम्मद रजा जफरघंडी को सबसे कम 163 वोट मिले। संसद ने पेजेशकियन द्वारा खुफिया मंत्री के लिए इस्माइल खातिब और न्याय मंत्री के लिए अमीन हुसैन रहीमी के नामों को भी मंजूरी दे दी।

नरेंद्र मोदी ने वारसॉ में गुड महाराजा स्क्वायर पर श्रद्धांजलि अर्पित की

वारसा (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को पोलैंड की राजधानी में गुड महाराजा स्क्वायर पर एक पोलिश-भारतीय स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। पोलैंड की राजधानी में जामनगर के दिवंगत महाराजा की स्मृति में यह स्मारक बनाया गया है। मोदी बुधवार को दो दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे। उन्होंने एक संक्षिप्त कार्यक्रम के दौरान नवानगर के जाम साहब दिग्विजयसिंहजी रणजीतसिंहजी जडेजा की स्मृति में बने स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित किया।

मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मानवता और करुणा एक न्यायपूर्ण और शांतिपूर्ण विश्व की महत्वपूर्ण नींव है। वारसॉ में नवानगर के जाम साहब स्मारक में जाम साहब दिग्विजयसिंहजी रणजीतसिंहजी जडेजा के मानवीय योगदान पर प्रकाश डाला गया है, जिन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के कारण बेघर हुए पोलिश बच्चों को आश्रय के साथ-साथ देखभाल भी सुनिश्चित की थी। उन्होंने कहा, जाम साहब को पोलैंड में डोबरी महाराजा के नाम से याद किया जाता है। उन्होंने स्मारक की तस्वीरें भी साझा कीं।

इससे पहले विदेश मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वारसॉ में डोबरी महाराजा स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की, द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नवानगर के जाम साहब दिग्विजयसिंहजी रणजीतसिंहजी जडेजा के उल्लेखनीय कृतज्ञतापूर्ण कार्य को सम्मानित किया। स्मारक का अनावरण अक्टूबर 2014 में वारसॉ के ओचोटा जिले के गुड महाराजा स्क्वायर में किया गया था। इसमें शिलालेखों के साथ एक छोटा ईंट का स्तंभ शामिल है। भारतीय दूतावास की वेबसाइट के अनुसार, पोलैंड में आठ प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों का नाम जाम साहब के नाम पर रखा गया है, जिन्हें पोलैंड में गुड महाराजा के नाम से जाना जाता है। महाराजा ने 1942 में नाजी जर्मनी और सोवियत रूस द्वारा पोलैंड पर कब्जे के बाद युद्धग्रस्त, कब्जे वाले पोलैंड और सोवियत शिविरों से लगभग 1,000 पोलिश बच्चों को शरण प्रदान की थी। इसमें कहा गया है कि जीवित बचे पोलिश बच्चों ने पोलिश एसोसिएशन का गठन किया है, जिसकी बैठक हर साल पोलैंड के किसी प्रमुख शहर में होती है।

वहीं पोलैंड में भारतीय राजदूत नगमा मोहम्मद मलिक ने यहां पीटीआई वीडियो से कहा, प्रधानमंत्री द्वारा पोलिश नेतृत्व के साथ की जाने वाली चर्चाओं से दोनों पक्षों को विभिन्न विषयों पर शीर्ष स्तर पर विचारों का आदान-प्रदान करने का मौका मिलेगा। इस प्रकार की विस्तृत चर्चा हमने पिछले कुछ समय से नहीं की है। उन्होंने कहा कि पोलैंड यूरोपीय संघ का एक महत्वपूर्ण सदस्य है।

विभाजन के बाद के दस्तावेजों से जुड़ी डिजिटलीकरण परियोजना का नेतृत्व कर रहा ब्रिटेन का विश्वविद्यालय

लंदन। ब्रिटेन का कोवेंट्री विश्वविद्यालय एक नई शोध पहल का नेतृत्व कर रहा है, जिसमें 1947 में भारत के विभाजन के बाद के दो दशकों के लगभग 20,000 चित्रों, प्रिंट और दस्तावेजों का डिजिटलीकरण किया जाएगा। यह संग्रह मुंबई के हैमिल्टन स्टूडियो में रखा गया है तथा इसमें भारतीय इतिहास के लगभग 100 वर्षों तथा 6,00,000 से अधिक वस्तुओं का संग्रह है। डिजिटलीकरण परियोजना 1967 तक के दो दशकों पर केंद्रित है और ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के अंत में भारतीय उपमहाद्वीप के दो देशों (भारत और पाकिस्तान) में विभाजित होने के इतिहास को दर्शाती है। कोवेंट्री विवि ने कहा कि यह परियोजना कोवेंट्री डिजिटल की सफलता से प्रेरित है, जो 70,000 से अधिक स्थानीय चित्रों, वीडियो और दस्तावेजों का एक ऑनलाइन संग्रह है। कोवेंट्री विवि के क्रिएटिव इकोनॉमीज रिसर्च सेंटर में डिजिटल हेरिटेज एंड कल्चर के एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोजेक्ट लीड बेन काइन्सवुड ने कहा, कोवेंट्री डिजिटल की सफलता ने सांस्कृतिक इतिहास को संरक्षित और साझा करने में डिजिटल प्रौद्योगिकी की शक्ति को प्रदर्शित किया है। उन्होंने कहा, मैं इस विरासत को भारत की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण तक विस्तारित करने के लिए उत्सुक हूं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आने वाली पीढ़ियां इन अमूल्य ऐतिहासिक अभिलेखों तक पहुंच सके। काइन्सवुड विभाजन से जुड़ी सामग्री को डिजिटल बनाने के लिए हैमिल्टन स्टूडियो और अहमदाबाद में राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) के साथ मिलकर काम करेंगे। इस परियोजना का उद्देश्य ऐतिहासिक विभाजन को पाटना, सांस्कृतिक संरक्षण को बढ़ावा देना और यह बताना है कि विभाजन किस तरह भारत और उसके लोगों की कहानियों को आकार दे रहा है।

शिया जायरीनों को पाकिस्तान से इराक ले जा रही बस ईरान में दुर्घटनाग्रस्त, कम से कम 28 की मौत

भाषा। तेहरान

शिया जायरीनों को पाकिस्तान से इराक ले जा रही एक बस मंगलवार देर रात मध्य ईरान में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। अधिकारियों ने बुधवार को इस हादसे में करीब 28 जायरीनों की मौत होने तथा 23 अन्य के घायल होने की जानकारी दी। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने स्थानीय आपातकालीन सेवा के अधिकारी मोहम्मद अली मालकजादेह के हवाले से बताया कि यह हादसा मंगलवार देर रात राजधानी तेहरान से लगभग 500 किलोमीटर (310 मील) दक्षिण-पूर्व में यज्द प्रांत के तफ्त शहर के बाहरी इलाके में हुआ। मालकजादेह के मुताबिक, हादसे में 23 जायरीन घायल हो गए, जिनमें से 14 को गंभीर चोटें आई हैं। उन्होंने बताया कि हादसे के समय बस में कुल 51 लोग सवार थे और ए सभी पाकिस्तान के रहने वाले हैं।

ईरान के सरकारी समाचार चैनल ने राजमार्ग पर पलटी पड़ी दुर्घटनाग्रस्त बस की तस्वीरें प्रसारित कीं, जिसकी छत बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी और सभी दरवाजे खुले हुए थे। दुर्घटनास्थल पर बचावकर्मी सड़क पर बिखरे कांच के टुकड़ों और मलबे के बीच शवों और घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाते नजर आए। चैनल पर प्रसारित खबर में मालकजादेह ने हादसे के लिए बस के ब्रेक फेल होने और चालक की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। पाकिस्तान के प्राधिकारियों ने बताया कि बस में दक्षिणी सिंध प्रांत के लरकाना शहर के जायरीन सवार थे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि इस हादसे से उन्हें गहरा दुख पहुंचा है और राजनयिक प्रभावित लोगों को हर संभव मदद मुहैया करा रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं।

पाकिस्तानी जायरीन अरबईन के लिए इराक जा रहे थे। अरबईन इस्लाम के इतिहास की पहली शताब्दी के दौरान कर्बला की लड़ाई में पैगंबर मुहम्मद के नवासे हुसैन की शहादत के 40वें दिन उनकी याद में किया जाने वाला एक अनुष्ठान है। हुसैन को पैगंबर मुहम्मद का असली उत्तराधिकारी माना जाता है। बताया जाता है कि जब हुसैन ने उमय्यद शासक यजीद प्रथम के साथ आने से इनकार कर दिया था, तब कर्बला में लड़ाई छिड़ गई, जिसमें हुसैन और उनके कुछ साथी शहीद हो गए। अरबईन के लिए हर साल दुनियाभर के करोड़ों जायरीन इराक के कर्बला में एकत्र होते हैं।

पर्वत चोटी पर फंसे दो और रूसी पर्वतारोहियों को बचाया, एक अब भी लापता

इस्लामाबाद। पूर्वोत्तर पाकिस्तान की एक दुर्गम पर्वत चोटी पर छह दिन से फंसे दो रूसी पर्वतारोहियों को मंगलवार को बचा लिया गया, जबकि एक अन्य पर्वतारोही अब भी लापता है और माना जा रहा है कि उसकी मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पांच सदस्यीय रूसी पर्वतारोहण दल 2023 में गशेरब्रम पर्वत पर लापता हुए एक पर्वतारोही का शव तलाशने के अभियान के तहत काराकोरम पर्वत शृंखला की इस दुर्गम चोटी के लिए रवाना हुआ था। पिछले शुक्रवार को यह दल बर्फ के एक विशाल ढेर की चपेट में आ गया था।

सोमवार को पाकिस्तान के सैन्य हेलीकॉप्टर ने दल में शामिल दो पर्वतारोहियों को सुरक्षित निकाल लिया था। बचावकर्मियों ने कहा था कि दो अन्य पर्वतारोही अपनी चोटों के कारण चलने-फिरने में असमर्थ हैं, इसलिए उन्हें निकालने के लिए अतिरिक्त तैयारियों की जरूरत है। अल्पाइन क्लब ऑफ पाकिस्तान के सचिव कर्रार हैदरी ने बताया कि एक सैन्य हेलीकॉप्टर ने स्थानीय स्वयंसेवकों की मदद से पर्वत चोटी पर फंसे दो और रूसी पर्वतारोहियों को निकाल लिया। उन्होंने कहा कि पांचवां पर्वतारोही एक हिम दरार में गिर गया और उसका पता नहीं लगाया जा सका है। हैदरी के मुताबिक, बुधवार को दोनों पर्वतारोहियों को पर्वत चोटी से आधार शिविर ले जाया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। उन्होंने कहा, दोनों पर्वतारोहियों को हवाई मार्ग से स्कार्दू शहर के एक अस्पताल ले जाया जाना था, लेकिन खराब मौसम के कारण हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका। हम दोनों को अस्पताल पहुंचाने के अन्य उपाय खोज रहे हैं।

बांग्लादेश में आतिथ्य क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित, होटलों में कमरे खाली

भाषा। ढाका

बांग्लादेश में हाल ही में एक महीने से अधिक समय तक हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों ने राजधानी ढाका में आतिथ्य क्षेत्र को बुरी तरह प्रभावित किया है और यहां कई महंगे और किफायती होटलों के अधिकतर कमरे खाली पड़े हैं। ढाका बांग्लादेश की राजनीतिक और वित्तीय राजधानी है और अंतरराष्ट्रीय होटल श्रृंखलाओं द्वारा प्रबंधित कई बड़े होटल यहां स्थित हैं जो बड़े पैमाने पर कारोबारी यात्रियों को सेवाएं प्रदान करते हैं। इनमें से कई होटल के वरिष्ठ प्रबंधकों का कहना है कि अशांति का सबसे ज्यादा असर जुलाई में महसूस किया गया जब बड़ी संख्या में बुकिंग रद्द हुई जिसके परिणामस्वरूप भारी वित्तीय नुकसान हुआ।

पॉश इलाकों में स्थित कुछ महंगे और किफायती होटल के कर्मचारियों से बातचीत की और उन सभी ने ढाका में आतिथ्य क्षेत्र की वर्तमान स्थिति की एक निराशाजनक तस्वीर पेश की। एक महंगे होटल के बिक्री विभाग में वरिष्ठ प्रबंधक ने नाम न उजागर करने की शर्त पर पीटीआई-भाषा को बताया, स्थिति अब थोड़ी बेहतर है लेकिन हमारे क्षेत्र में सामान्य स्थिति से कोसों दूर है क्योंकि अधिकतर कमरे खाली पड़े हैं। हालांकि, कारोबारी यात्रियों का एक वर्ग अशांति के बाद अब भी आ रहा है लेकिन कमरों में ठहरने वाले अतिथियों की संख्या में भारी गिरावट आई है। उन्होंने कहा, हमारे पास विभिन्न श्रेणियों में 150 कमरे हैं। अभी करीब 35 कमरे ही भरे हुए हैं। यह संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है।

उन्होंने इलाके में चार-पांच अगस्त की स्थिति को याद किया जब अराजकता चरम पर पहुंच गई थी जिसके कारण बांग्लादेश की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ना पड़ा था और बांग्लादेश में संकट पैदा हो गया था। हालात बिगड़ने पर होटल प्रशासन को अपनी महिला कर्मचारियों को चार-पांच अगस्त को घर पर ही रहने को कहना पड़ा था जबकि पुरुष कर्मचारियों के ठहरने की व्यवस्था होटल परिसर में ही की गई थी। पांच अगस्त को हसीना सरकार गिरने वाले दिन आई चुनौतियों पर पांच सितारा होटल के वरिष्ठ प्रबंधक ने कहा कि उस दिन अतिथियों में जर्मनी, रूस, स्विट्जरलैंड, भारत और बांग्लादेश के नागरिक शामिल थे और होटल में कूटनीतिक समुदाय के कुछ सदस्य भी थे। उन्होंने कहा, हमने होटल सील करके उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की और किसी को भी बाहर जाने या अंदर आने नहीं दिया। प्रदर्शनकारियों ने होटल इमारत तक मार्च भी किया लेकिन हमारी संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। अन्य होटल के कर्मचारियों ने भी ऐसी ही कहानी बयां की।

अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप

रौनक दहिया को कांस्य तीन महिला पहलवान सेमीफाइनल में पहुंचीं

भाषा। अम्मान (जॉर्डन)

भारत की तीन महिला पहलवानों ने यहां चल रही अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बनाई जबकि ग्रीको रोमन पहलवान के रौनक दहिया ने 110 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। अदिति कुमारी ने यूक्रेन की कैरोलिना शपेरिक (10-0) और मरियम मोहम्मद अब्देलाल (4-2) को हराकर महिला कुश्ती के 43 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बनाई जहां उनकी भिड़ंत एलेक्सांद्रा बेरेजोवस्काइया से होगी। नेहा ने 57 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में बिना कोई अंक गंवाएं जगह बनाई। उन्होंने यूनान की माइरी मेनी को चित्त करने के बाद जॉर्जिया की मिरांडा केपेनाद्जे को तकनीकी दक्षता के आधार पर हराया। वह अंतिम चार के मुकाबले में कजाखस्तान की अन्ना स्ट्रेटेन के खिलाफ उतरेंगी।

पुल्कित ने 65 किग्रा वर्ग में चीन के लिंग केइ को पछाड़ने के बाद जूलियाना केटेनजारो के खिलाफ 9-0 से जीत दर्ज की। वह फाइनल में जगह बनाने के लिए मिस्र की मराम इब्राहिम ऐली से भिड़ेंगी। अपने आयु वर्ग की विश्व रैंकिंग में दूसरे नंबर पर काबिज रौनक ने कांस्य पदक के प्लेऑफ में तुर्की के इमरुल्लाह कैपकन को आसानी से 6-। से हराया। यह मौजूदा चैंपियनशिप में भारत का पहला पदक है। इससे पहले रौनक सेमीफाइनल में हंगरी के रजत पदक विजेता ज़ोल्टन कज़ाको से हार गए थे। इस वर्ग में स्वर्ण पदक यूक्रेन के इवान यानकोवस्की ने जीता जिन्होंने तकनीकी दक्षता के आधार पर कजाको को 13-4 से हराया। भारत के पास 51 किग्रा रेपेचेज में दूसरा पदक जीतने का मौका है लेकिन इसके लिए साईनाथ पारधी को कांस्य पदक के प्ले ऑफ में मुसान एरासिल को हराना होगा।

लगातार कांस्य पदक जीतना बड़ी उपलब्धि

लेकिन जर्मनी से हारना दुर्भाग्यपूर्ण बोले हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत

भुवनेश्वर (भाषा)। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने बुधवार को कहा कि कई मौके बनाने के बावजूद पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में जर्मनी से हारना दुर्भाग्यपूर्ण रहा लेकिन इसके साथ ही उन्होंने लगातार दूसरा कांस्य पदक जीतने के प्रदर्शन को बड़ी उपलब्धि करार दिया। भारत ने पेरिस में स्पेन को हराकर कांस्य पदक जीता और इस तरह से तोक्यो ओलंपिक खेलों का प्रदर्शन दोहराया। इससे पहले सेमीफाइनल में उसे मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम का बुधवार को यहां पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया और ओडिशा सरकार ने उसे सम्मानित किया। हरमनप्रीत ने इस अवसर पर पीटीआई वीडियो से कहा, जर्मनी के खिलाफ मैच बेहद करीबी था। हमने कई मौके बनाए लेकिन उस दिन भाग्य हमारे साथ नहीं था और कुछ अवसरों पर हम चूक गए। उन्होंने कहा, लेकिन मुझे लगता है कि कांस्य पदक जीतना भी बहुत महत्वपूर्ण था। यह टूर्नामेंट में हमारा आखिरी मैच था और मैच जीतने के बाद बहुत खुशी महसूस हो रही है। हमारी कोशिश थी कि हम अपना सपना (स्वर्ण जीतने का) पूरा करें लेकिन किसी तरह से किस्मत ने हमारा साथ नहीं दिया। हरमनप्रीत ने कहा, हमारे पास कांस्य पदक जीतने का मौका था और हम जीत के लक्ष्य के साथ ही मैदान पर उतरे। हमने लगातार दो पदक जीते हैं और यह बड़ी उपलब्धि है। भारतीय कप्तान ओडिशा में मिले स्वागत और सम्मान से बेहद खुश थे। उन्होंने कहा, हमें हर तरफ से प्यार और सम्मान मिल रहा है। जब भी टीम यहां आती है, चाहे वह किसी टूर्नामेंट में खेलने के लिए हो या पदक जीतने के बाद, हमेशा अच्छा लगता है... हमें यहां बहुत सम्मान मिलता है। इस अवसर पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने टीम के सदस्यों के लिए नकद पुरस्कार की घोषणा की जिसमें राज्य के स्टार खिलाड़ी अमित रोहिदास को चार करोड़ रुपए दिए गए। भारतीय गोलकीपर पीआर श्रीजेश को 50 लाख रुपए दिए गए जबकि टीम के अन्य खिलाड़ियों को 15-15 लाख रुपए दिए गए। सहयोगी स्टाफ को 10-10 लाख रुपए दिए गए। हरमनप्रीत ने हॉकी को प्रायोजित करने के लिए राज्य सरकार का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, यहां हॉकी के लिए बहुत अच्छी सुविधाएं हैं। यहां अच्छे स्टेडियम और अच्छे मैदान हैं तथा हमें ओडिशा सरकार का समर्थन मिलता रहा है। इस तरह के बड़े टूर्नामेंट का आयोजन करना और दर्शकों को स्टेडियम तक लाना बड़ी बात है। मैं टीम की तरफ से राज्य का आभार व्यक्त करता हूं।

श्रीजेश को दो करोड़ का नकद पुरस्कार देगी केरल सरकार

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार ने बुधवार को भारतीय हॉकी के दिग्गज गोलकीपर और पेरिस ओलंपिक में टीम को लगातार दूसरा पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले पीआर श्रीजेश के लिए दो करोड़ रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की। मुख्यमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया। इसमें कहा गया, पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य रहे पी आर श्रीजेश को दो करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी

कोहली, स्मिथ अपना दबदबा कायम करना चाहेंगे: हेडन

मुंबई (भाषा) ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज मैथ्यू हेडन का मानना है कि भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ आगामी बोर्डर-गावस्कर श्रृंखला में अपना दबदबा बनाने के लिए बेताब होंगे जिसमें रन बनाना आसान नहीं होगा। अपने दौर के सर्वश्रेष्ठ सलामी बल्लेबाजों में से एक माने जाने वाले हेडन ने कहा कि कोहली और स्मिथ दोनों ही अपने-अपने तरीके से दबदबा बनाना पसंद करते हैं और इस श्रृंखला का नतीजा ऑस्ट्रेलिया में कैसा निकलेगा, यह तय करने में इन दोनों की अहम भूमिका होगी। हेडन ने बुधवार को सीएट क्रिकेट रेटिंग अवॉर्ड्स के इतर कहा, क्रिकेट लय का खेल है और मुझे यकीन है कि अपने क्रिकेट करियर के अंतिम दौर में पहुंच चुके ए दोनों खिलाड़ी गर्मियों में भी दबदबा बनाने के लिए बेताब होंगे। उन्होंने कहा, यह उनका स्वभाव है। वे इसे बहुत अलग-अलग तरीकों से, बहुत अलग-अलग शैलियों में करते हैं और निश्चित रूप से वे ऑस्ट्रेलियाई गर्मियों में महत्वपूर्ण खिलाड़ी होंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया 1991-92 के बाद पहली बार 22 नवंबर से पर्थ में पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला की शुरुआती करेंगे और हेडन ने कहा कि यह चुनना मुश्किल होगा कि किसी टीम का पलड़ा भारी होगा। उन्होंने कहा, आप टीमों को देखें। यह बताना मुश्किल है कि कौन सी टीम का पलड़ा भारी होगा। मुझे लगता है कि रन अंतर पैदा करेंगे। जिन खिलाड़ियों पर निश्चित रूप से दांव लगाया जाता वे संन्यास ले चुके हैं, जैसे (चेतेश्वर) पुजारा ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों में शानदार थे।

हेडन ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी भारत के खिलाफ जीत के सूखे को खत्म करने के लिए बेताब होंगे। ऑस्ट्रेलिया ने पिछली बार 2014-15 में द्विपक्षीय टेस्ट श्रृंखला जीती थी। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलिया में दो श्रृंखलाओं से हमारे हाथ में यह (ट्रॉफी) नहीं है। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन की नजरें युवा भारतीय खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल पर हावी होने पर हैं और हेडन ने कहा कि यह सही कदम है क्योंकि यह सलामी बल्लेबाज भारतीय क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। उन्होंने कहा, क्या यह बहुत बढ़िया नहीं है कि यह श्रृंखला हैवीवेट मुकाबले की ओर बढ़ रही है, कोई सर्वकालिक महानतम (लियोन) खिलाड़ी (जायसवाल) के पीछे जा रहा है, जो मेरी राय में भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी है। हां, वह निश्चित रूप से ऐसा साबित कर रहा है।

भारतीय बल्लेबाज स्पिन खेलने में थोड़े पिछड़ गए हैं: सहायक कोच डोएशे

नई दिल्ली (भाषा)। सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने स्वीकार किया कि विदेशों में अच्छा प्रदर्शन करने की इच्छा ने भारतीय बल्लेबाजों की स्पिन खेलने की क्षमता को प्रभावित किया है और उनका काम महत्वपूर्ण सत्र से पहले उन्हें फिर से इसमें निपुण बनाना है जिसमें पांच घरेलू टेस्ट भी शामिल हैं। पारंपरिक रूप से स्पिन के खिलाफ मजबूत भारत ने इस महीने की शुरुआत में तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में श्रीलंकाई स्पिनरों के खिलाफ 27 विकेट गंवाए और उसे श्रृंखला में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। यह 27 वर्षों में श्रीलंका के खिलाफ भारत की पहली द्विपक्षीय एकदिवसीय श्रृंखला हार थी। डोएशे ने टॉकस्पोर्ट क्रिकेट से कहा, हम श्रीलंका के खिलाफ हार गए। भारत की मानसिकता ऐसी रही है कि वे विदेशों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बहुत बेताब हैं।

उन्होंने कहा, हमारा ध्यान ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन करने पर है। हमने स्पिन खेलना छोड़ दिया है जो हमेशा से भारतीय टीम की ताकत रही है लेकिन अब हम थोड़ा पीछे रह गए हैं। डोएशे ने कहा, यह एक ऐसी चीज है जिसे मैं करने के लिए उत्सुक हूं जिससे कि हम उस स्थिति में पहुंच सकें जहां भारतीय फिर से दुनिया में स्पिन के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बन सकें। भारत को सितंबर और अक्टूबर में बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर पांच टेस्ट मैच खेलने हैं। इन दोनों टीमों के पास अच्छे स्पिनर हैं। दुनिया भर में कोचिंग का अच्छा अनुभव रखने वाले नीदरलैंड के पूर्व ऑलराउंडर डोएशेने कहा कि स्पिन खेलना तकनीकी बदलाव लाने के बजाय मानसिक बदलाव लाने के बारे में है। नीदरलैंड का यह 44 वर्षीय पूर्व खिलाड़ी अभिषेक नायर के साथ मिलकर मुख्य कोच गौतम गंभीर की सहायता करेगा। डोएशे ने कहा कि टीम अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के लिए भी बेताब है। उन्होंने कहा, चैंपियंस ट्रॉफी (फरवरी 2025) होनी है। तैयारी के लिए केवल तीन एकदिवसीय मैच बचे हैं इसलिए प्रारूपों के बीच बदलाव करना और टीम को उसके लिए तैयार करना वास्तव में चुनौतीपूर्ण होगा। डोएशे ने कहा कि अगले साल जून में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल के लिए क्वालीफाई करना टीम इंडिया के लिए एक और महत्वपूर्ण लक्ष्य है। भारत अभी डब्ल्यूटीसी तालिका में शीर्ष पर है और ऑस्ट्रेलिया उसके करीब है। डोएशे भारत द्वारा खेले जाने वाले 10 टेस्ट मैचों का उपयोग टीम की स्थिति को मजबूत करने के लिए करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, हम डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए उत्सुक हैं... 10 टेस्ट बचे होने के कारण यह एक शानदार अवसर है।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में श्रीलंका की खराब शुरुआत

मैनचेस्टर। (एपी) श्रीलंका की इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट में बुधवार को यहां शुरुआत खराब रही और टीम लंच तक पांच विकेट पर 80 रन बनाकर संकट में है। श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया जिसके बाद इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों ने सातवें ओवर में ही मेहमान टीम का स्कोर छह रन पर तीन विकेट कर दिया। दिनेश चांदीमल (17) और कप्तान धनंजय डिसिल्वा ने पारी को संभालने की कोशिश की लेकिन लंच से ठीक पहले ऑफ स्पिनर शोएब बशीर की नीची रहती गेंद पर चांदीमल पगबाधा हो गए। लंच के समय धनंजय 28 रन बनाकर खेल रहे थे जबकि कामिंदु मेंडिस पांच रन बनाकर उनका साथ निभा रहे हैं। श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही। गस एटकिंसन छठे ओवर में दिमुथ करूणारत्ने (02) को विकेटकीपर जेमी स्मिथ के हाथों कैच कराके टीम को पहली सफलता दिलाई। क्रिस वोक्स ने अगले ओवर में निशान मदुष्का (04) और एंजेलो मैथ्यूज (00) को पवेलियन भेजकर श्रीलंका को दोहरा झटका दिया। कुसाल मेंडिस (24) ने कुछ अच्छे शॉट खेले लेकिन मार्क वुड की उछाल लेती गेंद उनके दाएं हाथ के अंगूठे को छूकर दूसरी स्लिप में हैरी ब्रूक के हाथों में चली गई।

लुसाने डाइमंड लीग के लिए तैयार नीरज चोपड़ा

लुसाने।(भाषा) पेरिस ओलंपिक में ऐतिहासिक रजत पदक जीतने के दो हफ्ते बाद स्टार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा गुरुवार को लुसाने डाइमंड लीग मीट में फिर भाग लेंगे और अगले महीने सत्रांत डाइमंड लीग ट्रॉफी को फिर से हासिल करने की कोशिश करेंगे। लंबे समय से ग्रोइन की चोट से जूझ रहे नीरज ने आठ अगस्त को पेरिस ओलंपिक में 89.45 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था। उन्होंने तीन साल पहले तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 26 साल के नीरज ने शनिवार को लुसाने में डायमंड लीग प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की पुष्टि की थी जिसके कारण अब उनकी सर्जरी पर फैसला सत्र की समाप्ति के बाद होगा। नीरज 2022 में डाइमंड लीग चैंपियन थे और पिछले साल अमेरिका के यूजीन में विनर-टेक-ऑल डाइमंड लीग फाइनल में चेक गणराज्य के याकूब वाडलेच के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। मौजूदा सत्र का डाइमंड लीग फाइनल 14 सितंबर को ब्रुसेल्स में होगा। फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए उन्हें डाइमंड लीग मीटिंग सीरीज तालिका में शीर्ष छह में रहना होगा। पांच सितंबर को ज्यूरिख में एक और डाइमंड लीग प्रतियोगिता होनी है जिसमें पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा भी शामिल है। दस मई को दोहा डाइमंड लीग में वाडलेच के बाद दूसरे स्थान पर रहने से वह सात अंक के साथ चौथे स्थान पर हैं। आठ अगस्त को ओलंपिक फाइनल के बाद नीरज ने स्विट्जरलैंड में प्रशिक्षण शुरू कर दिया और चोट की समस्या के बावजूद इस सत्र को शानदार तरीके से समाप्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। नीरज ने पिछले सप्ताह कहा था, मैं डाइमंड लीग से पहले प्रशिक्षण के लिए स्विट्जरलैंड आया। सौभाग्य से मेरी चोट गंभीर नहीं हुई क्योंकि मैंने उसका अतिरिक्त ध्यान रखा। उन्होंने कहा, मैंने अधिकतर अन्य एथलीटों की तरह अपना सत्र जारी रखने के बारे में सोचा। सत्र समाप्त होने में अभी एक महीना बाकी है। मैं अपने खाली समय में डॉक्टरों के पास जाऊंगा।

भारतीय पैरा एथलीटों की निगाहें 12 पदक पर

पैरालंपिक के लिए अंतिल की अगुआई में पहला जत्था पेरिस रवाना

नई दिल्ली। (भाषा) पांच स्वर्ण सहित एक दर्जन पदक जीतने की उम्मीद के साथ भारत के पैरालंपिक एथलीटों का पहला जत्था स्टार भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल की अगुआई में पेरिस पैरालंपिक के लिए रवाना हो गया है। परिस्थितियों के अनुकूल खुद को ढालने के लिए पैरालंपिक खिलाड़ी समय से पहले रवाना हुए हैं। देश के 16 पैरा एथलीट उद्घाटन समारोह से तीन दिन पहले 25 अगस्त को खेल गांव में प्रवेश करेंगे और उससे पहले कुछ दिन पेरिस के होटलों में रुकेंगे। पैरालंपिक में अपने खिताब की रक्षा करने वाला पहला भारतीय बनने के लिए चुनौती पेश करने वाले अंतिल सहित अन्य भारतीय खिलाड़ी फ्रांस की राजधानी के पास की सुविधाओं में प्रशिक्षण लेंगे ताकि वे वहां के मौसम के अनुकूल खुद को ढाल सकें। पैरा एथलेटिक्स स्पर्धाएं 30 अगस्त से पैरालंपिक के समापन दिवस आठ सितंबर तक स्टेड डी फ्रांस में आयोजित की जाएंगी। इसी स्टेडियम में पेरिस ओलंपिक के दौरान सक्षम खिलाड़ियों ने प्रतिस्पर्धा की थी। पैरा एथलेटिक्स के मुख्य कोच सत्यनारायण ने पीटीआई को बताया, सुमित अंतिल और कुछ अन्य पैरा एथलीट खेल गांव में प्रवेश करने से पहले कुछ दिनों के लिए नेल्सन मंडेला खेल परिसर में प्रशिक्षण लेंगे। नेल्सन मंडेला खेल परिसर स्टेड डी फ्रांस से लगभग पांच किमी दूर है। इसमें एथलेटिक्स, रग्बी, टेनिस, व्हीलचेयर टेनिस और तैराकी के लिए अत्याधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध हैं। सत्यनारायण ने कहा, कुछ लोग खेल गांव के पास के होटलों में रुकेंगे और वे दिन के समय वहां प्रशिक्षण सुविधाओं का उपयोग कर सकते हैं। पेरिस खेलों में भारतीय पैरा एथलेटिक्स टीम की पदक संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य कम से कम पांच स्वर्ण सहित कुल 12 पदक जीतना है। यह पैरालंपिक में हमारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन होगा। सत्यनारायण की उम्मीदें मई में जापान के कोबे में 2024 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अभूतपूर्व सफलता से जुड़ी हैं जहां भारत छह स्वर्ण, पांच रजत और छह कांस्य के साथ पदक तालिका में छठे स्थान पर रहा था।

आयुब-शकील के अर्धशतक, पाकिस्तान ने चार विकेट पर 158 रन बनाए

रावलपिंडी। बांग्लादेश के तेज गेंदबाजों ने अनुकूल हालात का फायदा उठाकर पाकिस्तान के शीर्ष क्रम को समेटा लेकिन सैम आयुब और सऊद शकील के अर्धशतक से मेजबान टीम पहले क्रिकेट टेस्ट के मौसम से प्रभावित पहले दिन चार विकेट पर 158 रन बनाने में सफल रही। सुबह बारिश के कारण टॉस में साढ़े चार घंटे का विलंब हुआ। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और जल्द ही पाकिस्तान का स्कोर तीन विकेट पर 16 रन कर दिया। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज आयुब (56) और उप कप्तान शकील (नाबाद 57) ने इसके बाद चौथे विकेट के लिए 98 रन की तेज साझेदारी करके पारी को संभाला। तेज गेंदबाज हसन महमूद (33 रन पर दो विकेट) ने आयुब को तीसरी स्लिप में कैच हराके इस साझेदारी को तोड़ा। आयुब ने 98 गेंद की अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का मारा। दिन का खेल खत्म होने पर विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान 24 रन बनाकर शकील का साथ निभा रहे थे। इससे पहले बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शंटो ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया जिसे उनके गेंदबाजों ने सही साबित किया। हसन ने अब्दुल शफीक (02) को चौथे ही ओवर में पवेलियन भेजा जिनका गली में जाकिर हसन ने शानदार कैच लपका। पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद (06) विवादास्पद फैसले का शिकार हुए। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शोरीफुल इस्लाम (30 रन पर दो विकेट) की गेंद पर मैदानी अंपायर ने उन्हें विकेट के पीछे कैच आउट नहीं दिया लेकिन डीआरएस लेने पर टीवी अंपायर डेरेन गफ ने उन्हें आउट करार दिया। मसूद मैदानी अंपायर रिचर्ड कैटलब्रो से बहस करने के बाद निराश होकर वापस लौटे। बाबर आजम भी इसके बाद शोरीफुल की गेंद लेग साइड पर फ्लिक करने की कोशिश में विकेटकीपर लिटन दास के हाथों लपके गए। वह खाता भी नहीं खोल पाए।

सतीश जापान ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल में

योकोहामा (जापान)। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी सतीश कुमार करुणाकरन ने बुधवार को यहां पहले दौर में डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसन के मैच के बीच में चोटिल होने के कारण हटने पर जापान ओपन के पुरुष एकल के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। भारत के 23 साल के सतीश जब 6-। से आगे चल रहे थे तब दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी एंटोनसन ने योकोहामा एरेना में मुकाबले के तीसरे मिनट में ही हटने का फैसला किया। दुनिया के 47वें नंबर के खिलाड़ी सतीश प्री क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड के केंटाफोन वैंगचेरोएन से भिड़ेंगे। किरण जॉर्ज को हालांकि इस सुपर 750 टूर्नामेंट के पुरुष एकल के पहले दौर में जापान के केंता सुनेयामा के खिलाफ 19-21 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। सुमित रेड्डी और सिक्की रेड्डी की मिश्रित युगल जोड़ी का भी अभियान खत्म हो गई। यह जोड़ी पहले दौर में डेनमार्क के जेस्पर टॉफ्ट और एमेली मेगलुंड के खिलाफ मुकाबले के बीच से हट गई। महिला युगल में रुतुपर्णा पांडा और श्वेतपर्णा पांडा को भी पहले दौर में जूली फिन इपसेन और माई सुरो की डेनमार्क की जोड़ी के खिलाफ 34 मिनट में 8-21 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। हाल में पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लेने वाला कोई भी भारतीय खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में नहीं खेल रहा।

कोचों पर अत्यधिक निर्भरता से डगमगाने लगता है खिलाड़ियों का आत्मविश्वास

भाषा। नई दिल्ली

रविचंद्रन अश्विन को लोगों पर निर्भर रहना पसंद नहीं है और यही कारण है कि वह कभी भी पारंपरिक रूप से कोच पर निर्भर रहने के विचार के पक्ष में नहीं रहे क्योंकि उनका मानना है कि इस तरह की निर्भरता खिलाड़ियों को हठधर्मी बनाती है।

अपने 14 साल के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर में अश्विन ने विभिन्न प्रारूपों में अब तक 281 मैच खेले हैं और 744 विकेट चटकाए हैं। अश्विन की समझदारी और बार-बार खुद को खोजने की उनकी क्षमता ने उन्हें मुश्किल समय में टिके रहने में मदद की है। इस 37 साल के ऑफ स्पिनर ने हाल ही में पीटीआई को टेलीफोन पर दिए इंटरव्यू में कहा, बहुत सारे खिलाड़ी कोच या मार्गदर्शक या किसी एक व्यक्ति पर बहुत अधिक निर्भर होते हैं जो मुझे लगता है कि बहुत खतरनाक प्रवृत्ति है क्योंकि लोगों पर अत्यधिक निर्भरता के कारण आप नए विचारों के लिए तैयार नहीं होते। ऐसा नहीं है कि अश्विन के पास कभी कोई मार्गदर्शक नहीं रहा। उनके राज्य टीम के पहले कोच डब्ल्यूवी रमन भारतीय क्रिकेट के सम्मानित नामों में से एक हैं और तमिलनाडु के दिग्गज तथा पूर्व भारतीय बल्लेबाज एस बद्रीनाथ उनके लिए मार्गदर्शक रहे हैं। लेकिन उनके साथ उनका समीकरण कभी भी उस तरह की निर्भरता में नहीं बदला जो समाधान खोजने की उनकी खुद की क्षमता को खत्म कर दे। उन्होंने कहा, अक्सर कोच की चुनौती आपके लिए कई समाधान देने में सक्षम होना होती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि जो एक (विशेष खिलाड़ी) के लिए काम करता है, वह शायद दूसरे के लिए काम नहीं करे। हाल ही में आई हैव द स्ट्रीट्स: ए कुट्टी क्रिकेट स्टोरी के साथ एक लेखक के रूप में शुरुआत करने वाले अश्विन ने कहा, एक आधुनिक कोचिंग का पहलू जिससे मैं पूरी तरह असहमत हूं, वह यह है कि वे उसी तकनीक (समाधान) को कॉपी-पेस्ट करने की कोशिश करते हैं जो किसी अन्य क्रिकेटर के लिए काम कर चुकी है। हालांकि वह इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि कुछ खिलाड़ी अपने कोच के नजरिए के सामने समर्पण करके नतीजे हासिल करते हैं लेकिन उन्हें यह भी लगता है कि इस तरह की निर्भरता आपकी सोच को सीमित कर सकती है। भारत के सबसे सफल टेस्ट गेंदबाजों की सूची में दिग्गज अनिल कुंबले के बाद दूसरे स्थान पर मौजूदा अश्विन ने कहा, एक क्रिकेटर के तौर पर आपको लगातार नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है इसलिए आपको अपने जवाब खुद ही तलाशने चाहिए। अपने करियर में रमन की भूमिका पर अश्विन ने कहा, लोग आपकी मदद कर सकते हैं। लेकिन वे आपके करियर में आपका मार्गदर्शन नहीं कर सकते, आपको नए विचारों के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा, डब्ल्यूवी (रमन) ने मुझे खुद को जाहिर करने की स्वतंत्रता दी और आप जानते हैं, नई चीजों को आजमाने की। उन्होंने मुझे यह भी सिखाया कि मुझे कैसे और किस रास्ते पर चलना है लेकिन उन्होंने कभी नहीं कहा, यह वह रास्ता है जिस पर आपको चलना है।। अश्विन ने कहा, तो एक तरह से, मेरे शुरुआती दिनों में, डब्ल्यूवी के मार्गदर्शन ने सुनिश्चित किया कि मैं कभी भी किसी पर अत्यधिक निर्भर नहीं रहा। अश्विन ने कहा कि दूसरी राय लेना कभी भी बुरा विचार नहीं है लेकिन क्रिकेट मुख्य रूप से एक स्वयं सिखाया हुआ खेल है। उन्होंने कहा, यदि आपको अपने खेल के बारे में जानकारी नहीं है और यदि आप खुद को नहीं सिखा सकते हैं, तो मुझे लगता है कि आप हमेशा किसी पर निर्भर रहने वाले हैं, जो मुझे लगता है कि बहुत खतरनाक हिस्सा है। अश्विन 10 टेस्ट मैच के बड़े सत्र के लिए तैयार हैं और अगले महीने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली श्रृंखला नए मुख्य कोच गौतम गंभीर के मार्गदर्शन में उनकी पहली सीरीज होगी जिनके साथ उन्होंने काफी मैच खेले हैं। अश्विन उन्हें भारतीय क्रिकेट के हीरो में से एक मानते हैं। उन्होंने कहा, गौतम ऐसे व्यक्ति हैं जिनके साथ मेरे अब भी बहुत अच्छे संबंध हैं। इस तथ्य के कारण कि वह बहुत सीधे और ईमानदार व्यक्ति हैं। अश्विन ने कहा, मुझे लगता है कि गौतम भी उन लोगों में से एक हैं जिनका हमें हमेशा समर्थन करना चाहिए। वह भारतीय क्रिकेट के हीरो हैं। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को उनकी खास कैरम बॉल को समझने के लिए संघर्ष करना पड़ा है और उन्हें इसमें पारंगत होने में लगभग तीन साल लग गए। कहा, मैंने 2006 या 2007 के बाद से नेट्स में ऐसी गेंदें फेंकना शुरू किया जो शायद मेरे लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट का दूसरा सत्र था। उन्होंने कहा, 2008 में विजय हजारे ट्रॉफी (केएस सुब्बैया पिल्लई ट्रॉफी) के दक्षिण क्षेत्र के मैचों के दौरान मैंने लगभग दो साल बाद इस गेंद को फेंका। 2010 तक मैं जिस गति से गेंदबाजी करता था, उसके बारे में शायद काफी आश्वस्त था।

बादशाहपुर
का
विकास
कमल
के साथ
कमल यादव
जिला अध्यक्ष, भाजपा गुरुग्राम
kamalyadavbjp kamalyadav77 kamalyadav77